C M Y K

आज का विचार

अपनी जिन्दगी पर कभी भी अफसोस मत करना, हो सकता है जैसी जिन्दगी आप जी रहे हैं वो किसी और के लिए एक सपने जैसी हो।

www.ambikavani.com

# अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-248 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

अम्बिकापुर, सोमवार 30 जून, 2025

## पहला कॉलम

### मुख्यमंत्री से केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ने की सौजन्य मुलाकात

**रायपुर**। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में केंद्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती सावित्री ठाकुर ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रीमती ठाकुर के साथ प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास के संकल्प के तहत विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को सशक्त बनाने पर ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि नक्सल प्रभावित बीजापुर, सुकमा, कांकेर, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिलों में नियद नेल्लानार योजना के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 159 आंगनबाड़ी केंद्रों का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। यह पहल उन दुर्गम क्षेत्रों में शासन की योजनाओं को सीधे अंतिम पंक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी अवगत कराया कि महतारी वंदन योजना अंतर्गत मार्च 2024 से जून 2025 की अवधि में 70 लाख से अधिक महिलाओं को 10,431.30 करोड़ की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की गई है। इससे महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत आधार मिला है।

## कुछ अलग

### बीमारी बढने से पहले उसका रोकथाम करना है आवश्यक, सरकार इस दिशा में है प्रयासरत - जायसवाल

**रायपुर**। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एवं ईट्सा हास्पीटल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को मेगा स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन चेम्बर भवन में किया गया। शिविर का उद्घाटन प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया और इस दौरान उन्होंने अपने कान का इलाज भी करवाया और कहा कि हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना जरुरी है, बीमारी बढ? से पहले उसका रोकथाम करना आवश्यक है एवं सरकार इस दिशा में प्रयासरत है। साथ ही उन्होंने व्यापारियों से छत्तीसगढ़ को टीबी मुक्त बनायें और चेम्बर से स्वास्थ्य प्रभारी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि रोटी, कपड़ा, मकान की व्यवस्था सरकार कर रही है लेकिन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना आवश्यक है। स्वास्थ्य मंत्री ने चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी को उनके जन्मदिन पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए चेम्बर के प्रयासों की सराहना की और कहा कि सरकार व्यापारिक समुदाय के साथ मिलकर प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। रक्तदान शिविर में चेम्बर महामंत्री के 104 वां रक्तदान पर स्वास्थ्य मंत्री ने उन्हें सम्मानित किया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया।

## खरी-खरी

# पुलिस को मिली बड़ी सफलता, पांच साल से छिपा माओवादी अंकल गिरफ्तार, 15 जवानों की हत्या का है आरोपी

**राजनांदगांव**। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सीमाओं पर लंबे समय से सक्रिय माओवादी अंकल उर्फ मन्नू पल्लो (२८) को गढ़चिरौली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह बारुदी सुरंग विस्?फोट में १५ जवानों की हत्?या के मामले में शामिल रहा है। यह गिरफ्तारी २७ जून को की गई। उसे गढ़चिरौली के नई स्थापित पोस्ट कवंडे के करीब जंगल क्षेत्र से राइफल के साथ सीआरपीएफ ने गिरफ्तार किया। आरोपित पर कई जिलों में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह २०२० से अपनी पहचान छिपा कर बचता फिर रहा था। पुलिस ने बताया कि, वह सुरक्षाबलों की टोह ले रहा था। उस पर छह लाख का इनाम घोषित था।

**जंगलों में छिपकर रह रहा था माओवादी**

गिरफ्तारी के बाद खुलासा हुआ है कि अंकल उर्फ मन्नू ने सुरक्षा बलों से बचने के लिए २०२० से लगातार गढ़चिरौली के गहरे जंगलों में छिपकर रहना शुरू कर दिया था। बीते कुछ वर्षों में वह कई बार एनकाउंटर में बाल-बाल बच चुका था। आरोपी पर २०१२ से लेकर २०२० तक माओवाद गतिविधियों में शामिल होने, हिंसक घटनाएं करने और संगठन को मजबूत करने के आरोप हैं। वह वर्ष २०२० में हुई पेरमिली मुठभेड़, २०२१ के कोरची हमले समेत कई मामलों में संलिप्त रहा है। पुलिस के मुताबिक, वह लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहकर रणनीतिक भूमिकाएं निभा रहा था।

**गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा**

गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब उससे गहन पूछताछ कर संगठन की वर्तमान स्थिति और अन्य नक्सलियों की जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है। गढ़चिरौली पुलिस बल ने माओवादी विरोधी अभियान के बीच जनवरी २०२२ से अब तक कुल १०४ माओवादियों को गिरफ्तार किया है।

**तीन मुठभेड़ और दो हत्या के मामले शामिल**

पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने बताया कि, उक्त माओवादी ०१ मई २०१९ को जांभुलखेड़ा जंगल क्षेत्र में हुए बारूदी सुरंग विस्फोट में १५ पुलिस कर्मियों की हत्या में सक्रिय रूप से शामिल था। उसे २९ मार्च २०२१ को मौजा खोबरामेढ़ा के वन क्षेत्र में पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ के सिलसिले में उसे गिरफ्तार किया गया था। वह सात दिनों की पुलिस हिरासत में भी रहा था। उस पर अब तक पांच मामले दर्ज हैं, जिनमें तीन मुठभेड़ और दो हत्या के मामले शामिल हैं।

## हाइब्रिड धान को लेकर किसानों का मोह भंग – गुणवत्ता और लागत बनी समस्या, सहकारी समितियों की ओर बढ़ता रुझान

**कोरिया बैकुंठपुर**। कोरिया जिले के ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे अंचल में खेती-किसानी ग्रामीण जीवन का आधार है। परंतु पिछले कुछ वर्षों से किसानों के बीच एक नई चिंता गहराती जा रही है — और वह है हाइब्रिड धान की खेती से मोहभंग। पहले जहां हाइब्रिड बीजों को अधिक उत्पादन और रोग प्रतिरोधक क्षमता के कारण किसानों द्वारा हाथोंहाथ अपनाया गया था, वहीं अब किसानों में इससे दूरी बनती जा रही है। इसकी वजहें स्पष्ट हैं — अत्यधिक बीज लागत, गुणवत्ता की गिरावट और फसल के बाद उपज का संतोषजनक मूल्य न मिलना।

**महंगे बीजों ने बढ़ाई चिंता** – हाइब्रिड धान के बीजों की कीमतें अब आम किसान की पहुँच से बाहर होती जा रही हैं। एक एकड़ खेत के लिए आवश्यक बीजों की कीमत स्थानीय बाजारों में ?१२०० से ?१५०० प्रति किलो तक हो चुकी है। जबकि पारंपरिक या संशोधित (मॉडिफाइड) किस्में सहकारी समितियों या सरकारी कृषि केंद्रों से बहुत ही कम कीमत पर उपलब्ध हैं। **किसान गुरुदेव पांडे, जो कि पिछले चार वर्षों से हाइब्रिड धान की खेती कर रहे थे, कहते हैं** – हाइब्रिड बीज लेने में ही हजारों रुपये खर्च हो जाते हैं, और ऊपर से खाद, कीटनाशक व अन्य लागत अलग। फिर भी उपज की गुणवत्ता ऐसी नहीं होती कि अच्छी कीमत मिल सके। अब हमने निश्चय किया है कि आगामी सीजन से सरकारी समिति से बीज लेकर संशोधित धान ही बोएंगे। केवल किसान ही नहीं, बल्कि धान का उपभोग करने वाले आम उपभोक्ताओं में भी हाइब्रिड धान की गुणवत्ता को लेकर निराशा देखने को मिल रही है। विशेषकर स्वाद, पका हुआ चावल गीला या गोंद जैसा होना, और भंडारण में जल्दी खराब होने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं।

# शह और मात के खेल में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, इंटर हाउस शतरंज प्रतियोगिता

**मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)**। सेंट पैट्रिक्स अकादमी मनेंद्रगढ़ में 28 जून को बहुप्रतीक्षित इंटर हाउस शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह और खेल भावना के साथ किया गया। आयोजन में चारों सदनों – टैगोर, गांधी, नेहरू और प्रसाद की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिसमें युवा पैट्रिशियनों की रणनीतिक प्रतिभा और मानसिक चपलता का प्रदर्शन किया गया।

प्रतियोगिता राजेंद्र मंडल के सावधानीपूर्वक निरीक्षण में आयोजित की गई, जिन्होंने निष्पक्ष खेल और मैचों के सुचारू निष्पादन को सुनिश्चित किया। सीनियर वर्ग में छात्रों ने सराहनीय कौशल और संयम का प्रदर्शन किया। बालिका वर्ग में प्रांजल श्रीवास्तव तेज चाल और शांत दिमाग के साथ विजयी हुई। वहीं बालक वर्ग में प्रतीक सेठी ने अपने विरोधियों को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। जूनियर सेक्शन ने भी नवोदित प्रतिभाओं और आशाजनक शतरंज रणनीतियों का प्रदर्शन किया। छात्रा अवनी पांडेय ने अपने केंद्रित खेल के साथ बालिका वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। वहीं बालक वर्ग में दीपांशु सिंह ने अपनी तेज और चतुर रणनीति से सभी को प्रभावित किया और विजेता का खिताब हासिल किया। यह कार्यक्रम बुद्धि, धैर्य और प्रतिस्पर्धी भावना का उत्सव था, जो समग्र विकास पर अकादमी के जोर को दशार्ता है। प्रिंसिपल और स्टाफ ने सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई देते हुए अकादमिक और पाठ्येतर गतिविधियों दोनों में खोज जारी रखने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। इंटर-हाउस शतरंज प्रतियोगिता ने न केवल हाउसों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, बल्कि छात्रों के बीच आलोचनात्मक सोच और अनुशासन की संस्कृति को भी बढ़ावा दिया।

# सोल्लास मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

**मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)**। शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम प्राथमिक शाला दक्षिण पारा बंजी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ा भगत बाबू, कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य अय्यूब लाल एवं विशिष्ट अतिथि सीता देवी आयम, देव कुमार सरपंच बंजी, उत्तरा कुमार महर्षि प्राचार्य बंजी, परमेश्वर सिंह, अशोक मंडल, बृजेश कुमार शर्मा, प्रेम सिंह आयम, हिरदन सिंह, रामदीन सिंह, जीवन सिंह, नौरंग सिंह, दलबीर सिंह, शिव कुमारी, इंद्र कुंवर, फूलकुंवर, सुकवरिया, अमित राय, नीलेश्वरी, कन्हैया लाल एवं प्रधानपाठक नभाग सिंह रहे। मां सरस्वती के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ राजगीत से किया गया। अतिथियों द्वारा नव प्रवेशित बच्चों को तिलक लगाकर, मिष्ठान्न खिलाकर एवं पुस्तक देकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि भगत बाबू के द्वारा पहले की शिक्षा पद्धति और वर्तमान शिक्षा नीति के बारे मे विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने सांस्कृतिक मंच के लिए घोषणा की। प्राचार्य अय्यूब लाल ने नवप्रवेशी बच्चों को आशीर्वचन देते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने व अपने माता-पिता का सपना साकार करने के लिए कहा। उपस्थित सभी अतिथियों के न्योता भोजन उपरांत कार्यक्रम का समापन हुआ।

# बच्चों ने प्रकृति के प्रति प्रेम और सामाजिक जिम्मेदारी का किया सुंदर प्रदर्शन

**मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)**। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में प्री-प्राइमरी कक्षाओं के नन्हे विद्यार्थियों के लिए बेस्ट नेचर कलेक्शन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों को प्रकृति के करीब लाना, उनमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनके सामाजिक और भावनात्मक कौशल को सुदृढ़ करना था।

प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने पत्तियां, फूल, बीज, पत्थर, छोटी टहनियां और अन्य प्राकृतिक वस्तुओं का सुंदर संग्रह प्रस्तुत किया। कुछ बच्चों ने अपने संग्रह के पीछे की कहानी भी साझा की – जैसे पेड़ के नीचे गिरी हुई विशेष पत्ती को संजोकर लाने का कारण या सुबह की सैर में मिली हुई अद्भुत आकृति वाली टहनी। इससे यह स्पष्ट हुआ कि बच्चों ने केवल वस्तुएं ही इकट्ठी नहीं कीं, बल्कि उनके साथ एक भावनात्मक जुड़ाव भी महसूस किया। विद्यालय के निदेशकों और शिक्षकों ने बच्चों की इस संवेदनशीलता और समर्पण की प्रशंसा की। प्रतियोगिता को बच्चों की सामाजिक सहभागिता, संचार कौशल, नेतृत्व, और टीमवर्क को बढ़ावा देने का एक सुंदर माध्यम बताया गया। प्रतियोगिता में कक्षा नर्सरी में विराज सिंह प्रथम, अयांश गुपता द्वितीय एवं राम पांडेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा केजी-1 में काशवी सोनी एवं आत्मिका गुप्ता प्रथम, युग भारद्वाज एवं अंश कुशवाहा द्वितीय ऐशनि नरूला एवं शिवांश शर्मा तृतीय तथा केजी-2 में जमीर्ना हयात खान प्रथम, श्रीनिका पांडेय द्वितीय एवं नित्या गुप्ता व आद्रिशा पांडेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

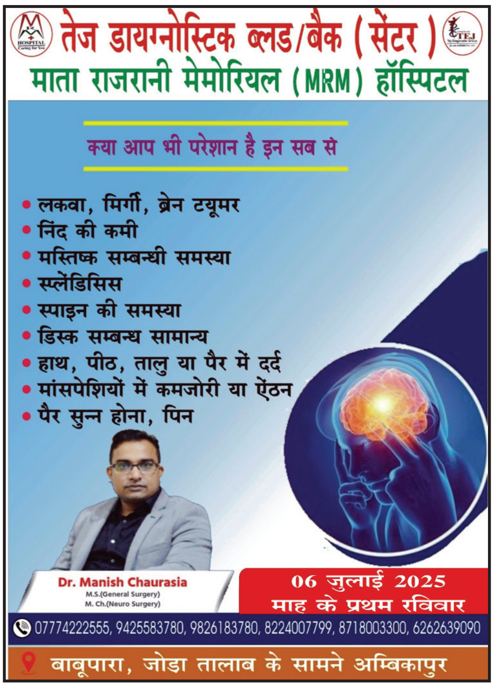

## जिला स्तरीय कार्यक्रम का हुआ आयोजन

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** जिले में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र के तीसरे चरण में ७५ पंचायतों में सरपंच व वीएलई के मध्य एमओयू की कार्यवाही के लिए जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह, उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव तथा सीईओ जिला पंचायत श्री विनय कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे। इस अवसर पर सरपंच व वीएलई के बीच अनुबंध पर हस्ताक्षर किया गया तथा अनुबंध पत्र का हस्तांतरण किया गया।

**पहला कालम**

## कोल कर्मियों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल 9 जुलाई को, खदानों में ठप रहेगा काम

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
एसईसीएल समेत कोल इंडिया की सभी इकाईयों के कर्मचारी ९ जुलाई को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर जाने वाले हैं। यह हड़ताल केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ चार प्रमुख केंद्रीय श्रमिक संगठनों द्वारा आहूत की गई है। एचएमएस, एटक, इंटक और सीटू के नेताओं ने एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक को हड़ताल की विधिवत नोटिस सौंप दी है। नोटिस में साफ तौर पर उल्लेख किया गया है कि ९ जुलाई को एसईसीएल की सभी खदानें, क्षेत्रीय कार्यालय, प्रतिष्ठान, स्थापना शाखाएं और ठेका श्रमिक एक दिन के लिए कार्य से विरत रहेंगे। गौरतलब है कि यह हड़ताल पहले २० मई को प्रस्तावित थी, लेकिन जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले और देश की संवेदनशील परिस्थितियों को देखते हुए ९ मई और १५ मई को दिल्ली में हुई संयुक्त बैठक में इसकी तिथि आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। अब यह हड़ताल ९ जुलाई को आयोजित होगी। श्रमिक संगठनों का आरोप है कि केंद्र सरकार और कोल इंडिया प्रबंधन द्वारा मजदूरों की मौजूदा वेतन व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है। ठेका कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा और मजदूरी संबंधित समस्याओं को लंबे समय से नजर अंदाज किया जा रहा है। श्रमिक संगठनों को आशंका है कि कोल सेक्टर में निजी कंपनियों को बढ़ावा देने की नीति अपनाई जा रही है, जिससे स्थायी रोजगार पर संकट है। हालांकि भारतीय मजदूर संघ बीएमएस के एक नेता का कहना है कि न तो हम इसका समर्थन करते हैं और न ही इसका विरोध करते हैं।

## कुल्हाड़ी से एटीएम तोड़कर लूट का प्रयास करने वाला आरोपी गिरफ्तार

**सुकमा।** जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टर कार्यालय के परिसर स्थित एटीएम को लूटने का प्रयास किया गया। आरोपी ने कुल्हाड़ी से एटीएम को तोड़कर पैसे निकलने के प्रयास के दौरान मौके पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस की गाड़ी देखकर भागने की कोशिश कर रहे एक आरोपी देवेंद्र यादव निवासी ग्राम सूर्यपाल थाना कूकानार को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कलेक्टर परिसर के भीतर जिला मुख्यालय का एकमात्र एटीएम पंजाब नेशनल बैंक का स्थित है। बीती देर रात 2 बजे बॉम्बे स्थित हेड क्वार्टर में सायरन बजा, जिसके बाद आनन-फानन में जिले के बड़े अधिकारियों को फोन आया, और फिर पुलिस हरकत में आई। पुलिस गाड़ी को देख एटीएम को तोड़ रहे आरोपी देवेंद्र यादव भागने का प्रयास किया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी, जिसे गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले को लेकर सुबह पंजाब नेशनल बैंक के कर्मचारी ने थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज करवाई, जिसके बाद आगे की कारवाई की जा रही है।

## पीएमश्री स्वामी आत्मानंद विद्यालय में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति हुआ का गठन

**कांकेर।** जिले के पीएमश्री विद्यालय भानुप्रतापपुर में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति का गठन किया गया जिसमें नरोत्तम सिंह चौहान अध्यक्ष, संस्था के प्राचार्य पीआर. भारद्वाज सचिव, वरिष्ठ व्याख्याता महेंद्र सिंह टांडिया कोषाध्यक्ष नियुक्त किए गए द्य श्रीमती सुमित्रा साहू, श्रीमती संगीता टांडिया, कमलेश गावडे, राहुल सिंह धुन्ने, राजकुमार दुबे, राजकुमार यादव, हर्षवर्धन कुंजाम एवं श्रीमती साक्षी देवांगन को पालक समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है।

संस्था से सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं गणित विषय से क्रमशः लिगेंद्र साहू, कमलेश विनायक एवं प्रवीण साहू को भी समिति में शामिल किया गया। मानवीकी, कला तथा संस्कृति व आडिट एवं अकाउंट के लिए क्रमशः श्रीमती ज्योति नगरिया, राम कुमार बंजारे, नागेश्वर महावे को शामिल किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय स्तर की विभिन्न समस्याओं के निराकरण, छात्रों की सतत प्रगति, सर्वांगीण विकास, तथा शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम पर चर्चा की गयी। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ व्याख्याता एमके. टांडिया ने किया।

## जगन्नाथ पुरी के लिए स्पेशल ट्रेन 5 जुलाई को जगदलपुर से निकलेगी, 7 जुलाई को पुरी से वापस लौटेगी

**जगदलपुर।** बस्तर जिला मख्यालय जगदलपुर से ओडिशा के जगन्नाथ पुरी के लिए रेलवे गोंचा स्पेशल ट्रेन जुलाई के पहले सप्ताह 5 और 7 जुलाई को यह ट्रेन चलेगी, गोंचा स्पेशल ट्रेन 5 जुलाई को जगदलपुर से निकलेगी और 7 जुलाई को यही ट्रेन पुरी से जगदलपुर वापस लौटेगी।

रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार 5 जुलाई को जगदलपुर रेलवे स्टेशन से सुबह 9 बजे यह ट्रेन ओडिशा के जगन्नाथ पुरी के लिए रवाना होगी। जो रात 1:15 मिनट पर पुरी पहुंच जाएगी। वहीं 7 जुलाई की रात 12:45 को यह ट्रेन पुरी से रवाना होगी और शाम 4:45 को यह जगदलपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन में 4 स्लीपर, 2 जनरल सेकंड क्लास, 2 सेकंड क्लास एवं दिव्यांगजनों के लिए कोच होंगे। ट्रेन का टिकट कितने रुपए का है ये अभी रेलवे ने स्पष्ट नहीं किया है। यात्रियों को जगदलपुर रेलवे स्टेशन से आसानी से टिकट मिल जाएगा। वहीं किरंदुल से विशाखापट्टनम और विशाखापट्टनम से किरंदुल तक चलने वाली पैसेंजर ट्रेन में 1 जुलाई से 1 अगस्त तक अतिरिक्त कोच जोड़ा जा रहा है, जिससे यात्रियों को इसका सीधा फायदा होगा।

## आरटीओ व उड?दस्ता ने 7 वाहनों से 12 लाख का बकाया टैक्स वसूला, 5 करोड़ वसूली का लक्ष्य

**जगदलपुर।** जिले के परिवहन विभाग के आरटीओ एवं उड?दस्ता प्रभारी की टीम ने बस्तर के 250 वाहनों पर 5 करोड़ रुपये का टैक्स बकाया वसूली के लक्ष्य को पूरा करने में जुटे हुए हैं। इसकी वसूली के लिए आरटीओ ने बकायादार वाहन मालिकों को नोटिस देकर बकाया का भुगतान करने को कहा गया । भुगतान नहीं देने पर दूसरी नोटिस दी जाएगी, उसके बाद तीसरी बार नोटिस के साथ वाहन की कुर्की की जाएगी । इस दौरान आरटीओ की टीम ने टैक्स बकायादार 7 वाहनों से लगभग 12 लाख रुपये का टैक्स वसूला है। बस्तर संभाग में पहली बार परिवहन विभाग वाहनों पर टैक्स बकाया के लिए कुर्की की तैयारी कर रही है। इसके लिए मालिकों के वाहनों एवं चल, अचल संपत्ति का ब्यौरा लिया जा रहा है। टैक्स बकाया वाले वाहन नहीं मिलने पर मालिक की दूसरी वाहन या संपत्ति की कुर्की की जाएगी।

## आत्मसमर्पित 30 नक्सली बने राज मिस्त्री एसपी ने प्रमाण पत्र प्रदाय किया

**सुकमा।** छत्तीसगढ़ सरकार के मंशानुरूप कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव एवं एसपी किरण चव्हाण के आदेशानुसार पुनर्वास केंद्र में रह रहे 30 आत्मसमर्पित नक्सलियों को राज मिस्त्री का प्रशिक्षण दिया गया। सभी प्रशिक्षण प्राप्त आत्मसमर्पित नक्सलियों को सुकमा एसपी किरण चव्हाण के हाथों प्रमाण पत्र प्रदाय किया गया। ज्ञात हो सरकार ने घोषणा किया था आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास केंद्र में रख कर उन्हें रोजगार हेतु प्रशिक्षित किया जाएगा।

# शिक्षा के नाम पर निजी विद्यालयों का कागजों में संचालन, आरटीई में शासन को लगा रहे चुना

**बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**
जिले की शिक्षा व्यवस्था इन दिनों एक बड़े संकट के दौर से गुजर रही है। एक के बाद एक खुलासों से साफ होता जा रहा है कि शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले निजी विद्यालय अब एक संगठित अपराध का अड्डा बनते जा रहे हैं। जिले भर में दर्जनों ऐसे स्कूलों की पहचान हुई है, जो महज कागजों पर चल रहे हैं। असल में न तो उनका कोई भवन है, न शिक्षक, न बच्चे, मगर सरकारी फाइलों में सबकुछ मौजूद है। यही मौजूदगी हर महीने लाखों रुपए आरटीई के तहत इन फर्जी संस्थानों के मालिकों के खातों में पहुंच रही है। सूत्रों के अनुसार जिले में सक्रिय निजी विद्यालय संचालकों का एक ऐसा गिरोह काम कर रहा है, जिसने स्कूल खोलने के नाम पर पूरे तंत्र को ठगने का कारोबार शुरू कर रखा है। ये संचालक गांव-कस्बों में किराए के छोटे कमरों में फ्लैक्स बोर्ड लगाकर फर्जी स्कूल की तस्वीरें खिंचवाते हैं और फिर उसी के आधार पर जिला शिक्षा कार्यालय से मान्यता लेने के लिए आवेदन करते हैं। सेटिंग-गेटिंग के सहारे मान्यता हासिल कर लेने के बाद ये संचालक कागजों में बच्चों का फर्जी नामांकन करते हैं, नोडल अधिकारियों से बिना निरीक्षण के फर्जी रिपोर्ट तैयार करा मान्यता प्राप्त करते हैं और आरटीई के अंतर्गत शासन से लाखों की राशि हड़प लेते हैं। कुछ मामलों में तो फर्जी नामांकन की संख्या इतनी अधिक रही है कि एक ही व्यक्ति के नाम पर दर्जनों स्कूलों से करोड़ों की वसूली की जा चुकी है। यह शिक्षा घोटाला नया नहीं है।

इसके पीछे वर्षों पुराना जाल है, जिसे पूर्व जिला शिक्षा अधिकारियों के कार्यकाल में बुना गया। ज्ञात हो कि जिले में पदस्थ रहे एक पूर्व डीईओ को एसीबी ने रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा था। आरोप है कि उन्होंने निजी विद्यालय संचालकों से धन लेकर उन्हें अवैध रूप से मान्यता दिलवाई थी ।शिक्षा विभाग के भ्रष्ट अमले के संरक्षण में शिक्षा माफिया को खुला मैदान मिला और दर्जनों फर्जी स्कूल अस्तित्व में आ गए। अब तो हद यह हो गई है कि कुछ फर्जी संचालकों ने नोडल अधिकारियों की मुहर व हस्ताक्षर की भी नकल कर आवेदन प्रस्तुत करना शुरू कर दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिक्षा विभाग के कई अधिकारी अब खुद मैदान में उतरकर जांच कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि आगामी दिनों में आरटीई के तहत करोड़ों रुपए की राशि शासन द्वारा निजी विद्यालयों को वितरित की जानी है। यदि समय रहते विद्यालयों की मान्यता नवीनीकृत नहीं हुई तो ये भुगतान अटक सकते हैं। यही कारण है कि फर्जी स्कूल संचालकों की बेचैनी चरम पर है। अब वे हर संभव दबाव बनाकर मान्यता लेने की जुगत में जुटे हैं। शिकायतों के अनुसार दर्जनों निजी विद्यालय ऐसे हैं जहां न तो स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था है, न शौचालय, न खेल का मैदान और न ही पर्याप्त शिक्षक और तो और खंडहर नुमा टीन शेड के भवनों में स्कूलों का संचालन किया जा रहा है बावजूद इसके कागजों में इन स्कूलों को आदर्श विद्यालय दिखाया गया है। कई स्कूल के पास महज एक दो कमरे हैं, लेकिन दस्तावेजों में दो से तीन सौ बच्चों के नाम दर्ज हैं। सूत्रों ने यह भी बताया कि कई संचालक गांवों में घूम-घूमकर बच्चों के आधार कार्ड इकट्ठा करते हैं और फिर उनके नाम पर बिना किसी जानकारी के फर्जी दाखिला दशार्ते हैं। ऐसे मामलों में बच्चों के अभिभावकों को न तो स्कूल का पता होता है, न ही यह मालूम होता है कि उनका बच्चा कहां और किस स्कूल में पढ़ रहा है।

### नए डीईओ की सख्ती से खुलने लगे पोल

वर्तमान में पदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी ने जब इन फर्जी स्कूलों पर शिकंजा कसने की पहल की, तो विरोध की राजनीति शुरू हो गई। डीईओ ने ऐसे मामलों में पारदर्शिता लाने नई व्यवस्था लागू की है जिसके तहत बिना भौतिक निरीक्षण और नोडल अधिकारी की पुष्टि के अब किसी भी विद्यालय की मान्यता का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। इससे घबराए फर्जी स्कूल संचालकों ने डीईओ के खिलाफ ही मोर्चा खोल रखा है।

### एक ही बच्चा दो स्कूलों में दर्ज, शिक्षक का तबादला

हाल ही में एक बड़ा मामला सामने आया जिसमें प्राथमिक शाला ग्लोब स्कूल बिश्रामपुर में पढ़ने वाले तीन बच्चों का नाम एक निजी स्कूल में भी दर्ज पाया गया। इसके चलते सरकारी स्कूल में छात्र संख्या कम हो गई और वहां पदस्थ एक शिक्षक युक्तियुक्तकरण के जद में आ गया जिसका ओड़गी तबादला कर दिया गया बताया जाता है कि शिक्षक ने शिक्षा विभाग को लिखित में आवेदन दे पूरा मामला बताया लेकिन उसकी एक नहीं सुनी गई जबकि इसकी जांच होनी चाहिए थी कि बच्चे जब शासकीय प्राथमिक शाला में अध्ययनरत हैं तो निजी स्कूल संचालक किस तरह अपने विद्यालय में बच्चों का नाम दर्ज कर रखा है । यह शिक्षा व्यवस्था की गंभीर खामी का स्पष्ट उदाहरण है।

### एक ही डाइस कोड पर दो स्कूल

कुछ फर्जी संस्थानों ने शिक्षा विभाग को भी गुमराह कर रखा है। एक ही यू डाइस कोड पर हिंदी व अंग्रेजी माध्यम के दो-दो स्कूल दिखाकर फर्जी मान्यता प्राप्त की जा रही है। यह तकनीकी धोखाधड़ी शिक्षा व्यवस्था के साथ खुला मजाक है। इस पूरे मामले पर असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संदीप शर्मा ने नाराजगी जताते हुए शासन प्रशासन से तत्काल उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के नाम पर चल रहे उद्योग को बंद करना अनिवार्य हो गया है, वरना इसका सीधा असर बच्चों के भविष्य और सरकारी कोष पर पड़ेगा। इस संबंध में जब जिला शिक्षा अधिकारी भारती वर्मा से संपर्क का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने न कॉल रिसीव किया और नहीं कॉल बैक करना ही उचित समझा। संयुक्त संचालक शिक्षा हेमंत उपाध्याय ने कहा कि इस विषय में डीईओ ही बता सकती हैं क्योंकि उनके जिले का मामला है मै उनसे इस विषय में जरूर चर्चा कर जानकारी लूंगा।

## एटक यूनियन की सामाजिक पहल को नगरवासियों ने सराहा

### बिश्रामपुर में भी स्वर्ग रथ की सुविधा कराई उपलब्ध

**बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**
संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक परिवार बिश्रामपुर ने सामाजिक पहल करते नगर वासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क स्वर्ग रथ वाहन को समर्पित किया । उक्ताशय की जानकारी देते हुए एटक के क्षेत्रीय कल्याण समिति के सदस्य सजल मित्रा ने बताया कि बिश्रामपुर जैसे बड़े आबादी वाले नगर में अब तक स्वर्ग रथ की समस्या से आमजनो को जूझना पड़ता था नगर में किसी भी परिवार के सदस्य की मृत्यु हो जाने पर पर उन्हें सूरजपुर नगर पालिका का सहयोग लेना पड़ता था। संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक बिश्रामपुर के लोगों ने इस समस्या के समाधान हेतु संगठन के सभी जिम्मेदार साथियों तथा नगरवासियों के सहयोग से बहुप्रतिक्षित नयी टाटा एस गाड़ी क्रय कर स्वर्ग रथ वाहन का निर्माण करवाया। जिसका लोकार्पण जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों द्वारा शनिवार को एटक कार्यालय में कर स्वर्ग रथ को नगरवासियों को समर्पित किया गया। एटक नेता राजेश त्रिपाठी ने बताया कि एटक यूनियन के सभी साथी ना सिर्फ मेहनत कश श्रमिकों, कर्मचारियों के हक के लिए संघर्ष करता है बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व के क्रियाकलापों में भी बढ़चढ़ कर अपनी भूमिका निभाता है। जिसके तहत हाल ही में केंद्रीय चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान दिवस को आधे से ज्यादा एटक यूनियन के साथियों ने रक्तदान किया गया। इसके अतिरिक्त एटक द्वारा निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सालय का संचालन, युवाओं को नशे से दूर करने के लिए निःशुल्क जिम का संचालन एवं लाल मैदान में महिला एवं पुरुषों का राष्ट्रीय स्तर का बालीवाल प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा चुका है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में एटक के केंद्रीय महासचिव, एसकेएमएस एटक बिलासपुर अजय विश्वकर्मा, नपं उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान, सहक्षेत्र प्रबंधक अमेरा राजेश खन्ना, अनुपम फिलिप, राजेश सिंह, शीतिकांत स्वाई, राजेश यादव ने एटक के सामाजिक कार्यों में भागीदारी की प्रशंसा की। इसके पश्चात अतिथियों के साथ नपं बिश्रामपुर अध्यक्ष श्रीमती निर्मला यादव, नपं शिवंदनपुर अध्यक्ष कृष्ण कुमार गोयल, सहक्षेत्र प्रबंधक कुम्दा विजय कुमार, सहक्षेत्र प्रबंधक आमगांव अश्वनी चंद्रा सहक्षेत्र, हीरालाल, पंकज गर्ग द्वारा स्वर्ग रथ को हरी झंडी दिखाकर लोकार्पण किया गया।

## धरती आबा योजना से ओंकार नाथ के जीवन में हो रहा सकरात्मक बदलाव

**बेमेतरा।** धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आयोजित शिविरों के माध्यम से बेमेतरा जिले के सुदूर और पिछड़े गांवों में जनसेवाओं को नजदीक लाकर आमजन के जीवन में सार्थक परिवर्तन की दिशा तय की है। ऐसा ही एक प्रेरक उदाहरण है। विकासखंड साजा के ग्राम कोरवाय निवासी ओंकार नाथ का। ओंकारनाथ के जीवन में सकरात्मक बदलाव हो चुकी है।

ओंकार नाथ एक मेहनती और ईमानदार खेतिहर मजदूर हैं, जो लंबे समय से मनरेगा व अन्य निर्माण कार्यों में असंगठित क्षेत्र में श्रमिक के रूप में कार्य कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। लेकिन सरकारी योजनाओं की जानकारी के अभाव और आवश्यक दस्तावेजों की कमी के कारण वह अब तक किसी भी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ नहीं ले पाए थे।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय शिविर का आयोजन जब ग्राम कोरवाय में किया गया। तब ओंकार नाथ भी अपनी जिज्ञासा और उम्मीदों के साथ शिविर में पहुंचा। वहां उन्हें श्रम विभाग की टीम ने श्रमिक पंजीयन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दस्तावेजों की तत्काल जांच कर शिविर में ही उनका नवीन श्रम कार्ड बनाया गया। यह ओंकार नाथ के जीवन की दिशा बदलने वाला क्षण सबित हुआ। ओंमकार नाथ का नवीन श्रम कार्ड पंजीयन हुआ। कार्ड मिलने के बाद अब उनको राज्य सरकार की श्रम कल्याण योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। भविष्य में जैसे कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल की ओर से श्रमिक बच्चों के लिए छात्रवृत्ति, मुफ्त साइकिल, मातृत्व सहायता, औजार सहायता, पेंशन और मकान निर्माण सहायता जैसी योजनाओं का लाभ वे भी उठा सकेंगे। इसके साथ ही उन्होंने शिविर के दौरान आधार अपडेट, आयुष्मान कार्ड और बैंक खाता आधार से लिंक की प्रक्रिया भी पूरी की। ओंकार नाथ कहते हैं, "पहले उन्हें नहीं पता था कि सरकार से इतना कुछ मिल सकता है। अब उम्मीद है कि हमारे बच्चों की पढ़ाई और हमारे जीवन की कठिनाइयों में कुछ राहत जरूर मिलेगी। यह शिविर हमारे गांव के लिए वरदान से कम नहीं है।" उनकी यह सफलता न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि इस बात की मिसाल भी है कि जब सरकार की योजनाएं लोगों के द्वार तक पहुंचती हैं और सही मार्गदर्शन मिलता है, तो जीवन में सकरात्मक बदलाव आता है।

## अवैध रेत उत्खनन पर कड़ी कार्रवाई, 1 चैन माउंटेन वाहन जप्त

**महासमुंद।** कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निदेर्शानुसार अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने हेतु खनिज विभाग द्वारा सतत कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में 27 जून को संयुक्त टीम द्वारा महासमुंद विकासखंड अंतर्गत ग्राम कराडीह महानदी क्षेत्र में रेत का अवैध उत्खनन करते हुए एक चैन माउंटेन वाहन को जप्त किया गया। वाहन को जब्त कर सुरक्षार्थ तुमगांव थाना में खड़ा किया गया है।

खनिज अधिकारी श्री योगेन्द्र सिंह ने बताया कि उक्त वाहनों पर खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 के अंतर्गत कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

## पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से हितग्राही जीवन कुर्रे को बिजली बिल से मिला छुटकारा

**बलौदाबाजार-भाठापारा।** प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिए काफी लाभदायक सिद्ध हो रही है। इस योजना का लाभ लेकर कई ग्रामीण अब बिजली के खर्च से राहत पा रहे हैं और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहे हैं। बलौदाबाजार-भाठापारा जिला के बिलाईगढ़ विकासखंड में ऐसे ही एक प्रेरणास्रोत ग्राम पिपरडुला निवासी जीवन लाल कुर्रे हैं, जो पेशे से वकील हैं। अब उनके घर का बिजली बिल बेहद कम आता है, जिससे उन्हें हर महीने आर्थिक लाभ मिल रहा है।

जीवन लाल कुर्रे ने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी समाचार और टेलीविजन के माध्यम से प्राप्त हुई, जिसके बाद उन्होंने स्वयं ही योजना की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन किया। हितग्राही कुर्रे ने 1,50,000 रूपए का निवेश कर अपने घर की छत पर सोलर पैनल सेटअप लगाया। इस पर उन्हें केंद्र सरकार से 63,000 रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई।

हितग्राही जीवन लाल कुर्रे ने योजना के संबंध में कहा कि पीएम सूर्य घर योजना ने मेरे घर को रोशन किया और बिजली बिल से छुटकारा मिला है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी से आमजन लाभान्वित हो रहे हैं। आर्थिक लाभ किसी भी व्यक्ति के जीवन एक बड़ा हिस्सा होता है, जिससे उसकी आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सहायक होता है। उन्होंने सरकार के प्रति आभार जताया और कहा कि इस योजना का लाभ लेने लोगों को चाहिए।

# मोर गांव मोर पानी महाभियान के तहत जल संरक्षण की अनूठी पहल

## ग्राम पंचायतों में 125 संरचनाओं का निर्माण, भू-जल स्तर में वृद्धि की दिशा में बड़ा कदम

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**
जिले में मोर गांव मोर पानी महाभियान के तहत जल संरक्षण और भू-जल स्तर को बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर श्री विलास भोसकर और जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में मनरेगा योजना के तहत जल संवर्धन के लिए विभिन्न संरचनाओं का निर्माण तेज गति से जारी है।

जनपद पंचायत उदयपुर के पांच पंचायतों में पलका, फुलचूही, रिखी, ललाती और केसमा इस महाभियान का केंद्र बनी हैं। यहां पहाड़ी ढलानों पर कुल १२५ संरचनाएं बनाई जा रही हैं, जिनमें स्ट्रेगर ट्रेंच, कंटूर ट्रेंच, वाटर एब्जॉरप्शन ट्रेंच, लूज बोल्डर चेक डैम, गली प्लग और डबरी शामिल हैं। इन संरचनाओं का मुख्य उद्देश्य बरसात के मौसम में नालों के माध्यम से बहकर व्यर्थ जाने वाले पानी को रोकना और उसे धरती में समाहित कर भू-जल स्तर को बढ़ाना है।

इन कार्यों की योजना बनाने और कार्यान्वयन में आधुनिक त्रङ्मस् तकनीक (जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम) का उपयोग किया जा रहा है। त्रङ्मस् तकनीक की मदद से रिज टू वैली (पहाड़ी की चोटी से घाटी तक) सिद्धांत पर आधारित स्ट्रक्चर्स की प्लानिंग की गई है ताकि बारिश का पानी व्यवस्थित तरीके से संरचनाओं में एकत्र हो और अधिकतम जल संचयन हो सके।

### मिट्टी कटाव पर भी लगेगा अंकुश

पूर्व में इन क्षेत्रों में वर्षाजल के बहाव से बड़े पैमाने पर मिट्टी कटाव की समस्या उत्पन्न होती थी। अब इन संरचनाओं के निर्माण से न केवल जल संरक्षण होगा बल्कि मिट्टी कटाव की समस्या पर भी स्थायी समाधान मिलेगा। इन संरचनाओं से नालों का बहाव धीमा होगा और पानी धीरे-धीरे भूमि में रिसकर भू-जल भंडार को समृद्ध करेगा। इस महाभियान से ग्रामीणों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्य उनके गांवों की जल समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि इन कार्यों से आने वाले वर्षों में सिंचाई, पीने के पानी और पर्यावरण संरक्षण में बड़े बदलाव दिखेंगे।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने मार्गदर्शन में मोर गांव मोर पानी महाभियान के तहत जिले में जल संरक्षण की दिशा में हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि यह अभियान जिले में जल संकट दूर करने में मील का पत्थर साबित हो। जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण जनसहभागिता से किया जा रहा है ताकि लोगों में भी जल के प्रति जागरूकता बढ़े और वे अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

## छोटी खबरें

## वाणिज्यिक कर विभाग में पारदर्शिता और सुधार की नई पहल : वर्षों बाद हुए व्यापक तबादले

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की गुड गवर्नेंस नीति के अनुरूप सभी विभागों में शासकीय कार्यप्रणाली को पारदर्शी, निष्पक्ष और जनहितकारी बनाने की दिशा में अनेक पहल की जा रही है। इसी क्रम में वाणिज्यिक कर (जीएसटी) विभाग में वर्षों बाद बड़े पैमाने पर तबादले किये गये हैं। इससे पहले विगत दो-तीन वर्षों में विभाग में एकाध बार ही सीमित संख्या में (केवल 10-15 अधिकारियों के) ही तबादले हुए थे। जीएसटी विभाग के अधिकांश अधिकारी-कर्मचारी एक ही पदस्थापना स्थल पर लंबे समय से कार्यरत थे। कुछ अधिकारी तो लगातार 18 वर्षों तक एक ही स्थान पर पदस्थ थे। यह स्थिति विभाग के कार्य निष्पादन और कर संग्रहण में पारदर्शिता तथा निष्पक्षता की भावना को बाधित करती है।

विभाग में स्वीकृत 35 राज्य कर उपायुक्त पदों में से 17 अधिकारियों को पदोन्नति उपरांत नवीन पदस्थापना प्रदान की गई। शेष 8 उपायुक्तों में 3 अधिकारी पिछले 10 वर्षों से, 2 अधिकारी 8 वर्षों से तथा 3 अधिकारी 4-5 वर्षों से रायपुर में पदस्थ थे। इसके अतिरिक्त 8 उपायुक्त तथा 4 सहायक आयुक्त 5 वर्षों से अपने गृह जिले में ही कार्यरत थे।

178 राज्य कर अधिकारी/राज्य कर निरीक्षक भी पिछले 4-5 वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ थे, जिनमें से 34 राज्य कर अधिकारी एवं 45 राज्य कर निरीक्षक लगातार 5 वर्षों से अपने गृह जिले में ही नियुक्त थे। टैक्स कलेक्शन विभाग होने के कारण इतनी लंबी अवधि तक एक ही क्षेत्र में पदस्थ रहने से व्यापारिक संस्थाओं से व्यक्तिगत संबंध विकसित होने की संभावना बढ़ती है, जिससे कामकाज पर असर पड़ता है।

वाणिज्यिक कर मंत्री श्री ओ पी चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इस स्थिति में आवश्यक सुधार करते हुए राज्य में कर प्रशासन के विकेन्द्रीकरण और सुदृढ़ीकरण की दिशा में प्रभावी कदम उठाये गये हैं। पूर्व में विभाग के वृत्तों की संख्या 30 होते हुए भी विभागीय कार्यालय महज 15 जिलों में ही सीमित थे, जबकि राज्य सरकार के सभी प्रमुख विभागों के कार्यालय सभी जिलों में है। इसे कमी को दूर करते हुए पहली बार दंतेवाड़ा, कोंडागांव, जशपुर और नवगठित जिले सक्ती एवं सारंगढ़ में वृत्त स्थापित कर वहां अधिकारियों की पदस्थापना सुनिश्चित की गई है।

राजस्व संग्रहण को सशक्त बनाने के लिये विभाग में बीआईयू एवं ऑडिट यूनिट का गठन कर उनमें अधिकारियों की तैनाती की गई है। इतने बड़े पैमाने पर तबादलों के बावजूद मानवीय संवेदनाओं का पूरा ध्यान रखा गया है। विशेषकर पति-पत्नी दोनों अधिकारियों की पदस्थापना एक ही जिले में सुनिश्चित की गई है तथा महिला अधिकारियों को यथासंभव निकटवर्ती जिलों में ही स्थानांतरित किया गया है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा की राज्य सरकार आगामी समय में भी सभी विभागों में ईमानदार, पारदर्शी और निष्ठावान कार्य संस्कृति को सुदृढ़ करने के लिये निरंतर कदम उठाती रहेगी।

## सोलर पॉवर से रोशन जिंदगियां : छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ला रही क्रांति

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ला रही क्रांतिकेन्द्र एवं राज्य सरकार की महती योजना प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ने न सिर्फ लोगों के बिजली बिल को शून्य किया है, बल्कि उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव भी लाया है। इस योजना के माध्यम से लोग न केवल ऊर्जा के खर्च से मुक्त हो रहे हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। अब वे हर माह बिजली बिल भुगतान की झंझट से मुक्ति पा चुके हैं। महासमुंद जिले में अधिकारियों ने बताया कि अभी तक 142 सोलर कनेक्शन सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं।

महासमुंद जिले के कौशिक कॉलोनी निवासी एवं रिटायर्ड बैंक मैनेजर श्री लक्ष्मीकांत पाणिग्रही ने बताया कि उन्होंने अपने घर की छत पर 6 किलोवाट का रूफटॉप सोलर प्लांट लगाया है। इस प्लांट की कुल लागत लगभग 3.15 लाख रुपये आई, जिसमें से 78,000 रुपये की सब्सिडी उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से प्राप्त हुई। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए बताया, पहले हर महीने मुझे सामान्य दिनों में 6,000 रुपये और गर्मियों में 12,000 रुपये तक का बिजली बिल चुकाना पड़ता था, लेकिन अब मेरा बिजली बिल शून्य आ रहा है। यह योजना न सिर्फ बचत करवा रही है, बल्कि पर्यावरण की भी रक्षा कर रही है।

इसी तरह हाउसिंग बोर्ड निवासी एवं शिक्षिका श्रीमती ज्योति विश्वाश ने भी 3 किलोवाट का सोलर पैनल अपने घर की छत पर स्थापित किया। उन्होंने बतायाछत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ला रही क्रांति सोलर पैनल लगते ही सिर्फ 15 दिनों में मेरा बिजली बिल शून्य हो गया। पहले हर महीने 3,000 रुपये तक का बिल आता था, अब बिजली बिल की कोई चिंता नहीं है।

# बस्तामुक्त विद्यालय रुनियाडीह में पालक सह शिक्षकों का त्रैमासिक बैठक

**बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** प्रथम बस्तामुक्त शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में प्रथम त्रैमासिक पालक सह शिक्षक बैठक सुमित्रा सिंह सरपंच रुनियाडीह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एनवति राजवाड़े अध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं विकास समिति द्वारा की गई। अन्य अतिथियों में कैलाशो उपाध्यक्ष एसएमसी, महेंद्र राजवाड़े पूर्व अध्यक्ष एसएमसी, गायत्री राजवाड़े पूर्व अध्यक्ष एसएमसी, वयोवृद्ध पालक हुकुमसराय राजवाड़े उपस्थित रहे। बैठक में संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी द्वारा गत वार्षिक

परीक्षाफल की जानकारी देकर शाला प्रबंधन एवं विकास समिति का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष के रूप में सर्व सहमति से पुनः एनवति राजवाड़े का चयन किया गया। उपाध्यक्ष गुड्डी बाई विश्वकर्मा सहित सदस्यों में वशिष्ठमुनि, ताराबाई सारथी, लालचंद सिंह, तपन राजवाड़े, पार्वती राजवाड़े, गायत्री राजवाड़े, विनोद सारथी, दुबराज विश्वकर्मा, फूलवती राजवाड़े, कौशिल्या राजवाड़े, भीम प्रसाद, राधा विश्वकर्मा, सुलेखा राजवाड़े, फुलेश्वरी राजवाड़े का चयन किया गया। उपस्थित पालकों से बच्चों की शत-प्रतिशत नामांकन एवं उनके ठहराव पर चर्चा कर प्रतिदिन विद्यालय भेजने प्रेरित किया गया। संस्था को बच्चों की संख्यानुसार मध्याह्न भोजन हेतु पर्याप्त व गुणवत्ता युक्त खाद्य सामग्री प्रदाय करने, बच्चों सहित अभिभावकों को किसी प्रकार की बीमारी होने पर शासकीय अस्पताल में इलाज कराने, बच्चों का उचित देखभाल करने, बच्चों के लिए पर्याप्त संख्या में कॉपी क्रय करने हेतु प्रेरित कर शाला प्रवेश उत्सव में सभी को आने का निमंत्रण दिया गया।

उपस्थित अभिभावकों से एक पौधा मां के नाम पर पौधरोपण हेतु अपील की गई। इस दौरान शिक्षक रिजवान अंसारी, एम. टोप्पो, पूनम गुप्ता, मध्याह्न भोजन सहायिका सुमित्रा राजवाड़े, नान दईया, बाल कैबिनेट के प्रधानमंत्री निशु राजवाड़े सहित अन्य उपस्थित रहे।

## कवर्धा से अमरकंटक 180 किलोंमीटर तक गूंजेगा बोल-बंम का नारा

**रायपुर।** पवित्र सावन मास 11 जुलाई से प्रारंभ हो रहा है और सावन मास का प्रथम सोमवार 14 जुलाई को होगा। इसकी तैयारियां शुरू हो गई है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कवर्धा प्रवास के दौरान जिला कार्यायल के सभाकक्ष में सावन माह के अवसर पर जिले में होने वाले भव्य कांवड़ यात्रा और भोरमदेव पदयात्रा सहित श्रद्धालुओं के भोरमदेव दर्शन की समुचित तैयारियों को लेकर भोरमदेव सनातन तीर्थ ट्रस्ट कबीरधाम के पदाधिकारीगण, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, संघ के प्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी की बैठक ली।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सभी से विस्तृत चर्चा कर सावन माह में पूरे माह तक चलने वाली कांवड यात्रा की तैयारी संबंधी सुझाव आमंत्रित किए एवं संबंधित अधिकारियों को समन्वयात्मक ढंग से कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कवर्धा से अमरकंटक तक एवं वापसी में अमरकंटक से हनुमंत खोल से होते हुए पोलमी, कुकदूर, पंडरिया, डोंगरिया, भोरमदेव और पंचमुखी बूढ़ामाहदेव मार्ग तक की साफ-सफाई, चिकित्सा सुविधा, पेयजल व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, ठहराव स्थलों की व्यवस्था एवं यातायात नियंत्रण आदि बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोपरि है और शासन की मंशा है कि सभी श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और भावनात्मक अनुभव प्राप्त हो। इसके पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बूढ़ामहादेव मंदिर परिसर कवर्धा का निरीक्षण कर बोल बम समिति एवं मंदिर समिति के पदाधिकारियों के साथ भी बैठक की। बैठक में स्थानीय स्तर पर श्रद्धालुओं की सुविधा और मंदिर प्रबंधन की आवश्यकताओं पर विचार करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सावन माह में होने वाले समस्त धार्मिक आयोजनों को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए समुचित समन्वय और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि भक्ति, आस्था और व्यवस्था इन तीनों का समन्वय ही इस आयोजन की सफलता का आधार बनेगा। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं के लिए मध्यप्रदेश के अमरकंटक में 5 एकड़ भूमि प्रदान किया गया है। आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं और कांवडि ?ों के लिए यहां सर्व सुविधा युक्त भवन सहित अन्य कार्य कराया जाएगा।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि सावन माह में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिलता है, जब प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु अमरकंटक से मां नर्मदा का पवित्र जल लेकर कबीरधाम जिले के डोंगरियां, भोरमदेव और बूढ़ा महादेव जैसे पवित्र स्थलों तक कांवड़ यात्रा करते हुए पहुँचते हैं। उन्होंने कहा कि यह धार्मिक यात्रा केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और संस्कृति का जीवंत उदाहरण है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने मार्ग में ठहरने की समुचित व्यवस्था, पेयजल की उपलब्धता, मेडिकल टीमों की तैनाती, विद्युत व्यवस्था और विशेष रूप से यातायात प्रबंधन व सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासनिक अमला समन्वय बनाकर कार्य करें, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को स्वयं क्षेत्र में भ्रमण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समाजसेवी संगठनों और युवाओं से भी अपील की कि वे इस पावन यात्रा में सेवा भाव से सहभागी बनें और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपरा को मजबूत करें।

## बिजली बिल के बोझ को कम करने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना

रायपुर। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अभियान से ग्रीन एनर्जी मिशन को बढावा देकर पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने मे मदद होगी साथ ही रोजगार के नए अवसर पैदा करना है। भारत सरकार ने सौर रूफटॉप क्षमता की हिस्सेदारी बढ़ाने और आवासीय घरों को अपनी बिजली पैदा करने के लिए सशक्त बनाने के लिए 29 फरवरी, 2024 को मंजूरी दी है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना केवल घरों को रोशन करने के लिए नहीं है बल्कि यह योजना सूरज की ऊर्जा को अपनाने के तेज और किफायती तरीके के बारे में भी है। एक किलोवाट प्रणाली के लिए 30,000 रुपये, 2 किलोवाट प्रणाली के लिए 60,000 रुपये तथा 3 किलोवाट या उससे अधिक प्रणाली के लिए 78,000 रुपये की सब्सिडी प्रदान की जाएगी। इस योजना से बिजली के बिल में कमी, पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा स्वतंत्रता को बढ़ावा मिलेगा। यह योजना न केवल स्थायी ऊर्जा की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण को बचाने की ओर भी एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

शासन द्वारा लाभार्थी को सब्सिडी प्रदान की जाएगी

यह योजना भारत के घरों पर बिजली बिल की वित्तीय बोझ कम करने और पर्यावरणीय स्थिरता में भी योगदान देने की दिशा में एक व्यापक दृष्टिकोण पर काम करती है। इस योजना के तहत 2 किलोवाट क्षमता तक की प्रणालियों के लिए सौर इकाई लागत का 60त्न और 2 से 3 किलोवाट क्षमता के बीच की प्रणालियों के लिए अतिरिक्त प्रणाली लागत का 40 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जाती है। सब्सिडी की सीमा 3 किलोवाट क्षमता तक सीमित रखी गई है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से 1 करोड़ लोगो को इस योजना के तहत लाभ मिलेंगा, इस योजना के तहत प्रतिमाह 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएँगी । सोलर पैनल खरीदने के लिए सरकार द्वारा सब्सिडी दी जाएँगी।

## मध्य पूर्व से जुड़े मामलों में अमेरिका ने कब-कब दिया दखल और इसका नतीजा क्या हुआ

**नई दिल्ली।**

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व सांसद रॉन पॉल ने साल २०१२ में एक टिप्पणी की थी, जो दूसरे देशों में अमेरिका की लंबे वक्त तक दखलअंदाजी के बारे में थी.उनका कहना था, क्यों ना हम विदेश नीति में एक गोल्डन रूल अपनाएं- दूसरे देशों के साथ वो ना करें, जो हम अपने देश के साथ नहीं होने देना चाहते. हम लगातार दूसरे देशों पर बम बरसाते रहते हैं, और फिर सोचते हैं कि वे हमसे नाराज क्यों हैं.मध्य-पूर्व में अमेरिका की ऐसी दखलअंदाजी से कई बार अहम मोड़ भी आए.तो आज स्पॉटलाइट में बात उन कुछ अहम मौकों की जब अमेरिका ने मध्य-पूर्व में बड़ा खुफिया अभियान चलाया या सैन्य हस्तक्षेप किया.१९५१ में मोहम्मद मोसादेग ईरान के प्रधानमंत्री बने. वो चाहते थे कि ईरान की तेल इंडस्ट्री का कंट्रोल ईरान सरकार के हाथों में हो, ना कि विदेशी कंपनियों के. इसलिए उन्होंने तेल व्यापार के राष्ट्रीयकरण के बारे में सोचा.उस वक्त ईरान के तेल का नियंत्रण ब्रिटिश कंपनियों के हाथ में था. साल १९०१ में डारसी समझौता हुआ था. उसके तहत ब्रिटिश नागरिक विलियम डारसी को ईरान के एक बड़े हिस्से में तेल खोजने, तेल निकालने और व्यापार करने के लिए विशेष अधिकार दिया गया था.इसके बदले में ईरान की सरकार को कुछ शेयर, एक तय रकम और तेल उत्पादन पर टैक्स मिलता था. इन ब्रिटिश तेल कंपनियों में ब्रिटिश सरकार का भी शेयर था.राष्ट्रीयकरण की वजह से तेल पर नियंत्रण खोने के डर से ब्रिटिश सरकार ने अमेरिका की मदद मांगी. अमेरिका उस वक्त सोवियत संघ के साथ शीत युद्ध में था. ऐसा माना जा रहा था कि ईरान सोवियत संघ के पाले में जा सकता है और ऐसा होता तो मध्य-पूर्व में अमेरिका के लिए एक बड़ा झटका होता. मोसादेग की सरकार को गिराने के लिए अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए ने अहम भूमिका निभाई.मोसादेग के खिलाफ ईरानी मीडिया और अमेरिकी मीडिया में झूठी खबरें फैलाई गई और मोसादेग की सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों को हवा दी गई.अमेरिका चाहता था कि ईरान में शाह मोहम्मद रजा पहलवी की सत्ता आ जाए, इसलिए उनके समर्थकों को मदद की गई. अगस्त १९५३ में ईरान की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन हुए जो तेजी से फैलने लगे. सेना ने भी अपना पाला बदल लिया.मोसादेग की सरकार का तख़्तापलट हो गया और जनरल फज्लोल्लाह जाहेदी नए प्रधानमंत्री बने और सत्ता शाह मोहम्मद रजा पहलवी के हाथों में आ गई. ईरानी मामलों के जानकार इसे ईरान के इतिहास में एक निर्णायक घटना के रूप में देखते हैं क्योंकि लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई एक सरकार को गिराने में विदेशी ताकतों ने मदद की.अमेरिका और सोवियत संघ के बीच शीत युद्ध अब भी चल रहा था. साल १९५७ में उस वक़्त के अमेरिकी राष्ट्रपति ड्वाइट डी आइजनहावर एक विदेश नीति लेकर आए.इस नीति के मुताबिक अगर मध्य पूर्व के किसी देश को कोई खतरा दिखाई देता है, खासकर कम्युनिस्ट ताकतों से, तो वे देश अमेरिका से आर्थिक और सैन्य मदद ले सकते हैं.जाहिर है, अमेरिका यह नीति सोवियत संघ के प्रभाव को रोकने के लिए लाया था. इस नीति का पहला टेस्ट हुआ साल १९५८ के लेबनान संकट के दौरान.उस वक़्त लेबनान में ईसाई राष्ट्रपति कमील शमोन थे. लेबनान में मुस्लिम और राष्ट्रवादी संगठनों ने उनका विरोध शुरू कर दिया था. उनका दावा था कि शमोन सत्ता में रहने के लिए संविधान बदलना चाहते हैं.इसके अलावा लेबनान के सुन्नी मुस्लिम मिस्र (इजिप्ट) और सीरिया के बनाए नए 'यूनाइटेड अरब रिपब्लिक' में शामिल होना चाहते थे.इजिप्ट के राष्ट्रपति के रिश्ते सोवियत संघ के साथ अच्छे थे, जबकि लेबनान के राष्ट्रपति के रिश्ते पश्चिमी देशों के साथ अच्छे थे. लेबनान में विरोध बढ़ा, हालात गृह युद्ध जैसे हो गए तो शमोन ने अमेरिका की मदद मांगी.इसके बाद जुलाई १९५८ में अमेरिका की सेना लेबनान में उतर गई. उनका मकसद बेरूत इंटरनेशनल एयरपोर्ट को सुरक्षित रखना था और शमोन की सरकार के लिए हालात को स्थिर बनाना था.अमेरिका के इस दखल के बाद उस वक़्त शमोन के लिए खतरा टल गया और वे राष्ट्रपति के तौर पर अगला कार्यकाल न लेने पर राजी हो गए.साल १९६७ में छह दिन के युद्ध में इसराइल ने सिनाई, गोलान हाइट्स, वेस्ट बैंक और गजा पर कब्जा कर लिया था. लेकिन इजिप्ट और सीरिया चाहते थे ।

# पश्चिम बंगाल के प्रवासी मजदूरों को बांग्लादेशी बताने पर विवाद, क्या है पूरा मामला ?

नई दिल्ली।

क्या बांग्ला में बात करना अपराध है? शायद हाँ. इसी अपराध में हमें बांग्लादेशी करार देकर अपमानित और परेशान किया गया.यह कहना है पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद की मजदूर बस्ती में रहने वाले अमीनुल हक का.वो महाराष्ट्र के ठाणे में मजदूरी करते थे. लेकिन वहाँ से पाँच मजदूरों को जबरन बांग्लादेश भेजे जाने के बाद डर से वो बीते सप्ताह ही अपने गाँव लौट आए हैं.इसी सप्ताह राजस्थान के अलवर में भी बांग्लादेशी होने के संदेह में राज्य के उत्तर दिनाजपुर जिले के करीब ३०० मजदूरों को पुलिस ने १० घंटों तक हिरासत में रखा था.हाल में होने वाली इन घटनाओं के कारण मुर्शिदाबाद की मजदूर बस्ती में डर का माहौल है. अब कामकाज के लिए दूसरे राज्यों में जाने से पहले, यहाँ रहने वाले युवा हिंदी सीख रहे हैं. इसी तरह दूसरे राज्यों में काम करने वाले लोग भी अब टूटी-फूटी ही सही, हिंदी में बात करने की कोशिश कर रहे हैं.इस महीने की शुरूआत में महाराष्ट्र पुलिस ने पश्चिम बंगाल के सात मजदूरों को बांग्लादेशी होने के संदेह में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंपा था, जिसके बाद इन मजदूरों को बांग्लादेश भेज दिया गया था..बाद में राज्य सरकार के हस्तक्षेप के कारण वो लोग वापस लौट सके.इस मुद्दे का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी विधानसभा में यही सवाल उठाया था कि क्या बांग्ला भाषा में बात करना अपराध है?यहाँ इस बात का जिक्र प्रासंगिक है कि बीते कुछ महीनों से महाराष्ट्र, राजस्थान और असम समेत कुछ राज्यों में अवैध रूप से भारत में रहने वाले लोगों की पहचान के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चल रहा है.

इस सिलसिले में असम सरकार की 'पुश बैक' नीति भी विवादों में रही है. बीते दिनों राजस्थान के अलवर में बंगाल के मजदूरों को बांग्लादेशी होने के संदेह में हिरासत में लिया गया था. इस खबर के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में सवाल किया, "क्या बांग्ला में बातचीत करना अपराध है? वैध कागजात होने के बावजूद बीजेपी शासित राज्यों में बंगाल के मजदूरों को जबरन बांग्लादेशी करार दिया जा रहा है.उन्होंने ये भी कहा था कि वे इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी बात करेंगी.उनकी दलील थी कि बांग्ला भाषा को संवैधानिक तौर पर मान्यता मिली है और यह रबींद्रनाथ टैगोर और स्वामी विवेकानंद जैसे महान हस्तियों की भाषा है.मुख्यमंत्री का कहना है कि ऐसी तमाम घटनाएं उन राज्यों में ही हो रही हैं, जहाँ बीजेपी की डबल इंजन की सरकार है. उनका कहना है कि यह महज संयोग नहीं है, उन राज्यों में बंगाल के मजदूरों को जान-बूझकर निशाना बनाया जा रहा है.उत्तर २४-परगना जिले में बागदा के रहने वाले फजर मंडल अपनी पत्नी तस्लीमा मंडल के साथ काम की तलाश में महाराष्ट्र गए थे.लेकिन उनको पुलिस ने बांग्लादेशी होने के संदेह में गिरफ़्तार कर सीमा पार भेजने के लिए बीएसएफ को सौंप दिया था.

इससे पहले मुंबई पुलिस ने तीन अन्य मजदूरों को बीएसएफ के जरिए जबरन बांग्लादेश भेज दिया था.तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य समीरुल इस्लाम पश्चिम बंगाल प्रवासी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं.वे बताते हैं, "हाल में बीएसएफ ने राज्य के सात मजदूरों को जबरन सीमा पार भेज दिया था. बाद में राज्य सरकार के हस्तक्षेप से उनकी वापसी संभव हो सकी. इन तमाम लोगों के पास नागरिकता के वैध दस्तावेज थे. इन लोगों का अपराध यह था कि वे बांग्ला बोलते थे.उनका सवाल है कि महाराष्ट्र पुलिस ने आखिर बंगाल सरकार को सूचित किए बिना उन लोगों को सीधे बीएसएफ को कैसे सौंप दिया?उनका कहना है कि इसी तरह बीएसएफ ने भी उनकी पहचान की पुष्टि के लिए स्थानीय प्रशासन से संपर्क नहीं किया.समीरुल इस्लाम के मुताबिक यह बांग्ला भाषी प्रवासी मजदूरों को परेशान करने की किसी बड़ी साजिश का हिस्सा है.राजस्थान के अलवर में जिन मजदूरों को बांग्लादेशी होने के संदेह में हिरासत में लिया गया था, वो उत्तर दिनाजपुर जिले के ईटाहार के रहने वाले हैं. यह लोग स्थानीय आवासीय कॉलोनियों में काम करते हैं और रसोइया, घरेलू काम, ड्राइवर और दैनिक मजदूरी का काम करते हैं.इनमें से एक मजहर शेख ने फोन पर बताया, "हमें पुलिस ने मंगलवार सुबह छह बजे ही हिरासत में ले लिया था. उसके बाद आंबेडकर भवन ले जाकर घंटों पूछताछ की गई.वहाँ ड्राइवर के तौर पर काम करने वाले हमीदुर रहमान ने कहा, "हमने पहचान पत्र दिखाए. लेकिन पुलिस लगातार हमें बांग्लादेशी बताती रही. इसकी वजह यह थी कि हम बांग्ला में बात कर रहे थे. हमें डर था कि कहीं जबरन बांग्लादेश नहीं भेज दिया जाए.इनमें से कुछ लोगों का कहना है कि उन्होंने अपने परिजनों को इसकी सूचना दी थी. परिजनों ने ईटाहार के तृणमूल कांग्रेस विधायक मुशर्रफ हुसैन को इसकी जानकारी दी और उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इस बारे में बताया. उसके बाद राज्य सरकार सक्रिय हुई. ममता बनर्जी ने मुख्य सचिव मनोज पंत को राजस्थान सरकार के समक्ष यह मामला उठाने को कहा.

राजस्थान सरकार के अधिकारियों से बातचीत के बाद करीब १० घंटे बाद इन मजदूरों को छोड़ा गया.रहमान बताते हैं, "फिलहाल कोई दिक़्कत तो नहीं है लेकिन अब हम आपस में भी बांग्ला में बात करने से डरते हैं. इसी वजह से हम टूटी-फूटी हिंदी में ही बात करने की कोशिश कर रहे हैं. यहां की पुलिस खासकर अल्पसंख्यक समुदाय के बांग्ला भाषियों को संदेह की निगाह से देख रही है.ममता बनर्जी का दावा है कि बांग्ला बोलने के अपराध में लोगों को जबरन बांग्लादेश भेजा जा रहा है. ऐसी घटनाएँ बीजेपी शासित राज्यों में बार-बार हो रही हैं.उनका सवाल है कि क्या तमिल बोलने की वजह से तमिलनाडु के किसी व्यक्ति को श्रीलंका, या दार्जिलिंग के गोरखा बोलने वालों को नेपाल भेज दिया जाएगा?बहरमपुर के तृणमूल कांग्रेस सांसद यूसुफ पठान ने भी बीती मई में ओडिशा में बंगाल के प्रवासी मजदूरों को लेकर हुई घटना के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र भेजकर हस्तक्षेप की अपील की थी.उसके बाद तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद समीरुल इस्लाम ने भी इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र भेज कर प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, उनके दस्तावेजों की जाँच करने और उनके खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई करने से पहले राज्य सरकार को इसकी सूचना देने का अनुरोध किया था.मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि फिलहाल बंगाल के करीब २२ लाख मजदूर दूसरे राज्यों में काम करते हैं.उनका कहना है,इसी तरह दूसरे राज्यों के करीब डेढ़ करोड़ लोग पश्चिम बंगाल में काम करते हैं, लेकिन बंगाल में उनके साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जाता. हम अगर यहां अपनी भाषा बोलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें तो क्या होगा.प्रवासी श्रमिक एकता मंच के प्रमुख आसिफ फारूक कहते हैं, "इन राज्यों में वैध पहचान पत्र दिखाने के बावजूद बंगाल के मजदूरों का उत्पीड़न किया जा रहा है. हमने केंद्र से इस मामले में हस्तक्षेप की अपील की है. लेकिन अब तक कोई पहल नजर नहीं आ रही है.इन घटनाओं से डरकर हाल के दिनों में सैकड़ों मजदूर दूसरे राज्यों से अपने घर लौट आए हैं. अब यह लोग हिंदी सीखने की कोशिश कर रहे हैं.जो ठेकेदार इन मजदूरों को काम के लिए दूसरे राज्यों में ले जाते हैं, अब वही इन्हें कामचलाऊ हिंदी सिखाने का भी इंतजाम कर रहे हैं.आसिफ फारूक कहते हैं, "रोजी-रोटी के लिए विभिन्न राज्यों में जाने वाले प्रवासी मजदूरों को उत्पीड़न झेलना पड़ रहा है. भारतीय नागरिक होने के बावजूद धर्म और भाषा के आधार पर हमें बांग्लादेशी करार दिया जा रहा है.तमाम राज्यों में लगातार बढ़ रही ऐसी घटनाओं की वजह से ही मुर्शिदाबाद जिले के सूती ब्लाक में हनीफ, अकमल और रहमान जैसे मजदूर अब हिन्दी सीख रहे हैं. यह लोग कभी न कभी उत्पीड़न का शिकार हो चुके हैं.

**न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), वाड्रफनगर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)**

**// ईश्तहार //**

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता नगर पंचायत वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) को ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती दुर्गा कुमारी पति विजय कुमार जाति अहीर निवासी नगर पंचायत वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) द्वारा ग्राम वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर स्थित अपने आधिपत्य एवं स्वामित्व की भूमि ख०नं० 553/2 रकबा 0.01 हे० भूमि को कृषि प्रयोजन से आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तित कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो दिनांक 16/07/2025 तक इस न्यायालय में लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते है, समय-सीमा के बाद के आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

**न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), वाड्रफनगर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)**

**NAME CHANGE**

I KHEM CHAND AGARWAL S/O Late Raghubir Prasad Agarwal Resident Of House No.-94, Gawatiyapara Road, Shivandanpur Alias Omkarbahara, Bishrampur, District-Surajpur, Chhattisgarh - 497226.

Hereby declare that have changed my name from KHEM CHAND AGARWAL to KHEM CHAND GOYAL S/O Late Raghubir Prasad Agarwal in all the Government approved identity proofs to be used for various purposes in the future.

**Deponent**
**Name :- KHEM CHAND GOYAL**
**Address :- Shivandanpur,**
**District :- Surajpur**

कुछ लोग इसलिए परिपक्व नहीं बन पाते क्योंकि उन्हें भय होता है कि कहीं वे वृद्ध न हो जायें और कुछ इसलिए क्योंकि वे जिम्मेदारी लेने से मना कर देते हैं। 0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

## जाति आधारित राजनीति

*ऑपरेशन सिंदूरइ की सफलता और स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी की सटीकता पर भी विचार रखे। सम्मेलन में मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ और सुशासन के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। जातिगत जनगणना को लेकर सरकार ने अचानक अपनी रणनीति बदली है। 1931 के बाद देश में जातिगत जनगणना नहीं हुई, तब पिछड़ी जातियां 52 प्रतिशत थीं। जाति आधारित राजनीति के पांव जमाने से पहले आजादी के तुरत बाद 1951 से दलितों व जनजातियों की अलग से गणना होने लगी। जातिवादी राजनीति के हावी होते ही, विपक्ष लंबे अरसे से जातिगत जनगणना की मांग कर रहा है। जिस पर मोदी सरकार ने कभी रुख स्पष्ट नहीं किया। मगर संघ के जातिगत जनगणना के समर्थन में विचार देते ही सरकार ने इसकी घोषणा कर दी। तर्क है कि वंचितों के लिए नीतियां बनाने में आसानी होगी तो इसका विरोध करने वाले मानते हैं इससे समाज में दरारें आ सकती हैं। जातियों को वोट बैंक के नाम पर भुनाने वाले और आरक्षण समर्थकों के लिए नये मुद्दे उभर कर सामने आ सकते हैं। वास्तव में अतिपिछड़ों व वंचितों के उत्थान के लिए उठाए गए कदम अपनी भूमिका निभाने में असफल नजर आते हैं। आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक सशक्तिकरण के बगैर समानता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। योजनाओं और प्रचार में अव्वल सरकार के लिए ये सिर्फ शिगूफे न साबित हों, यह ख्याल किया जाना जरूरी है। रही बात पाक से संघर्ष की तो इसके लिए सशस्त्र बलों के बलिदान और साहस पर समूचा देश भाव-विह्वल है।*

*मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों का फर्ज है, वे शहीदों व युद्ध प्रभावितों के परिजनों की भरपूर मदद में कोई कोताही न करें। दुश्मन मुल्क से लगी सीमा के रहवासियों को हुई जान-माल की भरपाई की भी अनदेखी नहीं होनी चाहिए। बंद कमरों में आला-कमान की प्रशस्ति काफी नहीं कही जा सकती। हालांकि देश के राजनीतिक दलों में जिस तरह का अधिनायकवाद हावी है, वहां आंतरिक लोकतंत्र की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जबकि इन बैठकों में सरकारी योजनाओं व कार्यप्रणाली की आलोचनात्मक बात होनी चाहिए और सरकारी सहायता पहुंचाने में जनप्रतिनिधियों में जिम्मेदारीपूर्णता से निर्वहन की*

*राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जातिगत जनगणना से विकास के विभिन्न क्षेत्रों में पीछे छूट गए लोगों की मदद की बात की।*

# सामाजिक न्याय में लोक आचरण सर्वाधिक महत्वपूर्ण

अवधेश कुमार

*लालू प्रसाद यादव जी ने तेज प्रताप को परिवार और पार्टी दोनों से बाहर कर दिया है। उनका पूरा स्टैंड उनके अनुसार नैतिक आधार पर है। यानी सामाजिक न्याय में लोक आचरण सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है और उनके बड़े सुपुत्र तेजप्रताप यादव ने इसका उल्लंघन किया है। इसी की सजा उनको दी गई है। निश्चित रूप से परिवार के लिए यह बहुत बड़ा धक्का है। किसी भी पिता और मां का अपने बड़े पुत्र को बाहर करने का निर्णय करना आसान नहीं होता।*

इस नाते पहली दृष्टि में लालू जी और राबड़ी देवी जी के प्रति सहानुभूति का भाव पैदा होता है। किंतु वे कोई सामान्य परिवार नहीं है। जो कुछ भी हुआ उनमें ऐसे अनेक प्रश्न हैं, जिनका उत्तर सार्वजनिक जीवन खासकर राजनीति में होने के कारण उन्हें देना चाहिए। लालूजी का परिवार बिहार में इस समय सबसे ज्यादा अकेले प्रभावी राजनीतिक परिवार माना जा सकता है। यद्यपि वे विपक्ष में है किंतु बिहार में परिवार की दृष्टि से कोई ऐसा नहीं बचा जिनकी हैसियत उतनी बड़ी हो। दो पूर्व मुख्यमंत्री, एक उप मुख्यमंत्री, एक पूर्व मंत्री, एक सांसद और तीन विधायक। ऐसे परिवार के सबसे बड़े सुपुत्र की किसी लड़की के साथ लंबे रिश्तों की बात सामने आती है और वह अमर्यादित है तो इस पर बवाल मचेगा।

धीरे-धीरे ऐसा माहौल बना है जिसमें दो व्यक्तियों खासकर स्त्री-पुरुष के संबंधों पर लिखने और बोलने से हम आप बचना चाहते हैं। देश में एक अजीब किस्म के वामपंथी लिबरल सेक्युलर इकोसिस्टम ने खासकर स्त्री पुरु ष और उसमें भी विवाहेतर संबंधों को लेकर भी पढ़े-लिखे वर्ग के बीच ऐसा मानस तैयार किया है मानो यह भी उनका निजी मामला ही है। राजद का तर्क है कि लालू जी ने स्वयं स्टैंड ले लिया है तो इसके आगे कुछ कहने के लिए बचता नहीं। किंतु क्या वाकई इसे ही पूर्ण विराम मान लिया जाए? तेज प्रताप यादव के एक्स पर पोस्ट आता है जिसमें वह अनुष्का यादव से 12 वर्ष के अपने रिश्तों और लिव इन में रहने की बात स्वीकार करते हैं। कहते हैं कि अब समय आ गया है जब मैंने सोचा इसे सार्वजनिक कर दिया जाए। बाद में वह पोस्ट डिलीट हो जाता है। उनका बयान आता है कि अकाउंट हैक हो गया था एवं एआई के द्वारा इसे लिखा गया। लालू यादव द्वारा उन्हें पार्टी से 6 वर्ष के लिए निष्कासन तथा परिवार से अलग करने की घोषणा ने स्पष्ट कर दिया कि पोस्ट की बातें सच हैं। अगर यह सच है कि परिवार को तेज प्रताप के इस अपकर्म की जानकारी नहीं थी और उन्होंने केवल सार्वजनिक जीवन में शुचितापूर्ण आचरण को निर्णय का मानक बनाया है तो उन्हें प्रशंसा का पात्र माना जाना चाहिए।

किंतु जितने तथ्य सामने हैं, उनके अनुसार लाल यादव से लेकर राबड़ी देवी और संपूर्ण परिवार को इस संबंध का पता था। तेज प्रताप की अभी तक कानूनी पत्नी, जिनके साथ उनका तलाक का मामला चल रहा है, कि मां ने कहा है कि इसमें नया कुछ नहीं सबको पता है। वैसे भी अगर 12 वर्ष से संबंध है तो फिर सात वर्ष पहले 2018 में लालू यादव जी और राबड़ी जी ने तेज प्रताप की ऐर्या यादव से शादी क्यों कराई? अभी अचानक तीसरा ऑडियो भी वायरल है।

इसमें बताया जा रहा है कि अनुष्का यादव की आवाज है। इसमें वह कह रही है कि निशा सिंह के साथ वो मालदीप जा रहा है। पुरु ष आवाज आती है ,कौन? उत्तर आता है, तेजप्रताप यादव। फिर कहा जाता है कि तेजस्वी यादव ने बच्चे के लिए भेजा है। पुरु ष पूछता है कि उसने कितनी शादी की है यार? उत्तर -ऐर्या यादव ,अनुष्का यादव और निशा यादव। यह सच है तो फिर तेज प्रताप यादव ने पूरे परिवार को संकट में फंसा दिया। मोटा मोटी चार-साढ़े चार महीने बाद बिहार विधानसभा का चुनाव है। यह बात ठीक है कि लालू प्रसाद यादव के लंबे राजनीतिक करियर में कभी इस तरह के प्रश्न नहीं उठे। वे व्यक्तिगत तौर पर भ्रष्टाचार के प्रतीक अवश्य बने पर इस मामले में बेदाग रहे। जो कुछ है उससे वह भी कठघरे में खड़े हैं। आखिर सामाजिक न्याय का अर्थ क्या राजनीति में जातीय समीकरण और आरक्षण ही है? क्या जिस जाति के नेता होने का दावा करते हैं उनकी बच्चियों के साथ भी न्याय सामाजिक न्याय की परिधि में नहीं आता? यह प्रश्न इसलिए प्रासंगिक है क्योंकि अनुष्का के भाई को राजद की छात्र इकाई का प्रमुख बनाया गया था। इस विषय के सामने आने के बाद उसे हटाया गया। इस घटना का राजनीतिक परिणाम क्या होगा, पूरा घटनाक्रम क्या मोड़ लेगा, तेज प्रताप, अनुष्का, ऐर्या है तो इनका जीवन किस ओर जाएगा इन सबके बारे में कोई भी अनुमान लगाना संभव नहीं। पर यह प्रकरण यूं ही समाप्त नहीं हो सकता। पुत्र के पाप की सजा पिता, माता या परिवार को नहीं मिल सकती। यह तभी होगा जब परिवार बिल्कुल उससे अनिभज्ञ हो। लालू यादव और राबड़ी देवी का दायित्व बनता है कि इन लड़कियों के साथ खड़े हों। हां, अगर इन्होंने षडयंत्रपूर्वक तेज प्रताप को फंसाया है तो इसकी भी जांच होनी चाहिए। इस बीच दो बार परिवार सत्ता में आया और सब कुछ पारदर्शी था तो इसकी जांच कराई जानी चाहिए थी। संभव है ऐसा हुआ भी हो। इन लड़कियों के साथ खड़े होने की जगह परिवार ने तेजप्रताप को इनसे अलग करने और राजनीतिक आंच से बचने के लिए ही सारे प्रयास किए। केवल लालू जी की जाति ही नहीं दूसरों को भी पूछना चाहिए कि आखिर सामाजिक न्याय के नाम पर इस तरह उनके परिवार में क्यों हुआ? हमने हरियाणा में भजनलाल के पुत्र चंद्रमोहन के विवाहेत्तर प्रेम कथा में राजनीतिक करियर समाप्त होते देखा है। उनका उप मुख्यमंत्री पद तक प्रेम के कारण चला गया और बाद में पता चला कि उन्होंने अनुराधा बाली नामक वकील से शादी करने के लिए इस्लाम ग्रहण किया।

आज वह कहां है बहुत कम लोगों को मालूम है। तेजप्रताप उस अवस्था को प्राप्त होंगे या उनके साथ कुछ और होगा यह भविष्य के गर्भ में है। यह प्रकरण प्रमाण है कि राजनीति में शीर्ष परिवार के अंदर इस तरह के ऐसे संबंध पैदा होते हैं, जिन्हें नहीं संभाला गया तो बवंडर कई बार पूरे परिवार की राजनीति को समाप्त कर देता है। जब ऐर्या यादव विरोधियों के मंच से अपनी बात कह सकती हैं तो अनुष्का भी जा सकती है। राज्य और देश को भी हक है यह समझने का कि आखिर लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव आदि पूरा परिवार न्याय के कठघरे में कहां खड़ा है?

# लैब-टू-लैंड के मंत्र को साकार करेगा विकसित कृषि संकल्प अभियान

शिवराज सिंह चौहान

***प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में भारतीय कृषि निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है द्य उनकी दूरदर्शी सोच और किसान कल्याण को समर्पित ऐतिहासिक निर्णयों ने हमारे किसान भाइयों-बहनों को समृद्ध व सशक्त बनाया है, साथ ही 'विकसित भारतइ के विराट संकल्प को नई मजबूती दी है। आज हमारे अन्नदाता न केवल देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं,***

बल्कि विश्व के कई देशों में खाद्यान्न निर्यात करके भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं। कृषि विकसित और किसान आत्मनिर्भर बनें, लैब में होने वाले शोध सही समय में खेतों तक पहुंचे, इसी लक्ष्य को लेकर हम राज्यों के साथ मिलकर एक राष्ट्र-एक कृषि-एक टीम के रूप में कार्य कर रहे हैं । देश की समृद्धि का आधार कृषि और किसान हैं। हमारे कृषि वैज्ञानिकों ने अनेक शोध किए है द्य कृषि वैज्ञानिक नई तकनीक, उन्नत बीज, खाद इत्यादि से कम लागत पर फसल उत्पादन बढ़ाने के काम में जुटे हुए है। हमारे वैज्ञानिकों के शोध किसानों तक सही समय (रियल टाइम) पर पहुंचे, उन्हें जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, मिट्टी के पोषक तत्वों, उर्वरकों की सही मात्रा सहित कृषि के विभिन्न आयामों से अवगत कराया जा सके, इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 29 मई से 12 जून तक विकसित कृषि संकल्प अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के माध्यम से देश के 700 से अधिक जिलों के लगभग 65 हजार गांवों में वैज्ञानिकों की 2170 टीमें पहुंचेगी। इस दौरान लगभग 1.5 करोड़ किसानों से सीधा संवाद किया जाएगा। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में कृषि को विकसित बनाना और किसानों का जीवन बदलना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विकसित कृषि संकल्प अभियान कोई कर्मकांड नहीं, बल्कि किसानों के जीवन में समृद्धि लाने का महायज्ञ है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (इ्छ्रक्र) के वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र, राज्यों के कृषि विभाग, कृषि विश्वविद्यालय, नवाचार से जुड़े संस्थान सभी एकजुट होकर, एक टीम के रूप में विकसित कृषि और समृद्ध किसान के लक्ष्य की ओर बढ़ेंगे। यह अभियान प्रधानमंत्री जी के लैब टू लैंड के मंत्र को साकार कर किसानों की तकदीर और भारतीय कृषि की तस्वीर बदलेगा। वैज्ञानिक गांवों में जाकर किसानों से सीधा संवाद करेंगे और लैब में होने वाली रिसर्च की जानकारी किसानों को देंगे। साथ ही, किसानों के अनुभवों से भी सीखकर कृषि अनुसंधान को व्यवहारिक बनाएंगे द्य हमारे विकसित कृषि संकल्प अभियान के प्रयासों और किसानों के अथक परिश्रम से, एक हेक्टेयर में एक क्विंटल भी उत्पादन बढ़ता है तो देशभर में 20 टन खाद्यान उत्पादन बढ़ाने में हम यह सफल होंगे। कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और लगभग 50 प्रतिशत जनसंख्या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इसी पर निर्भर है। यह क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 18 प्रतिशत का योगदान करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, जिसमें विकसित खेती और समृद्ध किसान का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। बीते 11 वर्षों में किसानों को सशक्त करने के लिए सरकार ने बीज से बाजार तक हर वो फैसला लिया है, जो किसानों के लिए खेती को और आसान बनाए। हाल ही में लिए गए निर्णय जैसे न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी हो या प्याज और चावल से निर्यात शुल्क को हटाना, फसलों की जलवायु अनुकूल और अधिक उपज वाली किस्मों के विकास से लेकर किसान हितैषी योजनाओं के विस्तार तक मोदी सरकार की प्राथमिकता में सदैव किसान कल्याण रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने हाल ही में जापान को पीछे छोड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में छलांग लगाई है। कृषि उत्पादन को देखे तो इसमें ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। वर्ष 2024-25 में खाद्यान्न उत्पादन के 3309 लाख टन तक पहुंचने की संभावना है। खरीफ चावल 1206 लाख टन, गेहूं 1154 लाख टन और सोयाबीन 151 लाख टन के साथ रिकॉर्ड स्तर पर हैं। सोयाबीन की उत्पादकता 985 किलो प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 1169 किलो प्रति हेक्टेयर हो गई है। बागवानी क्षेत्र में भी उत्पादन 3621 लाख टन तक पहुँचने का अनुमान है। ये उपलब्धियाँ दशार्ती हैं कि हमारे किसानों की मेहनत, वैज्ञानिकों की शोधपरक क्षमता और मोदी सरकार की किसान कल्याणकारी नीतियाँ मिलकर कृषि क्षेत्र को नित-नई ऊँचाइयों पर ले जा रही हैं।

व्यापक विजन, समग्र सोच, स्पष्ट नीति और नेक इरादों के साथ किसानों की आय बढ़े, उनके पसीने का उचित मूल्यांकन हो और वे आत्मनिर्भर बन सकें, इसके लिए केंद्र सरकार ने 6 सूत्रीय रणनीति बनाई है। उत्पादन बढ़ाने, उत्पादन की लागत घटाने, उत्पादन के ठीक दाम देने, प्राकृतिक आपदा में राहत की ठीक राशि देने, कृषि का विविधीकरण तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय गंभीरतापूर्वक कार्य कर रहा है। विकसित कृषि संकल्प अभियान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का एक महाभियान है द्य मेरी किसान भाइयों-बहनों से अपील है कि आप सभी इस महअभियान से जुड़े, इस कार्यक्रम का लाभ उठाए द्य वैज्ञानिकों द्वारा दी गई सलाह को मानकर अपनी कृषि को उन्नत करे।

उत्पादन बढ़े, लागत घटे और किसानों को लाभ हो, इसी उद्देश्य के साथ विकसित कृषि का यह महायज्ञ है,

## भारत 4.19 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी के साथ विश्व में चौथ नंबर पर

अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष के द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के भारत की बढ़ती अर्थ व्यवस्था 4.19 ट्रिलियन डॉलर होगयी है और विश्व में चौथे नंबर की इकोनॉमी है जो जापान के बराबर है।भारत से आगे सभी विकसित देशों में होड़ है । तीसरे स्थान पर जर्मनी है जो भारत से कुछ ही आगे 4.77ट्रिलियन डॉलर, दूसरे स्थान पर चीन 19 ट्रिलियन डॉलर, पहले स्थान पर अमेरिका तीस ट्रिलियन डॉलर है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट कहती है कि भारत ने कृषि, ऑटोमोबाइल, पेट्रोलियम पदार्थों, गैस, हैवी इंडस्ट्री, विशेषकर डिजिटल, बैंकिंग, सॉफ्टवेयर के क्षेत्र,सड़क परिवहन निर्माण, कार्यक्रम में उल्लेखनीय कार्य किया है। अब भारत का आयात और निर्यात लगभग बराबर है। भारत ने सिंचाई परियोजना, बांध, हाइड्रल पावर स्टेशन, रेलवेज, वैकल्पिक ऊर्जा क्षेत्र को भी विकसित किया है।नेपाल,भूटान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, कनाडा, श्रीलंका,आदि देश पूरी तरह व्यवसायिक रूप से भारत पर निर्भय है।भारत ने मिसाइल, सेटेलाइट स्टेशनों से संबंधित आय बढ़ाई है।भारत के मेडिकल कॉलेज, विश्व में सबसे ऊंचे स्थान पर हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत आगामी तीन साल में जर्मनी से आगे निकल जाएंगे। क्योंकि भारत बहुत बड़ा बाजार है।बड़े बड़े देश भारत में व्यापार करना चाहते हैं। वस्त्र उद्योग में भी भारत ने बहत्तर कार्य किया है। खाद्य तेल और औषधियों के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर है जबकि भारत की जनसंख्या 140 करोड़ है और यह आबादी ही बरदान साबित हुई है।भारत सबसे युवा देशों में शुमार है। अभी जनसंख्या दर 2.1 है। अनुमान है 2050 में जनसंख्या में स्थिरांक आएगा और तब आबादी कम होना शुरू होगी । अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष के विशेषज्ञ मानते हैं कि चीन की जीडीपी लगातार गिर रही है जबकि भारत की जीडीपी लगातार बढ़ रही है।अब अंतरदेशीय पटल पर भारत,चीन, अमेरिका का मौका बाला है। चाइना ने पिछले बीस साल में उल्लेखनीय उन्नति की है।

लोहा, सीमेंट, हैवी इंडस्ट्री, एयरोस्पेस, आर्म्स, रक्षा उत्पादों में बहुत आगे है और मध्य एशिया, अफ्रीका, और यूरोपीय देशों में निर्यात करने में माहिर हैं।यहां पर लेबर स्किलनेस बहुत पुरानी है।दरअसल चाइना की सभ्यता भी बहुत पुरानी है। चाइना कभी गुलाम या उप निवेश नहीं रहा ।1949 में यहां क्रांति हुई और माओ के नेतृत्व में सोवियत संघ से प्रेरित होकर साम्यवादी व्यवस्था लागू हुई चाइना की एक मात्र कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना अभी भी सत्ता में है।यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था की तरह चुनाव नहीं होते हैं। जिनपिंग पिछले 20 वर्षों से कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के महासचिव भी हैं और देश के राष्ट्रपति भी । चाइना अब रूस से भी आगे निकल चुका है क्योंकि उसने खुली अर्थ व्यवस्था भी समय के साथ अपनाली ।दूसरे बढ़ती जनसंख्या पर भी लगाम लगाई। दंपतियों को एक बच्चा करने की इजाजत थी । 0 अजय दीक्षित

## अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1343

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | ■ | ■ | 4 | 5 | 6 |
| 7 | | | 8 | ■ | ■ | 9 | |
| | ■ | 10 | | 11 | 12 | ■ | ■ |
| | ■ | ■ | 13 | | | 14 | 15 |
| 16 | 17 | ■ | | ■ | 18 | | |
| ■ | 19 | 20 | ■ | 21 | | ■ | |
| 22 | | | 23 | | ■ | 24 | ■ |
| 25 | | ■ | 26 | | | | ■ |

**संकेत: बाएं से दाएं**

1. इस शहर की प्रमुख ग्रेविटी इंडस्ट्री ने दुनिया का पहला जेट सूट तैयार किया है जिसे पहन कर उड़ा जा सकता है (नईदुनिया 15 जून)(3)
7. शक्तिशाली, ताकतवर (4)
9. सौ हजार की संख्या (2)
10. एक रोग, अर्श (4)
13. बलराज साहनी अभिनीत 1947 की एक कला फिल्म जिसमें फारूखशेख ने भी अभिनया किया है (5)
16. पटना से करीब 90 किमी. स्थित पुण्य स्थान जहां विधिवत तिल आदि से श्राद्ध करे ने चार महापातकों से मुक्ति होती है (2)
19. लेखनी, हस्तलेख (3)
19. एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
21. वर्जित, निषिद्ध (2)
22. बड़वानी से 8 किमी. दूर जैन धर्म के मानने वाले लोगों का तीर्थ स्थल (5)
25. मूल्य, भाव, निर्ख (2)
26. कूटयुक्ति कर्ता, जुगतबाज, जुगाडु (4)

**ऊपर से नीचे**(2)

1. लंबा-तगड़ा (5)
2. समूह, गुट, गिरोह, समूह (2)
3. मुगलशासन में किसी रियासत का मुसलमान शासक, बादशाह का नाइब (3)
5. घोर आफत, विपत्ति (2)
6. सांठा, गन्न, ऊख (2)
8. नया आया हुआ, जो अभी आया हो (4)
11. हल जोतने वाले बैल, हल (2)
12. झूमते या इतराते हुए चलना (4)
14. समाधान, निराकरण (2)
15. भगवान विष्णु का पांचवा अवतार (3)
17. खानाबदोश, पर्यटन प्रिय (4)
20. दार्शनिक प्रणाली, राय, सलाह, वोट (2)
21. उपहास, विनोद, दिल्लगी, मखौल (3)
22. उत्तरकाल में, उपरांत (2)
23. वाद्यगत, चाल, रफ्तार (2)
24. मूल्यवान, कीमती, बहुमूल्य (2)

**वर्ग पहेली 1342 का हल**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मा | ल | वा | अ | ख | बा | र | ■ |
| ह | ल | क | ■ | र | ■ | वि | श्व |
| ■ | क | ■ | आ | गो | श | ■ | स |
| सो | ना | ■ | स | न | क | ■ | न |
| म | ■ | ढा | का | ■ | ■ | ज | ■ |
| ना | गा | ■ | पं | चा | य | न | ■ |
| थ | ■ | पं | छी | ■ | य | म | क |
| ■ | हा | थी | ■ | जी | न | त | ■ |

## एकदा

### पाकिस्तान से युद्ध भारत के लिए मिसाइलों का अंतरास्ट्रीय बाजार खोलेगा

रक्षा विशेषज्ञों का मत है कि अब भारत मिसाइलों के लिए अंतराष्ट्रीय मार्केट खुलेगा क्योंकि पाकिस्तान से हुए युद्ध में ब्रह्मोस,आकाश, मिसाइलों ने नौ और दस की दरम्यानी रात पाकिस्तान के एयर वेज नूर खान,आदि निशाना बना कर बहुत नुकसान पहुंचाया इतना ही नहीं आकाश ने पाकिस्तान की शाहीन मिसाइल को हवा में मार गिराया। स्वदेशी तकनीकी से जुड़े जीपीएस नेविक ने भी अमेरिका के जीपीएस को पीछे छोड़ दिया। लेकिन रूस में बने एस 400की मांग भी बढ़ने वाली है क्योंकि इस एयर डिफेंस सिस्टम ने तुर्की से पाकिस्तान द्वारा आयात ड्रोन को भी नेस्तानाबूद कर दिया। पाकिस्तान इस युद्ध में चीनी टेक्नोलॉजी के एयर डिफेंस सिस्टम की बजह से फैल हुआ जबकि उसने पंजाब, राजस्थान, गुजरात की सीमा पर 40 हमले किए लेकिन सब विफल रहे। दरअसल भारत की मिसाइल तकनीकी पर अपने वैज्ञानिकों ने बहुत शोध किया और इसरो ने उपग्रह और मिसाइल बनाने का कार्य 1964 में आरंभ किया था तत्कालीन समय में अब्दुल कलाम ने पहले एप्पल, रोहणी, सेटेलाइट अंतरिक्ष में छोड़े फिर श्री हरिकोटा सेटेलाइट स्टेशनों का कार्य शुरू किया।ये सब स्वदेशी थे ।

सेटेलाइट के दिशा में क्रायोजेनिक इंजन एक रुकावट बनी कई देशों से अनुरोध किया लेकिन किसी ने नहीं दिया तब कस्तूरीरंगन ने अपना क्रायोजेनिक इंजन बनाया।

## राशिफल

**ग्रह स्थिति-** सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

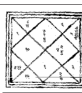

**चौघड़िया**

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि- मेष राशि वालों का आज का दिन बेहतर रहने वाला है। आज लंबे समय से चल रही किसी समस्या से आपको निजात मिलेगा और आपकी चतुराई और योग्यता की सराहना होगी।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज दिन भर भागा-दौड़ी की स्थिति रहेगी लेकिन कार्य भी सुचारू रूप से बनते जाएंगे। सूझबूझ और व्यवहार कुशलता से अपने काम के प्रति व्यस्त रहेंगे।

मिथुन राशि- आपके लिए आज का दिन खास होने वाला है। किसी भी नए निवेश के बारे में प्लान करें, आपको अच्छा लाभ हो सकता है। घर में किसी नन्हें मेहमान के आगमन संबंधी शुभ समाचार मिलने से उत्सव का माहौल रहेगा।

कर्क राशि- कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी समारोह में शामिल होंगे तो आपकी उपस्थिति को महत्व मिलेगा। कोरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज फायदा मिलेगा।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कार्यस्थल पर गंभीरता और ईमानदारी से अपने प्रोजेक्ट को अंजाम दें, इस समय आपकी तरक्की के भी योग बन रहे हैं। आज समय आपके पक्ष में है।

कन्या राशि- आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने बड़े भाई से प्रॉपर्टी से रिलेटेड कोई बात करेंगे और फाइनेंस संबंधित कुछ योजनाएं बनेंगी। आज आपका काम करने का जुनून आपको मेहनत करने की क्षमता प्रदान करेगा।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप करीबी व्यक्ति के बारे में गहराई से विचार करके रिश्ता सुधारेंगे। आज जिम्मेदारियां रहेंगी, लेकिन उनसे भागने के बजाय उन्हें बेहतर तरीके से पूरा करने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक राशि- वृश्चिक राशि वालों के लिए आज का दिन सामान्य रहने वाला है। आज किसी भी नकारात्मक स्थिति में घबराने के बजाय उसका समाधान ढूंढें तो जल्दी ही हल भी मिलेगा। वाहन अथवा किसी महंगे उपकरण के खराब होने से बड़ा खर्चा सामने आएगा।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी और आप सामान की खरीददारी करने मार्किट जा सकते हैं। आज कारोबार में नई तकनीक का इस्तेमाल करने संबंधी कार्य प्रणाली पर विचार-विमर्श होगा।

मकर राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी भी काम को करने से पहले उससे संबंधित उचित जानकारी हासिल करेंगे, फिर उस पर काम करेंगे। इससे आपको बेहतर परिणाम हासिल होंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ राशि- आपके लिए आज का दिन उत्तम रहने वाला है। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। सकारात्मक सोच जीवनयापन में आपकी मदद करेगी। आज घर तथा बाहर दोनों जगह किसी बड़े फैसले को लेने में आपका विशेष योगदान रहेगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज पारिवारिक सदस्यों के साथ किसी महत्वपूर्ण विषय पर सहमति बन जाने से राहत की सांस लेंगे। छोटों की गलतियों को माफ करते चलेंगे और वरिष्ठ लोगों के मार्गदर्शन पर अमल करेंगे।

# टपक सिंचाई
# विशेषता एवं सावधानियां

## प्रमुख विशेषताएं

✦ टपक सिंचाई द्वारा पौधों की जड़ों में आवश्यकतानुसार पानी निर्धारित दर से दिया जाता है परिणामतः पौधों की अच्छी वृद्धि होती है।

✦ इस प्रणाली द्वारा पानी की पूर्व निर्धारित दर, भूमि की संरचना, पौधों व फसलों के प्रकार, प्रति पौधों के बीच का अंतर (पौधे से पौधे एवं लाइन से लाइन), तापमान, जलवायु तथा पानी आदि को ध्यान में रखकर क्षेत्र विशेष में प्रदान की जा सकती है।

✦ महंगे रसायनिक खाद व अन्य रसायनों का प्रयोग पौधों की जड़ों में वांछित गहराई तक किया जा सकता है। परम्परागत विधि की तुलना में ड्रिप द्वारा रसायनिक खादों का उपयोग करने पर इनमें 50 प्रतिशत तक की बचत होती है।

✦ पौधों की बढ़वार तेज होने के साथ-साथ उनमें फल भी शीघ्र एवं समरुप लगते हैं एवं उच्च गुणवत्ता के प्राप्त होते हैं।

✦ बहाव सिंचाई विधियों की तुलना में कार्यकारी लागत तथा निंदाई-गुड़ाई में आने वाली लागत 50 प्रतिशत तक कम होती है।

### ड्रिप (टपक) सिंचाई विधि

ड्रिप (टपक) सिंचाई की आधुनिकतम विधियों में से एक हैं। इस विधि से पौधों से सिंचाई जल का धीमा किन्तु सतत प्रयोग हुए पौधों के जड़ क्षेत्र में ड्रिपर (इमीटर) कर मदद से सुगमता पूर्वक पहुंचाया जाता है। इस प्रकार सिंचाई जल का गहराई में प्रवेश, मृदा-जल वाष्पीकरण तथा बहाव जैसे कारणों से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। साथ ही 50 से 70 प्रतिशत तक पानी की बचत की जा सकती है। रसायनिक खादों को पानी में मिलाकर घोल के रुप में ड्रिप पद्धति द्वारा पौधों तक पहुंचाया जा सकता है। इसके उपयोग से मजदूरी खर्च बचत एवं उत्पादन में वृद्धि प्राप्त की जा सकती है।

✦ खरपतवार नियंत्रण सुगमतापूर्वक किया जा सकता है।

✦ सिंचाई जल उपयोग दक्षता 90-95 प्रतिशत तक आती है जबकि बहाव सिंचाई विधि से सिंचाई जल उपयोग दक्षता मात्र 40-50 प्रतिशत तक ही प्राप्त होती है।

✦ बहाव सिंचाई की तुलना में सिंचाई कार्य हेतु मजदूरों की आवश्यकता काफी कम होती है।

✦ भूमि समतलीकरण की आवश्यकता नहीं होती है।

✦ सिंचाई जल वितरण एवं वाष्पीकरण में हवा का प्रभाव नहीं होता है।

✦ खेत के कोनों व सीमा में सिंचाई जल के नुकसान की संभावना नहीं होती है।

**परम्परागत सिंचाई पद्धति से लगभग 50 प्रतिशत से अधिक सिंचाई जल रिसाव व वाष्पीकरण के माध्यम से नष्ट हो जाता है, फलस्वरुप कृषि की अन्य सभी तकनीकों का उपयोग करने के बावजूद कृषक फसलों की वांछित उत्पादकता नहीं प्राप्त कर पा रहे हैं।**

✦ ग्रीन हाऊस में टपक सिंचाई का प्रयोग सुगमतापूर्वक किया जा सकता है।

✦ अपेक्षाकृत बड़े क्षेत्र की सिंचाई एक ही समय में तथा समरूपता से की जा सकती है जबकि बहाव विधि में ऐसा संभव नहीं हैं।

✦ अन्य कृषि कार्य जैसे निंदाई-गुड़ाई, पौध-संरक्षण कार्य तथा कटाई इत्यादि हेतु कृषि यंत्रों के प्रयोग में बाधा नहीं होती है।

## प्रमुख सावधानियां

✦ विद्युत मोटर पंप चालू करने के पहले वोल्टेज की जांच करें।

✦ शुरू में फ्लश वाल्व खोलें जिससे पाइप लाइन में उपस्थित किसी भी प्रकार के अवरोध को बाहर किया जा सके।

✦ सुनिश्चित करें कि मेन लाइन, सब लाइन तथा लेटरल्स में किसी प्रकार का जल रिसाव न हो।

✦ लेटरल्स लाइन सुनिश्चित स्थान पर ही रखें जिससे सिंचाई जल न तो पौधे से ज्यादा दूर एवं न ही तने के ऊपर गिरे।

✦ जलश्रोत यदि कुंआ (ओपनवेल) हो तो ध्यान रखें कि जल सतह पर किसी प्रकार कचरा एकत्र न हो।

✦ समय-समय पर नीला थोथा य एचसीएल रसायनों का उपयोग कर पाइ दाईनों व ड्रिपर्स की सफाई करें।

✦ खेत में मौजूद प्रत्येक झाड़/ पौधे क निर्दिष्ट प्रमाण के ड्रिपर द्वारा पानी मिल रहा ह कि नहीं, इसकी जांच करें।

✦ पंप निर्दिष्ट दबाव (प्रेशर) पर काम क रहा है कि नहीं इसकी जांच करें।

✦ फिल्ट्रेशन यंत्र, उप वाहिनी की भ समय-समय पर सफाई करें।

✦ प्रायः खेतों में जानवरों के आने-जा या वहां काम करने वाले मजदूरों की गलती क कारण ड्रिप प्रणाली के क्षतिग्रस्त भाग को तुरं बदली करें।

✦ ध्यान रखे कि सिस्टम के लिए निर्दि सीमा से ज्यादा कुंए का पानी गहराई में जा पर उसे बंद कर दें क्योंकि कुंए का पान अधिक गहराई में पहुंचने पर पंप क कार्यप्रणाली पर विपरीत असर पड़ता ह परिणामस्वरुप फिल्टर के आउटलेट क आवश्यक दबाव नहीं मिलता जिससे ड्रिपर स पानी बाहर आने में रुकावट पैदा होती है औ पानी का संतुलन बिगड़ जाता है।

# लाभदायक गर्मियों की जुताई

**फसलों को हानि पहुंचाने वाले रोगाणु, रोगजनक, कीड़े, खरपतवारों के बीज फसलों की कटाई के बाद भूमि की दरारों (खाली जगहों) में सुषुप्तावस्था में पड़े रहते हैं और जब अगली फसल की बुवाई की जाती है और अनुकूल मौसम मिलने पर पुनः सक्रिय होकर फसलों को हानि पहुंचाना प्रारंभ कर देते हैं।**

खेतों में फसलों की बुवाई के समय बार-बार एक निश्चित गहराई पर 6-7 इंच पर बखर या हेरो चलाने से खेतों में नीचे एक कड़ी परत बन जाती है जिससे वर्षा का सम्पूर्ण पानी खेतों द्वारा नहीं सोखा जाता है, जिससे पानी खेतों से बाहर निकल जाता है, और अपने साथ मिट्टी और फसलों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों को भी बहा ले जाता है, ग्रीष्मकालीन जुताई 9-12 इंच तक मिट्टी पलटने वाले हल से जुताई करने पर यह कड़ी परत टूट जाती है, और बरसात का पानी खेतों द्वारा अधिक मात्रा में सोख लिया जाता है, मिट्टी धूप तपने से भी भुरभुरी हो जाती है और मिट्टी में वायु का संचार बढ़ जाता है और खेतों की जल धारण क्षमता बढ़ जाती है, ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई से अनेक लाभ होते हैं।

## खरपतवार नियंत्रण

फसलों के लिए खरपतवार एक बड़ी समस्या है कभी-कभी इनके कारण उत्पादन 20-60 प्रतिशत तक कम प्राप्त होता है कुछ ऐसे खरपतवार जैसे- कांस, मौथा, दूब इनकी जड़े भूमि में काफी गहराई तक चली जाती है जिसके कारण निंदाई-गुड़ाई एवं खरपतवारनाशी रसायनों से पूर्ण नियंत्रण नहीं हो पाता है ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करने से इन खरपतवारों के राइजोम, जड़े निकल आती हैं और सूर्य की तपन से सूख कर नष्ट हो जाती है और धीरे-धीरे खेतों से खरपतवार की समस्या कम हो जाती है।

## जल संरक्षण

अधिकांशतः किसान भाई फसलों की आवश्यकता के अनुसार एक निश्चित गहराई पर 6-7 इंच लगातार जुताई करते हैं जिससे इस गहराई के नीचे मिट्टी की एक कड़ी परत बन जाती है। जिसके कारण खेतों में जल को अंतः करण करने में बाधा उत्पन्न करती है अतः अप्रैल महीने में गहरी जुताई (9 इंच से गहरी) करने से यह कड़ी सतह टूट जाती है जिससे वर्षा का सम्पूर्ण पानी खेतों द्वारा सोख लिया जाता है जिससे जल स्तर बढ़ जाता है।

## कीट व्याधि नियंत्रण

रबी की फसलों को हानि पहुंचाने (रोग के रोगजनक, कीट लाख) वाले रोग के रोगजनक, रोगाणु हानिकारक कीड़े फसल की कटाई के बाद खेतों में ही खेतों की दरारों में सुषुप्तावस्था में पड़े रहते है और जब अगली फसल बोई जाती है तो रोगजनक रोगाणु कीड़े सक्रिय लेकर फसलों को हानि पहुंचाना प्रारंभ कर देते हैं। कभी-कभी इन रोगाणुओं एवं कीटों के कारण सम्पूर्ण फसल नष्ट हो जाती है। ग्रीष्मकालीन जुताई से रबी फसल की कटाई के बाद खाली खेतों की गहरी जुताई हो जाने से ये रोगजनक, कीड़े भूमि की ऊपरी सतह पर आ जाते है और सूर्य की तपन से नष्ट हो जाते हैं।

## मृदा उर्वता में वृद्धि

विभिन्न रसायनिक क्रियाओं के कारण यह गैस वर्षा जल में घुल जाती है जब पहली वारिश का पानी गिरता है जो उसमें नत्रजन की अधिक मात्रा होती है जो फसलों के लिए आवश्यक है खेत गहरे जुते होने पर यह वर्षा सम्पूर्ण पानी खेतों द्वारा सोख लिया जाता है तो खेतों की उर्वरता में वृद्धि एवं जल धारण क्षमता में वृद्धि होती है खेत जुते होने से बरसात में मृदा को बचाया जा सकता है ।

# जायकेदार मूंग

मूंग हमारे देश में खरीफ, बसंत और ग्रीष्म की महत्वपूर्ण दलहनी फसल है। उत्तम गुणवत्ता और पाचन के लिए इसे खाने में पसंद किया जाता है। मूंग के 100 ग्राम बीज तथा दाल में 24-25 ग्राम प्रोटीन, 1.2 ग्राम वसा, 3.5 ग्राम खनिज, 0.8 से 4.1 ग्राम रेशे, 56.7 से 59.9 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 75 से 124 मिलीग्राम केल्शियम, 326 से 405 मिलीग्राम फास्फोरस, 7.3 से 8.5 मिलीग्राम लोहा, 49 से 94 माइक्रोग्राम कैरोटीन, 0.47 से 0.72 मिलीग्राम थियामिन होता है।

## उपयुक्त जातियां

मध्यप्रदेश- के 851, पी.एस.16, पूसा बैसाखी,जी.-65 पी.डी.एम.11, टार्म-2, पी.डी.एम. 54, एच.यू.एम.-1,

राजस्थान- आर.एम.जी.-62, के.851, पूसा बैसाखी, पी.डी.एम.-11, डी.66-26 (सभी किस्मों की पकने की अवधि 60 से 65 दिन), पी.एस.16

## खेत की तैयारी

रबी की अगेती फसल कटते ही हल्की सिंचाई करें और बतर आते ही जुताई करके खेत की तैयारी करें।

## बुआई का उपयुक्त समय

बुआई का उपयुक्त समय मार्च के द्वितीय सप्ताह से अप्रैल का प्रथम सप्ताह है।

## बुआई का तरीका

बसंत मूंग को 25-30 किलोग्राम बीज दर प्रति हेक्टेयर की दर से कतारों की दूरी 25 से.मी. रखकर बोये। ग्रीष्मकालीन मूंग को 30 से 35 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से 20 से.मी. की कतारों की दर रखकर बुआई करें।

बुआई कुंड में 3 से 4 से.मी. की गहराई पर करें। पौधे से पौधे की दूरी 7 से 10 से.मी. रखें। बुआई से पहले बीज को कवकनाशी दवा से उपचारित करें।

## फसल पोषण

आधार खाद में 110 किलोग्राम डायअमोनियम फास्फेट प्रति हेक्टेयर के साथ 50 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से बीज के नीचे ड्रिल करके उपयोग करें।

## खरपतवार नियंत्रण

बुआई के 25 से 30 दिन बाद खरपतवार निकाल दें। एक निंदाई करके 'हैंडव्हील हो' (गुड़ाई यंत्र) से गुड़ाई करें। इससे पौधों की बढ़वार अच्छी होती है और घने पौधों की छंटाई भी हो जाती है।

## जल प्रबंधन

पहली सिंचाई बुआई के 25 से 30 दिन बाद (फूल आने पर), इसके बाद दूसरी और तीसरी सिंचाई 10 दिन के अंतर से अवश्य करें। पहली सिंचाई बहुत जल्दी करने से जड़ों तथा जड़ ग्रंथियों के विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। फूल आने से पहले तथा दाना भरते समय सिंचाई अत्यंत जरूरी है।

## कटाई

फसल की कटाई के लिये जब 75-80 प्रतिशत फलियां पक जाये तो कटाई कर लें। जब खलिहान में फलियां पूरी तरह सूख जाये तो गहाई करके उचित भंडारण करें। बीज के लिये मूंग रखने के लिये 3-5 ग्राम तेल सरसों, मूंगफली और सूरजमुखी का प्रति किलोग्राम बीज की दर से मिलाकर रखने से घुन नहीं लगता।

## उपज

बसंतकालीन मूंग की उपज 10 से 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त की जा सकती है।

## फटाफट खबरें

### मान सरकार ने 25 जेल अधिकारी किए सस्पेंड

**चंडीगढ़,** पंजाब की भगवंत मान सरकार ने जेलों में बढ़ते भ्रष्टाचार और नशा तस्करी के नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई करते हुए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने राज्य की विभिन्न जेलों से जुड़े 25 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इनमें 3 डिप्टी सुपरिंटेंडेंट, 2 असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट और अन्य जेल कर्मचारी शामिल हैं। सरकारी प्रवक्ता ने इस बात की जानकारी देते हुए बताया, कि ये अधिकारी जेलों में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने और नशा तस्करी से जुड़े गिरोहों को अंदर से सहयोग देने के आरोपों में संलिप्त पाए गए थे। इसके अतिरिक्त सरकार को इन अधिकारियों के खिलाफ कई गंभीर शिकायतें भी सूत्रों से मिलती रहीं थीं।

### ट्रक - बस में टक्कर तीन की मौत

**फिरोजाबाद,** उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार रात भीषण सड़क हादसा हो गया। नगला खंगर थाना क्षेत्र के माइल स्टोन 68.300 के पास दिल्ली से जालौन जा रही एक डबल डेकर बस ट्रक से टकरा गई, जिसमें तीन यात्रियों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस में करीब 50 यात्री सवार थे और रात दो बजे के आस-पास हादसा उस समय हुआ जब चालक को नींद की झपकी लग गई। इसी दौरान बस अनियंत्रित होकर एक पत्थर लदे ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

### तीन महिलाओं समेत छह उग्रवादी गिरफ्तार

**इंफाल,** मणिपुर पुलिस ने प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी की तीन महिलाओं समेत छह उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को इंफाल पश्चिम जिले के थांगमेइबंद थिंगल लेइकाई इलाके से कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी की दो महिला उग्रवादी समेत तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि ये सभी जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल थे। पुलिस ने जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल केसीपी-पीडब्लूजी के एक सक्रिय सदस्य को इंफाल पूर्व जिले के चिंगारेल तेजपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

### चित्तेरी स्टेशन पास ट्रेन पटरी से उतरी

**रानीपेट,** तमिलनाडु के रानीपेट जिले में एक ट्रेन पटरी से उतर गई। जिसके बाद वहां अफरातफरी मच गई। जिले के चित्तेरी रेलवे स्टेशन पर अराकोणम-कटपडी मेमू पैसेंजर ट्रेन पटरी से उतर गई। हालांकि इस घटना में किसी के घायल या हताहत होने की सूचना नहीं है। बताया जा रहा है कि ट्रेन के चित्तेरी स्टेशन से रवाना होने के कुछ समय के बाद पटरी से उतर गई। प्रत्यक्षदर्शियों और शुरुआती जांच में पता चला है कि लोको पायलट द्वारा ट्रेन को तुरंत रोकने से पहले तेज आवाज सुनी गई। लोको पायलट बिना देर किए ट्रेन को रोका जिससे सैकड़ों लोगों की जान बच गई और एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

# 11 साल के स्वर्णिम कार्यकाल में मोदी सरकार ने 421 बिल पास किए

### कुल 1576 पुराने और निरर्थक कानूनों को निरस्त किया

**नई दिल्ली,** हाल ही में मोदी सरकार ने केंद्र में अपने 11 साल पूरे किए है। इस दौरान सबसे बड़ी पंचायत संसद भी तमाम बदलावों को होकर गुजरी। मोदी सरकार का आगामी रोडमैप क्या है, इस पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बातचीत की।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि मोदी सरकार में कई महत्वपूर्ण संसदीय निर्णय हुए हैं। उदाहरण के लिए रेल और आम बजट को मिलाने और आम बजट को हर साल 1 फरवरी को पेश करने का ऐतिहासिक फैसला हुआ। इसी तरह, जम्मू-कश्मीर में समाज के सभी वर्गों के लिए समान मौके सुनिश्चित करने के लिए अनुच्छेद 370 और उसके तहत राष्ट्रपति के आदेशों के कुछ प्रावधानों को निरस्त किया गया। वहीं पीएम मोदी के भविष्यवादी दृष्टिकोण के चलते देश को सितंबर 2023 में नई संसद मिली, जब संविधान सभा से शुरू हुई 75 वर्षों की संसदीय यात्रा पर एक विशेष सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नीति निर्माण में जन प्रतिनिधियों के रूप में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 पारित किया गया। मोदी सरकार ने अपने 11 साल के स्वर्णिम कार्यकाल में अब तक 421 बिल पास किए। वहीं अब तक कुल 1576 पुराने और निरर्थक कानूनों को निरस्त किया। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौरान भारतीय संसद के लचीलेपन की परीक्षा हुई। तब अनुच्छेद 85 की संवैधानिक अपेक्षाओं को और अत्यावश्यक विधायी कामों को पूरा करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सभी दिशा-निर्देशों का पालन कर तीन सत्रों का आयोजन हुआ।

एथेंस के दक्षिण में एक जंगल में आग लग गई, जिसके बाद अधिकारियों ने फोन अलर्ट भेजकर आग के पास के पांच समुदायों से जंगल खाली करने का आग्रह किया, ग्रीस में गर्मियों की पहली गर्मी की लहर में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

### मेट्रो में लगा दी आग, 22 घायल

**सियोल,** दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में एक चलती मेट्रो ट्रेन में आग लगने की भयावह घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि एक 67 वर्षीय व्यक्ति ने पारिवारिक तनाव और पत्नी से तलाक को लेकर गुस्से में आकर ट्रेन के कोच में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इस घटना में 22 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि 129 अन्य यात्रियों को मौके पर ही प्राथमिक इलाज देकर रवाना कर दिया गया। घटना का वीडिया सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, आरोपी की पहचान वोन नामक व्यक्ति के रूप में हुई है। वह सियोल की मेट्रो ट्रेन में सफर कर रहा था और अचानक अपने ही कपड़ों को आग लगाकर पेट्रोल छिड़क दिया, जिससे ट्रेन का एक पूरा कोच आग की लपटों में घिर गया। घटना के बाद ट्रेन में अफरातफरी मच गई और यात्रियों को तुरंत बाहर निकाला गया। हालांकि, यह राहत की बात रही कि इस घटना में किसी की जान नहीं गई। लेकिन मेट्रो की एक बोगी पूरी तरह जलकर खाक हो गई, जिससे लगभग 330 मिलियन वॉन का नुकसान होना बताया जा रहा है।

### पीएम मोदी ने आचार्य विद्यानंद जी महाराज के शताब्दी समारोह में कहा...

# भारत सेवा प्रधान देश, जीवंत सभ्यता का प्रतीक है

● **नई दिल्ली,**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित आचार्य विद्यानंद जी महाराज के शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जैन समुदाय द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि से सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान डाक टिकट और स्मृति सिक्के भी जारी किए गए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में आचार्य विद्यानंद जी महाराज को भारत की अध्यात्म परंपरा का प्रकाश स्तंभ बताया और उनके जीवन और विचारों को देश की सांस्कृतिक चेतना का अमूल्य हिस्सा कहा।

मोदी ने कहा, कि भारत विश्व की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता है, क्योंकि हमारे विचार, चिंतन और दर्शन अमर हैं। हमारे ऋषि-मुनि, संत और आचार्य इस परंपरा के स्रोत रहे हैं और आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज इसी परंपरा के आधुनिक प्रकाश स्तंभ हैं। सम्मानित किए जाने पर पीएम मोदी ने मंच से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि को प्रसाद की तरह स्वीकार करते हैं और उसे भारत माता के चरणों में अर्पित करते हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि 28 जून, 1987 को ही आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज को आचार्य पद की उपाधि प्राप्त हुई थी, जिससे यह तिथि और भी विशेष बन जाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने आचार्य जी के विचारों को उद्धृत करते हुए कहा- जीवन तभी धर्ममय हो सकता है, जब वह सेवामय हो। यही विचार भारत की आत्मा से जुड़ा है, और यही सेवा भावना भारत को मानवता प्रधान राष्ट्र बनाती है। पीएम मोदी ने भारत की अहिंसा, सेवा और सह-अस्तित्व की परंपरा पर बल देते हुए कहा कि जब दुनिया हिंसा से हिंसा को समाप्त करने की कोशिश कर रही थी, तब भारत ने अहिंसा को समाधान के रूप में प्रस्तुत किया। इस गरिमामय कार्यक्रम में अनेक साधु-संतों समेत जैन धर्मावलंबियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। प्रधानमंत्री ने अंत में आचार्य विद्यानंद जी के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके आशीर्वाद की कामना की।

'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि से हुए सम्मानित

## प्रधानमंत्री मोदी 2 जुलाई से करेंगे 5 देशों का दौरा, ब्रिक्स में भी होंगे शामिल

**नई दिल्ली,** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 से 9 जुलाई, 2025 तक घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की आधिकारिक विदेश यात्रा पर रहेंगे। यह उनका कार्यकाल का सबसे लंबा विदेश दौरा माना जा रहा है। इस दौरान वह 6-7 जुलाई को ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित होने जा रहे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

अपनी यात्रा की शुरुआत प्रधानमंत्री घाना से करेंगे, जहां वह 2-3 जुलाई को राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और द्विपक्षीय साझेदारी को बढ़ावा देंगे। इसके बाद 3-4 जुलाई को वह त्रिनिदाद एंड टोबैगो जाएंगे, जहां वह राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मिलकर द्विपक्षीय सहयोग को मजबूती देंगे। प्रधानमंत्री 4-5 जुलाई को अर्जेंटीना पहुंचेंगे और राष्ट्रपति जेवियर माइली से मुलाकात कर कृषि, ऊर्जा, व्यापार और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा करेंगे। 5-8 जुलाई को पीएम मोदी ब्राजील की राजकीय यात्रा पर रहेंगे और ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होंगे। सम्मेलन के दौरान वे वैश्विक शासन, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य और एआई जैसे मुद्दों पर विचार साझा करेंगे। अंतिम चरण में, प्रधानमंत्री 9 जुलाई को नामीबिया की पहली आधिकारिक यात्रा करेंगे, जहां वह राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और यहां वे संसद को संबोधित भी कर सकते हैं।

# दिल्ली एयरपोर्ट हड़कंप, एयरइंडिया के क्रू मेंबर को मिली विमान में बम होने की धमकी

**नई दिल्ली,** दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार सुबह हड़कंप मच गया। एयर इंडिया की एक फ्लाइट में क्रू मेंबर को धमकी भरा पत्र मिला, जिसमें लिखा था कि फ्लाइट नंबर 2948 में बम रखा है। सूचना मिलते ही एयरपोर्ट अधिकारियों के होश उड़ गए और आनन-फानन में फ्लाइट की जाँच की गई। हालांकि तलाशी के बाद कुछ नहीं मिला जिसके बाद इसे झूठी धमकी घोषित किया गया।

जानकारी के मुताबिक बम की धमकी मिलने के बाद एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एयर इंडिया की इस फ्लाइट के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। बम निरोधक दस्तों और अन्य सुरक्षाकर्मियों ने हर कोने की बारीकी से जांच की लेकिन किसी भी प्रकार की कोई संदिग्ध वस्तु या उपकरण नहीं मिला तब जाकर अधिकारियों ने राहत की सांस ली। बता दें पिछले कुछ हफ्तों से एयर इंडिया की उड़ानों में कई तकनीकी और परिचालन संबंधी समस्याएं सामने आ रही हैं। इन घटनाओं ने एयर इंडिया के विमानों की सुरक्षा और विश्वसनीयता को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। कई उड़ानों को रद्द भी किया जा चुका है जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बता दें यह धमकी ऐसे समय में आई है जब एयर इंडिया हाल ही में गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे से उबर भी नहीं पाई है। अहमदाबाद से लंदन जाने वाली एयर इंडिया का विमान उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस भयानक हादसे में विमान में सवार 242 में से 241 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई थी। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज के कई लोग भी इस दुर्घटना का शिकार हुए थे।

### 33,000 फीट पर था विमान अचानक आई खराबी, यात्रियों की अटक गई सांसें

# सात यात्रियों की तबीयत बिगड़ी, मुंबई एयरपोर्ट पर कराई आपात लैंडिंग

**मुंबई,** अदीस अबाबा से मुंबई की ओर आ रही थी इथियोपियन एयरलाइंस की फ्लाइट ईटी640 में शुक्रवार देर रात तकनीकी खराबी आ गई। एयरलाइंस के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान में मिड-एयर डिप्रेशराइजेशन की स्थिति उत्पन्न हुई, जिसके कारण सात यात्रियों की तबीयत बिगड़ गई।

विमान ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रात 1:55 बजे आपातकालीन लैंडिंग की। इस घटना में एक यात्री को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान विमान में करीब 300 यात्री सवार थे। बता दें मिड-एयर डिप्रेशराइजेशन वह स्थिति होती है जब विमान के केबिन में हवा का दबाव कम हो जाता है। यह आमतौर पर तकनीकी खराबी, जैसे केबिन प्रेशर सिस्टम की विफलता या विमान की संरचना में रिसाव के कारण होता है। इससे यात्रियों को सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

### इंडिगो फ्लाइट में आई खराबी, मलेशिया में उतारा, कई यात्री फंसे

**लुधियाना,** सिंगापुर से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट की तकनीकी खराबी के चलते मलेशिया में आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। यह घटना से यात्री घबराए गए। विमान में सवार 227 यात्री कई घंटों से मलेशिया में फंसे हैं और अब तक एयरलाइंस की ओर से कोई ठोस जानकारी नहीं दी गई है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि तकनीकी खराबी के कारण विमान को मलेशिया में उतारा गया है और तब से सभी यात्री वहीं इंतज़ार कर रहे हैं। अब खबर मिल रही है कि इंडिगो ने आधिकारिक घोषणा किए बिना ही बेंगलुरु से एक नया विमान मलेशिया भेजा है, ताकि फंसे यात्रियों को वापस भेजा जा सके। फंसे यात्रियों और उनके परिजनों ने सोशल मीडिया पर इंडिगो की अनदेखी और गैर-जिम्मेदाराना रवैये को लेकर नाराजगी जताई है। कई लोगों ने पूछा है कि आखिर एयरलाइंस इतने बड़े संकट में भी अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम क्यों है।

### ईरान ने अमेरिका को चेताया कहा...

# खामेनेई के प्रति अच्छी भाषा का इस्तेमाल करें ट्रंप

**तेहरान,** भले ही अमेरिका कितना ही शंहशाह बनने की कोशिश कर ले, लेकिन ईरान आईना दिखाने से पीछे नहीं हटता है। एक बार ईरान ने अमेरिका को चेताते हुए साफ कहा कि सर्वोच्च नेता खामेनेई के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अच्छी भाषा का उपयोग करें।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेताते हुए कहा कि अगर वे सच में कोई समझौता चाहते हैं, तो उन्हें ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला खामेनेई के प्रति अपनी 'अस्वीकार्य' भाषा छोड़नी होगी। ट्रंप ने इससे पहले खामेनेई को खुली चुनौती दी थी और ईरान पर झूठ बोलने का आरोप लगाया था। वहीं, अमेरिका द्वारा ईरान के प्रमुख परमाणु ठिकानों पर हाल ही में किए गए हमलों पर भी बड़ा खुलासा हुआ है। अमेरिका ने इस्फहान जैसे गहरे भूमिगत ठिकाने पर 'बंकर बस्टर' बम न गिराने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि वहां यह असरदार नहीं होते। इसके अलावा सैटेलाइट तस्वीरें भी इस बात की पुष्टि कर रही हैं कि फोर्दो परमाणु केंद्र में फिर से हलचल शुरू हो गई है। जिस जगह बम गिरे थे वहां जेसीबी मशीनें और मिट्टी ढोने वाले ट्रक हैं। इसी बीच रूस ने यूक्रेन के पोक्रोवस्क शहर के पास 1.10 लाख सैनिकों को तैनात कर दिया है। ये वही इलाका है जिसे पिछले एक साल से रूस अपने कब्जे में लेने की कोशिश कर रहा है। यूक्रेन की सेना के अनुसार, यह फिलहाल सबसे 'गर्म मोर्चा' बन गया है।

# 3 जुलाई तक देश के कई राज्यों में होगी भारी बारिश, चलेंगी तेज हवाएं

**नई दिल्ली,** देश के कई हिस्सों में अगले सात दिनों तक भारी बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी रहेगा। दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के ऊपर चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। इससे बांग्लादेश तक एक ट्रफ रेखा फैली है जो राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखंड और गंगा के मैदानी इलाकों से होकर गुजर रही है। इसके चलते पश्चिमी भारत के सौराष्ट्र में भारी बारिश हो सकती है। कोंकण, गोवा, महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों और गुजरात में अगले 7 दिनों तक भारी बारिश की संभावना है। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान और यूपी में 3 जुलाई तक भारी बारिश होगी। इस दौरान 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी।

मौसम विभाग के मुताबिक मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार और सिक्किम में भी भारी बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 1 से 3 जुलाई के बीच बहुत भारी बारिश होगी। दक्षिणी

प्रायद्वीपीय भारत में तमिलनाडु, तटीय कर्नाटक, कर्नाटक, तेलंगाना और केरल में 3 जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। केरल में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और तेलंगाना में भी 40-60 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। पूर्वोत्तर भारत में भी अगले सात दिनों तक अधिकांश स्थानों पर हल्की बारिश होगी। इस दौरान गरज-चमक और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की स्थिति बनी रहेगी।

### न्यूक्लियर साइंटिस्ट पर गिरी जिनपिंग की गाज

**बीजिंग,** चीन में शुक्रवार को नेवी चीफ और एक टॉप न्यूक्लियर साइंटिस्ट को एनपीसी से निकाल बाहर कर दिया गया। हांगकांग की मीडिया के अनुसार, चीनी नौसेना के चीफ ऑफ स्टाफ वाइस एडमिरल ली हानजुन और देश के राष्ट्रीय परमाणु निगम के उप मुख्य अभियंता लियू शिपेंग को एनपीसी से निकाल दिया गया है।

खबर के मुताबिक, ली सेना के उन जनरल और रक्षा उद्योग के कुछ अधिकारियों में शामिल हैं, जिनके खिलाफ हाल में कार्रवाई की गई है। इसमें कहा गया है कि ली और लियू की एनपीसी सदस्यता समाप्त कर दी गई है। एनपीसी की स्थायी समिति ने शुक्रवार को अपने सत्र के समापन के दौरान शीर्ष जनरल मियाओ हुआ को केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के सदस्य के पद से हटाने के लिए भी मतदान किया। चीन में शी जिनपिंग के एक फरमान ने पूरे देश में खलबली मचा है।

# रथ यात्रा के दूसरे दिन अपनी मौसी के घर के लिए निकले भगवान जगन्नाथ

**पुरी,** भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा पुरी स्थित गुंडिचा मंदिर की ओर बढ़ रही है, जिसे भगवान की मौसी का घर माना जाता है। हर साल भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों को जगन्नाथ मंदिर से लगभग 2.15 किलोमीटर दूर गुंडिचा मंदिर तक खींचकर लाया जाता है। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा यहां एक हफ्ते के लिए ठहरेंगे। इसी तरह के जश्न के साथ भगवान वापस जगन्नाथ मंदिर के गर्भगृह लौटेंगे।

विश्व प्रसिद्ध धार्मिक नगरी पुरी में जगन्नाथ महोत्सव रथ यात्रा का दूसरा दिन है। ये रथ यात्रा अगले पड़ाव के लिए निकल चुकी है। शनिवार को भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के तीन रथों को खींचने का काम परंपरा के अनुसार आज सुबह 9:30 बजे फिर से शुरू हुआ। इस रथयात्रा का शुक्रवार शाम 4 बजे शुभारंभ हुआ था। पहले भगवान बलभद्र का रथ खींचा गया, फिर सुभद्रा और जगन्नाथ के रथ खींचे गए। भक्तों की भारी भीड़ रही और इस दौरान कुछ लोगों की तबीयत बिगड़ी। इस वजह से रथयात्रा को बीच में ही विश्राम दे दिया गया। अगले दिन यानी शनिवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा को आगे बढ़ाया जा रहा है। पूरा शहर भगवान जगन्नाथ की भक्ति में सराबोर है। रथ खींचने के दूसरे दिन का हिस्सा बनने के लिए हजारों लोग पुरी में पहले ही जमा हैं। कार्यक्रम के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं में उत्साह चरम पर है, और चारों ओर जय जगन्नाथ के उद्घोष गूंज रहे हैं। इस रथ यात्रा को सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था और भक्ति का महासागर माना जाता है। लाखों लोग हर साल इस दिन का बेसब्री से इंतजार करते हैं, जब भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इस बार पहले साल की तुलना में भक्तों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है।

### ये क्या हुआ ट्रंप देखते ही रह गए और रूस ने कर दिया खेला...

# यूक्रेन का सफेद सोना रुस ने अपने कब्जे में लिया

● **मॉस्को,**

यूक्रेन के खनिज पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से नजर लगाए हुए थे। इसके लिए वे पूरी प्लानिंग भी कर रहे थे, इसी बीच खबर आई कि यूक्रेन का सफेद सोना तो रुस ने अपने कब्जे में ले लिया है। इससे ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। डोनेट्स्क की धरती पर इन दिनों गोलियों की बारिश तो हो ही रही है, लेकिन मिट्टी में छिपे खजाने की जंग भी तेज हो गई है। रूस ने हाल ही में इस इलाके में मौजूद लिथियम की खदान पर कब्जा जमा लिया है। यह सब कुछ ऐसे वक्त में हुआ है जब अमेरिका और यूक्रेन में मिनरल्स की डील हो चुकी है और ट्रंप को उम्मीद है कि आने वाले भविष्य में यूक्रेन के मिनरल्स पर यूएस का कब्जा होगा।

दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने कुछ समय पहले ही यूक्रेन के साथ एक बड़ा समझौता

किया था, जिससे अमेरिका को इस देश के खनिज संसाधनों तक सीधी पहुंच मिलने वाली थी। लेकिन रूस ने जैसे ही इस खदान पर कब्जा किया, अमेरिका की ये योजना अधर में लटक गई है।

सिर्फ लिथियम पर ही नहीं, रूस की नजर अब यूक्रेन के पूर्वी हिस्से में स्थित एक और रणनीतिक शहर पोखरोव्स्क पर भी है। यूक्रेनी सेना के मुताबिक, रूस ने इस इलाके में 1.10 लाख सैनिक तैनात कर दिए हैं। यह शहर डोनबास क्षेत्र के बचे हुए हिस्से की सप्लाई लाइन का अहम हिस्सा है। लंबे समय से रूस यहां कब्दा करना चाहता है। यूक्रेन के सेनाध्यक्ष ओलेक्जेंडर सिर्स्की ने साफ कहा है कि रूस अब सीधे हमला करने के बजाय पोखरोव्स्क को चारों ओर से घेरने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले यूक्रेनी ड्रोन यूनिट्स ने रूसी हमलों को काफी हद तक रोका था, जिससे रूसी रणनीति को झटका लगा। हालांकि रूस अब बाइक और छोटी गाड़ियों में दो-दो सैनिकों की टीम बनाकर 'कम लागत' की रणनीति अपना रहा है, ताकि बिना बड़ा नुकसान उठाए वह शहर के बाहरी हिस्सों में अपनी मौजूदगी दर्ज करा सके।

### 100 एकड़ में है लिथियम भंडार

शेवचेंको गांव के पास मौजूद एक खदान, जिसका क्षेत्रफल सिर्फ 100 एकड़ है, उसमें दबा लिथियम भंडार यूक्रेन की भविष्य की ऊर्जा और टेक्नोलॉजी रणनीति की रीढ़ माना जा रहा था। यही वजह है कि रूस ने अपनी गर्मियों की सैन्य कार्रवाई के तहत इसे रणनीतिक रूप से कब्जा कर लिया। लिथियम वो धातु है जिसे भविष्य की ऊर्जा माना जाता है। दुनिया का हर देश इसे पाने की ख्वाहिश रखता है। बिजली से चलने वाले वाहनों से लेकर स्मार्टफोन तक, हर तकनीक की बैटरी में इसकी जरूरत है। अमेरिका ने तो इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी 'क्रिटिकल मटेरियल' की सूची में भी शामिल कर रखा है।

# भारत की अंडर 19 टीम ने होव में मैच जीत कर रचा इतिहास

## इंग्लैंड में चला वैभव का बल्ला, 175 रन का लक्ष्य 24 ओवर में किया हासिल

■ नईदिल्ली

भारत की अंडर 19 टीम ने इंग्लैंड की युवा टीम को हरा दिया है इंग्लैंड की हार उस मैदान पर हुई जहां इससे पहले टीम इंडिया को कभी जीत हासिल नहीं हुई। वैभव सूर्यवंशी की धुंआधार बल्लेबाजी के दम पर भारत ने 175 रन के लक्ष्य को 24 ओवर में हासिल कर लिया। होव के काउंटी क्रिकेट ग्राउंड पर भारत की ओर से सीनियर या जूनियर किसी भी स्तर पर यह पहली जीत है।

इससे पहले भारतीय टीम ने यहां एकमात्र मैच खेला था जिसमें उसे हार का सामना करना पड़ा था। यह मैच अजहरुद्दीन की कप्तानी में भारत ने 26 साल पहले इस मैदान पर खेला था जहां साउथ अफ्रीका ने भारत को हराया था। उसके बाद टीम इंडिया ने वहां कोई मैच नहीं खेला। 1999 वनडे विश्व कप के दौरान भारतीय टीम वहां मैच खेली थी जिसमें सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ जैसे धुरंधर खिलाड़ी थे। होव में खेले गए वर्ल्ड कप के उस मैच में साउथ अफ्रीका ने भारत को 4 विकेट से हराया था, लेकिन लंबे समय से चले इस वेन्यू पर हार के मिथक को भारत की अंडर 19 टीम ने तोड़ दिया।

वैभव ने इस मैच में शानदार पारी खेली। उन्होंने आईपीएल वाली फॉर्म को इंग्लैंड के साथ खेले पहले वनडे में भी बरकार रखी। भारत के गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। गेंदबाजी में कनिष्क चौहान ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए 20 रन देकर 3 विकेट झटके। वहीं मोहम्मद एनान, हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश ने दो दो विकेट लिए। इंग्लैंड की ओर से टी20 विश्व कप में युवराज सिंह को गला काटने की धमकी देने वाले एंड्रयू फ्लिंटॉफ के बेटे रॉकी फ्लिंटॉफ ने 56 रन बनाए, लेकिन रॉकी का अर्धशतक टीम के काम नहीं आया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 42.2 ओवर में 174 रन बनाए1 लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने सूर्यवंशी और म्हात्रे की बदौलत धमाकेदार शुरुआत की। दोनों ने शुरुआती 7 ओवर में बिना किसी नुकसान के 71 रन बना लिए लेकिन इनके आउट होने के बाद उप कप्तान अभिज्ञान कुंडू ने नाबाद 45 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। भारत ने यह मैच सिर्फ 24 ओवर में जीत लिया और पांच मैच की सीरीज में बढ़त बना ली। सीरीज का दूसरा वनडे 30 जून को खेला जाएगा। इस सीरीज से पहले भारत को इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ 50 ओवर का एक प्रैक्टिस मैच खेलने का मौका मिला। इंडिया अंडर 19 टीम ने इस मैच में मेजबानों को 231 रन से हरा दिया था। भारतीय टीम ने अपनी पारी में 26 छक्के लगाए थे। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 444 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की अंडर 19 टीम 211 रन पर सिमट गई। 5 मैचों की सीरीज का दूसरा वनडे मैच 30 जून को नॉर्थैम्पटन में खेला जाएगा। तीसरा वनडे मैच 2 जुलाई नॉर्थैम्पटन में, चौथा 5 जुलाई वॉर्सेस्टर और सीरीज का पांचवां और आखिरी वनडे 7 जुलाई को वार्सेस्टर में खेला जाएगा। 12-जुलाई को पहला मल्टी डे मैच खेला जाएगा वहीं 20 जुलाई से दूसरा मल्टी डे मैच केम्सफोर्ड में खेला जाएगा।

## श्रीलंका से करारी हार के बाद बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो का इस्तीफा

**कोलंबो** कोलंबो में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में बांग्लादेश को श्रीलंका के हाथों पारी और 78 रनों से करारी हार झेलनी पड़ी, जिससे टीम को दोहरा झटका लगा। एक तो उसने यह सीरीज 0-1 से गंवा दी, दूसरा बड़ा झटका कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो के इस्तीफे के रूप में सामने आया। मैच खत्म होते ही शान्तो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में टेस्ट कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया, जिससे बांग्लादेश क्रिकेट जगत में हलचल मच गई। गौर करने वाली बात यह है कि सीरीज के पहले टेस्ट में शान्तो ने दोनों पारियों में शतक लगाकर इतिहास रचा था और वह ऐसा करने वाले बांग्लादेश के पहले कप्तान बने थे। अचानक उनके इस फैसले ने फैन्स और टीम मैनेजमेंट को हैरानी में डाल दिया है। हालांकि शान्तो ने अपने फैसले की वजह भी साफ शब्दों में बताई। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में शान्तों ने कहा कि वह अब टेस्ट टीम की कप्तानी जारी नहीं रखना चाहते क्योंकि यह फैसला उन्होंने टीम के हित में लिया है। उन्होंने कहा, ÷मैं अब टेस्ट प्रारूप में कप्तान के तौर पर काम नहीं करना चाहता। यह व्यक्तिगत नहीं है। मुझे लगता है कि इससे टीम को मदद मिलेगी।÷ उन्होंने तीनों प्रारूपों में अलग-अलग कप्तान रखने को लेकर भी चिंता जताई और कहा, मुझे लगता है कि तीन कप्तान होना समझदारी नहीं है।

## हर गेंद पर चौका-छक्का नहीं जरूरी : शेफाली वर्मा, सचिन से प्रेरित होकर मजबूत लौटीं

■ नईदिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम में वापसी कर रहीं 21 वर्षीय शेफाली वर्मा ने स्वीकार किया है कि टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने अपनी बल्लेबाजी के नजरिए में बड़ा बदलाव किया। खराब फॉर्म के चलते बाहर होने के बाद शेफाली ने टेस्ट क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर की पारियां देख-देखकर यह समझा कि हर गेंद को उसकी मेरिट पर खेलना कितना जरूरी है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच से पहले बीसीसीआई के एक वीडियो में शेफाली ने कहा, पहले मैं हर गेंद पर चौका या छक्का मारने के बारे में सोचती थी लेकिन फिर मुझे समझ में आया कि अच्छी गेंद का सम्मान करना जरूरी है। मैंने सचिन सर की टेस्ट पारियां देखीं और उनसे काफी प्रेरणा मिली।

शेफाली ने बताया कि सचिन को देखते हुए उन्हें अपने बचपन के दिन याद आ गए। उस समय मैं उनका एक भी मैच मिस नहीं करती थी। इस बार मैंने उनके हर मैच को फिर से देखा और सीखा कि अच्छी गेंद को सम्मान देना ही लंबी और अच्छी पारी खेलने की कुंजी है। शेफाली का यह आत्मचिंतन उनके खेल में भी दिखा। घरेलू क्रिकेट और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में शानदार प्रदर्शन कर उन्होंने राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह वापस पक्की की।

हालांकि, यह सफर आसान नहीं रहा। शेफाली ने खुलासा किया कि पिछले साल टीम चयन से ठीक दस दिन पहले उनके पिता को दिल का दौरा पड़ा था, जिसने उनके लिए हालात और मुश्किल कर दिए। जब भी आप टीम में वापसी करते हैं तो हालात मुश्किल होते ही हैं, लेकिन टीम के माहौल में लौटकर अच्छा लगता है।

मुझे खुशी है कि मैं फिर से टीम का हिस्सा बनी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के चयन से दस दिन पहले पापा को दिल का दौरा पड़ा था। उस समय मैं बेहद परेशान थी और मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि हो क्या रहा है।

शेफाली ने बताया कि बाहर रहने के दौरान उन्होंने अपनी फिटनेस पर भी काफी ध्यान दिया। ÷मैंने फिटनेस पर कड़ी मेहनत की। करीब 20-25 दिन बाद जब बल्ला हाथ में लिया तो बेहद अच्छा लगा और मुझे अलग ही ऊर्जा मिली। समय बहुत कुछ सिखा देता है। अब मेरा ध्यान सिर्फ अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर रहेगा, बाकी किस्मत पर छोड़ दूंगी।÷ शेफाली की ईमानदार स्वीकारोक्ति बताती है कि वह सिर्फ प्रतिभा ही नहीं बल्कि लगातार सीखने और खुद को बेहतर करने की चाहत भी रखती हैं, जो किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ी ताकत होती है।

## रोमन रेंस की संभावित वापसी से डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई में हलचल

■ नईदिल्ली

डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई के प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर है कि रोमन रेंस, जो अप्रैल में रेसलमेनिया 41 के बाद से रिंग में नजर नहीं आए हैं, जल्द वापसी कर सकते हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वह अगस्त में होने वाले समरस्लैम में वापसी करेंगे। उनकी वापसी को लेकर कई कहानियां और रणनीतियां बन रही हैं। माना जा रहा है कि रेंस, पूर्व यूनाइटेड स्टेट्स चैंपियन के साथ मिलकर सैथ रॉलिंस के ग्रुप के सदस्यों ब्रॉन ब्रेकर और ब्रॉन्सन रीड को मात दे सकते हैं। एलए नाइट की भी खबर इसमें जुड़ती दिख रही है। स्मैकडाउन के एक एपिसोड में ब्रॉन ब्रेकर और ब्रॉन्सन रीड ने एलए नाइट पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इसके बाद यह साफ हुआ कि एलए नाइट को इन विरोधियों से निपटने के लिए किसी मजबूत साथी की जरूरत है और इस भूमिका में रोमन रेंस आ सकते हैं।

रोमन रेंस और सैथ रॉलिंस के बीच पुरानी दुश्मनी भी इस संभावित बात में अहम भूमिका निभा सकती है। दोनों रेसलमेनिया 41 में ट्रिपल थ्रेट मैच में आमने-सामने आए थे, जिसमें सीएम पंक भी शामिल थे।

## जायसवाल की नजरें सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ने पर

**नई दिल्ली** भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाना हैं, जहां टीम इंडिया की नजरें सीरीज में वापसी पर होंगी।

इस मुकाबले में खासतौर पर सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर सबकी निगाहें होंगी, जो भारतीय टेस्ट क्रिकेट में सुनील गावस्कर का करीब 50 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने के बेहद करीब हैं। इंग्लैंड दौरे की शुरुआत जायसवाल के लिए शानदार रही। उन्होंने पहले टेस्ट में शतक जमाकर टीम को मजबूत शुरुआत दी थी। हालांकि शुभमन गिल, केएल राहुल और ऋषभ पंत के शतक के बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में दूसरे टेस्ट में भारत के बल्लेबाजों से एक बार फिर बड़े स्कोर की उम्मीद होगी। यशस्वी जायसवाल के अब तक के टेस्ट करियर पर नजर डालें तो उन्होंने 20 मैचों में 52.86 की औसत से 1903 रन बनाए हैं। वह 2000 रन के मील के पत्थर से सिर्फ 97 रन दूर हैं। अगर वह एजबेस्टन टेस्ट में यह 97 रन बना लेते हैं तो वह सबसे कम मैचों में 2000 टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बन जाएंगे। अभी यह रिकॉर्ड दिग्गज सुनील गावस्कर के नाम है, जिन्होंने 23 टेस्ट में 2000 रन पूरे किए थे। अगर यशस्वी एजबेस्टन में इस उपलब्धि से चूकते हैं तो उनके पास अगले मैच में भी गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका रहेगा। सबसे तेज 2000 टेस्ट रन बनाने वाले अन्य भारतीयों में राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग भी शामिल हैं, जिन्होंने 25-25 टेस्ट में यह कारनामा किया था। हालांकि, पारियों के लिहाज से देखें तो राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग ने 40-40 पारियों में 2000 रन पूरे किए थे, जबकि गावस्कर को 44 पारियां लगी थीं। यशस्वी जायसवाल ने अब तक 38 पारियां खेली हैं और अगर वह दूसरे टेस्ट की पहली पारी में ही 97 रन बना लेते हैं तो वह सबसे कम पारियों में 2000 टेस्ट रन पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन जाएंगे। ऐसे में एजबेस्टन टेस्ट जायसवाल के लिए व्यक्तिगत और भारतीय क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक में नया इतिहास रचने का बड़ा मौका साबित हो सकता है, साथ ही टीम इंडिया को भी उनकी बड़ी पारी से सीरीज में वापसी की मजबूत उम्मीद होगी।

## स्पिनर एडम ने सरे के साथ किया अनुबंध

■ सरे

ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जम्पा ने चार टी20 ब्लास्ट मैच खेलने के लिए सरे के साथ अनुबंध किया है। एडम अगले महीने 6 जुलाई को द ओवल में एसेक्स के खिलाफ सरे के डबल-हेडर मैच से पहले पहुंचेंगे। लेग स्पिनर जम्पा ने अपने करियर में 350 से अधिक टी20 विकेट लिए हैं जिसने उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग, बिग बैश और द हंड्रेड सहित दुनिया भर की सभी सबसे बड़ी फ्रैंचाइजी लीगों में ले जाया है, जहां उन्होंने 2023 और 2024 में ओवल इनविंसिबल्स को लगातार खिताब दिलाने में मदद की। सैम कुरेन की सरे प्रतियोगिता में शानदार फॉर्म में है, उसने केंट के खिलाफ आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत हासिल की, जिसमें क्रिस जॉर्डन ने अंतिम गेंद पर चौका लगाकर जीत सुनिश्चित की। इसके बाद ससेक्स और मिडलसेक्स के खिलाफ घरेलू मैदान पर व्यापक जीत हासिल की।

जम्पा का पहला मैच 6 जुलाई को एसेक्स के खिलाफ डबल-हेडर होगा, इसके बाद ग्लॉस्टरशायर से भिड़ने के लिए ब्रिस्टल की यात्रा होगी। वह 11 जुलाई को ओवल में सरे के ग्लैमरगन से भिड़ने से पहले लाइट्स के नीचे फिर से एक्शन में होंगे, उसके बाद 13 जुलाई को ग्रुप लीडर समरसेट के खिलाफ एक और डबल-हेडर में थ्री फेदर्स में अपने शुरुआती स्पेल को समाप्त करेंगे। यदि सरे प्रतियोगिता के नॉकआउट चरणों में पहुंचता है, तो जम्पा क्वार्टर फाइनल और फाइनल डे के लिए उपलब्ध होंगे। सरे में हाई-परफॉरमेंस क्रिकेट सलाहकार एलेक स्टीवर्ट ने कहा, एडम जम्पा विश्व क्रिकेट में सबसे बेहतरीन टी20 स्पिनरों में से एक हैं और मैं विटैलिटी ब्लास्ट के लिए सरे में उनका स्वागत करने के लिए उत्साहित हूं। वह मैदान पर अनुभव और तकनीकी कौशल का खजाना लेकर आते हैं और मैदान के बाहर शानदार चरित्र रखते हैं।

## प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी ट्रेविस हेड

■ नईदिल्ली

बारबाडोस में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। मैच में तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा और दोनों टीमों की पहली पारियां 200 रन से कम पर सिमट गईं। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 180 रन बनाए, जिसमें वेस्टइंडीज के जेडन सील्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट चटकाए।

हालांकि वेस्टइंडीज की टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी और 190 रन पर ऑलआउट होकर सिर्फ 10 रन की मामूली बढ़त हासिल कर पाई। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने शानदार वापसी करते हुए 310 रन बनाए। इसमें ट्रेविस हेड, वेबस्टर और एलेक्स कैरी की अर्धशतकीय पारियां अहम रहीं। इस पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को जीत के लिए 301 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम लड़खड़ा गई और सिर्फ 141 रन पर ढेर हो गई। इस जीत में ट्रेविस हेड का योगदान निर्णायक रहा। उन्होंने दोनों पारियों में अर्धशतक लगाए और अपनी पारी से मैच का रुख बदल दिया। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके साथ ही उन्होंने एक बड़ी उपलब्धि भी हासिल की। ट्रेविस हेड विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 10 मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है और वह ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में चौथे स्थान पर हैं। उनसे आगे स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन और उस्मान ख्वाजा हैं। हेड ने अब तक 50 टेस्ट में 3199 रन बनाए हैं, जिसमें आठ शतक और 15 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 401 चौके लगाकर इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा चौके लगाने के मामले में जो रूट, स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन के बाद चौथा स्थान हासिल कर लिया है। जो रूट ने 119 पारियों में 576 चौके, स्मिथ ने 476 और लाबुशेन ने 443 चौके लगाए हैं।

## दूसरे टेस्ट में दो बदलावों के साथ उतर सकती है भारतीय टीम

■ लंदन

भारतीय टीम 2 जुलाई से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में दो बदलावों के साथ उतर सकती है। पहले टेस्ट में पांच शतक लगाने के बावजूद टीम इंडिया को कमजोर गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के कारण हार का सामना करना पड़ा था। सीरीज का दूसरा मैच एजबेस्टरन मैदान पर खेला जाना है। इस मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही आराम दिया जा सकता है। वहीं पहले टेस्ट में प्रभावी नहीं रहे ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को बाहर किया जा सकता है। शार्दुल को पहले मैच में अधिक गेंदबाजी नहीं मिली थी। शार्दुल को इस मैच में केवल 16 ओवर ही गेंदबाजी मिली थी।

इसके अलावा शार्दुल ठाकुर बल्लेबाजी में भी असफल रहे थे। पहली पारी में वह एक जबकि दूसरी पारी में 4 रन ही बना पाये थे। शार्दुल पर निचले क्रम पर रन बनाने की जिम्मेदारी थी जिसे वह नहीं निभा पाये। इसी कारण भारत ने पहली पारी में अंतिम 7 विकेट 41 रन के अंदर तो दूसरी पारी में 6 विकेट 31 रनों में ही खो दिये। वहीं बुमराह की जगह दूसरे टेस्ट में आकाशदीप या अर्शदीप सिंह को अंतिम ग्याहर में जगह मिल सकती है। युवा आकाश दीप ने अब तक भारतीय टीम की ओर से सात टेस्ट मैच में अच्छी गेंदबाजी की है।

## ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गर्लफ्रेंड को होटल रूम में ले जाने से मचा था हंगामा

■ नईदिल्ली

टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन अपने बेफिक्र और मस्तमौला अंदाज के लिए जाने जाते हैं। चाहे क्रिकेट का मैदान हो या निजी जिंदगी का, धवन हमेशा खुलकर जीने में यकीन रखते हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी आत्मकथा में अपने करियर के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प और काफी निजी किस्सा साझा किया है, जिसने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। धवन ने खुलासा किया कि 2006 में भारत ए टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड को चुपके से होटल के कमरे में ले गए थे, जो वह अपने साथी खिलाड़ी रोहित शर्मा के साथ शेयर कर रहे थे।

धवन ने अपनी इस किताब में लिखा कि उस लड़की से मिलते ही वह प्यार में पड़ गए थे। उन्होंने बताया, ÷वह बहुत खूबसूरत थी और अचानक मुझे फिर से प्यार हो गया। मैंने सोचा कि यही लड़की मेरे लिए सही है और मैं इससे शादी करूंगा।÷ दौरे की शुरुआत में धवन का प्रदर्शन अच्छा रहा। अभ्यास मैच में उन्होंने अर्धशतक लगाया और सब ठीक चल रहा था। लेकिन धीरे-धीरे वह अपनी गर्लफ्रेंड, जिसे उन्होंने किताब में 'एलेन' नाम दिया है, के साथ ज्यादा समय बिताने लगे। इससे उनका ध्यान भटक गया।

उन्होंने आगे लिखा कि हर मैच के बाद वह एलेन से मिलने चले जाते और जल्द ही उन्होंने उसे होटल के कमरे में बुलाना शुरू कर दिया। यह कमरा वह रोहित शर्मा के साथ शेयर कर रहे थे। धवन ने लिखा, ÷कभी-कभी रोहित मुझसे हिंदी में शिकायत करता था ङ्क क्या तुम मुझे सोने दोगे?÷ धवन ने यह भी माना कि यह सब धीरे-धीरे पूरी टीम में चर्चा का विषय बन गया। एक सीनियर चयनकर्ता ने उन्हें और एलेन को होटल की लॉबी में हाथ पकड़े चलते हुए देख लिया।

## डब्ल्यूटीसी तालिका में ऑस्ट्रेलिया ने खोला खाता

**नई दिल्ली** पैट कमिंस की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 159 रन से जीत दर्ज की और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के चौथे चक्र की अंक तालिका में अपना खाता खोल लिया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया उन टीमों में शामिल हो गया जिन्होंने इस साइकिल में अपने पहले अंक हासिल कर लिए हैं। इससे पहले बांग्लादेश, श्रीलंका और इंग्लैंड ने तालिका में खाता खोला था। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था, जबकि इंग्लैंड ने भारत को हराकर अंक अर्जित किए थे। ऑस्ट्रेलिया की इस जीत ने डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में तस्वीर बदल दी है। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल पहले स्थान पर पहुंच गया है जबकि इंग्लैंड दूसरे स्थान पर खिसक गया है। दोनों टीमों के खाते में अभी 100 प्रतिशत पॉइंट्स हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की जीत के बाद उनके नेट प्रतिशत और अंक तालिका की स्थिति मजबूत हुई है। बारबाडोस में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने मेजबान टीम पर पूरी तरह दबदबा बनाया।

## पैट कमिंस ने फिर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया

■ बारबाडोस

यहां ब्रिजटाउन स्थित केंसिंग्टन ओवल में वेस्टइंडीज के खिलाफ फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन पैट कमिंस ने कमाल कर दिया। अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर कमिंस ने एक बार फिर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया।

उन्होंने एक 62 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे लंबे समय से कायम था। पैट कमिंस ने केसी कार्टी को तीसरे दिन के पांचवें सत्र में आउट करके यह रिकॉर्ड बनाया और फिर चौथे दिन के दूसरे सत्र में रोस्टन चेज को आउट करके इसे और आगे बढ़ाया। वेस्टइंडीज के कप्तान चेज 44 रनों की मजबूत पारी खेलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाने की कोशिश कर रहे थे, तभी कमिंस ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। केसी कार्टी को आउट करते ही पैट कमिंस ने एक ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के रूप में टेस्ट विकेटों की संख्या में रिची बेनो के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इसके बाद रोस्टन चेज को आउट करके उन्होंने बेनो को पीछे छोड़ दिया और कप्तान के रूप में टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सर्वकालिक सूची में दूसरे स्थान पर आ गए। इस प्रतिष्ठित सूची में कमिंस अब महान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इमरान खान के बाद दूसरे स्थान पर हैं। तुलनात्मक रूप से रिची बेनो ने ऑस्ट्रेलिया का 35 टेस्ट में नेतृत्व किया और इमरान खान ने कप्तान के रूप में 48 लाल गेंद के टेस्ट खेले।

टेस्ट कप्तान के रूप में पैट कमिंस ने ऑस्ट्रेलिया को शानदार जीत दिलाई है, जहां उन्होंने 2023 में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का खिताब जीता और 2025 में फिर से फाइनलिस्ट के रूप में क्वालीफाई किया। बता दें कि कमिंस संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा पांच विकेट लेने वाले टेस्ट कप्तान भी हैं, जिनके नाम 9 पांच-विकेट हॉल हैं - इमरान खान के मौजूदा रिकॉर्ड 10 से एक कम। हालांकि, स्पिन गेंदबाज के रूप में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में रिची बेनो शीर्ष पर बने हुए हैं।

## मुख्यमंत्री साय से निरंजन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशनंद गिरीजी महाराज ने की सौजन्य भेंट

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज निरंजन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशनंद गिरी जी महाराज ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने निरंजन पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशनंद गिरि जी महाराज के साथ विभिन्न आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, केंद्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती सावित्री ठाकुर, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री रामसेवक पैंकरा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत सहित अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

### न्यूज गैलरी

## बूढ़ातालाब में मिला नवजात शिशु का शव

**रायपुर।** पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में स्थित बूढ़ा तालाब में रविवार की सुबह एक नवजात शिशु की तैरती हुई लाश मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। तालाब के पास रहने वाले स्थानीय लोगों ने पानी में नवजात को तैरते हुए देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में लाश अपने आप किनारे आ गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई की। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। यह आशंका जताई जा रही है कि किसी ने नवजात को जन्म के बाद तालाब में फेंक दिया होगा। फिलहाल पुलिस आसपास लगे के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आसपास के अस्पतालों से भी जानकारी जुटाई जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि बच्चा किसका था और उसे तालाब में किसने फेंका।

## ग्राम पंचायतों का तुगलकी फरमान : आवास नही बनाया तो नहीं मिलेगा राशन

**कोरिया सोनहत।** छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में बरसात को देखते हुए जून में ही तीन महीने का राशन (जून, जुलाई, अगस्त) एक साथ देने का निर्णय लिया है वही राशन मिलना भी चालू हो गया है . एपीएल और बीपीएल दोनों श्रेणियों के हितग्राहियों को निशुल्क चावल वितरित किया जाएगा. राज्य शासन के निर्देश पर जिले में भंडारण और वितरण की विशेष तैयारियां सुनिश्चित की हैं। तो वही इस आदेश को ठेंगा दिखाते हुए कोरिया जिले की कुछ ग्राम पंचायतों के सरपंच सचिवों ने आदेश के ठीक विपरीत तुगलकी फरमान जारी कर दिया है यह फरमान प्रधान मंत्री आवास योजना के ऐसे हितग्राहियों के लिए जारी की किया गया है जिन्हें राशि जारी हुई है लेकिन उसके अनुसार उनका निर्माण पूर्ण नही हुआ है, या जिन्होंने राशि लेकर कार्य प्रारंभ नही किया है। दरअसल सोनहत विकास खण्ड में पँचायत के सरपंच सचिवों द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाते हुए तुगलकी फरमान जारी कर दिया गया है इस सम्बंध में मिली जानकारी अनुसार सोनहत की शासकीय उचित मूल्य की दुकान में प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों को राशन न देने का फरमान जारी किया गया है जारी फरमान में कहा गया है कि की आपके खाते में आवास की राशि जमा कर दी गई है और आपके द्वारा आवास नहीं बनाया जा रहा है इसलिए आपको शासकीय उचित मूल्य की दुकान में अब राशन नहीं मिलेगा तथा बाकायदा सरपंच सचिव के द्वारा पत्र और सूची जारी कर दुकान के डीलर को आदेशित किया गया है

**पंच संघ ने जताया विरोध कहा वापस ले फरमान अन्यथा होगा विरोध** - इस प्रकार के तुगलकी फरमान संज्ञान में आने पर पंच संघ के अध्यक्ष प्रेमसागर तिवारी ने विरोध जताया है । पंच संघ अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास का संबंध राशन से बिल्कुल भी नहीं है गरीब परिवारों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत राशन दिया जाता है इस समय खेती किसानी का समय है गरीब परिवारों का इस बरसात के समय में राशन रोकना उचित नहीं है अभी किसी प्रकार का कोई रोजगार मूलक कार्य भी नहीं चल रहे जिससे कि वहाँ कार्य कर खाद्यान्न की व्यवस्था गरीब परिवार कर सके। पंच संघ अध्यक्ष ने जिला प्रशासन से मांग किया है इस प्रकार का जारी तुगलकी फरमान वापस हो । प्रधान मंत्री आवास बरसात के समय में बनाने का दबाव उचित नहीं है तथा ग्रामीणों को शासन की नियमानुसार तत्काल राशन वितरण करने आदेश जारी किया जाए ताकि गरीब ग्रामीण परिवारों को खाने की समस्या उत्पन्न न हो। तुगलकी फरमान वापस नही होने की स्थिति में ब्लॉक स्तर पर बड़ा धरना प्रदर्शन एवं आंदोलन किया जाएगा। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, २०१३ भारत सरकार द्वारा २०१३ में लागू किया गया एक कानून है जिसका उद्देश्य देश की लगभग दो-तिहाई आबादी को सब्सिडी वाला खाद्यान्न उपलब्ध कराना है. इसका मुख्य उद्देश्य है कि लोगों को सस्ती दरों पर पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना ताकि उन्हें खाद्य और पोषण सुरक्षा मिल सके और वे सम्मान के साथ जीवन जी सकें. पात्र व्यक्ति चावल, और मोटे अनाज क्रमशः २ और १ रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दरों पर ५ किलोग्राम खाद्यान्न प्रति व्यक्ति प्रति माह प्राप्त करने के हकदार है अधिनियम में गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और १४ वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए पोषण संबंधी सहायता का भी प्रावधान है. लेकिन सोनहत विकासखण्ड की ग्राम पंचायतों ने इस अधिनियम किं धज्जियाँ उड़ा दी है, सम्भवना भी जताई जा रही है कि फिलहाल ये प्रदेश का पहला मामला है जहां लोगो का राशन बन्द करने का फरमान जारी किया गया हो।

## प्रधानमंत्री मोदी के विचारों ने बढ़ाया उत्साह, छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव की अपील - मुख्यमंत्री

00 मुख्यमंत्री ने सुनी 'मन की बात' की 123वीं कड़ी

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को सुना और इसे प्रेरणादायी बताया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचारों, जन-भागीदारी और सकारात्मक प्रयासों की चर्चा करते हैं, जिससे राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित लोगों को पहचान और सम्मान मिलता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विचारों से प्रेरणा लेकर छत्तीसगढ़ में जनभागीदारी के साथ स्वास्थ्य और प्रकृति की रक्षा के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज के 'मन की बातइ कार्यक्रम में भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उपयोगी जानकारियां साझा की। प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में चल रहे नवाचारों के बारे में बताया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जीवन में छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव का आधार बनते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी का यह दृष्टिकोण हम सभी को प्रेरित करता है और यदि हम नियमित रूप से छोटे लेकिन सार्थक कदम उठाएं, तो समाज और देश में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री देश की छोटी-छोटी से लेकर बड़ी उपलब्धियों पर भी अपनी बात साझा करते हैं और उसकी सराहना करते हैं। श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने योग दिवस की भव्यता, पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी, महिला सशक्तिकरण, भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की उपलब्धि, 1975 के आपातकाल और भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की वियतनाम यात्रा और भारत के ट्रेकोमा मुक्त होने जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत हम सभी का संकल्प है और राष्ट्र को आगे ले जाने के लिए छत्तीसगढ़ हर मोर्चे पर दृढ़ संकल्प के साथ खड़ा है।

इस अवसर पर निरंजन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशनंद गिरी जी महाराज, केंद्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती सावित्री ठाकुर, कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक श्री राजेश मूणत, विधायक श्री अनुज शर्मा, विधायक श्री राजेश अग्रवाल, विधायक श्री संपत अग्रवाल, विधायक श्री प्रबोध मिंज, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, सीजीएमएससी के चेयरमैन श्री दीपक म्हस्के, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री अमरजीत छाबड़ा, वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री रामसेवक पैंकरा, छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

## जीवन रक्षक डॉक्टर समाज के सच्चे नायक हैं - डेका

### 00 चिकित्सकों के सम्मान समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

**रायपुर।** जीवन रक्षक डॉक्टर समाज के सच्चे नायक हैं जो दिन-रात निः स्वार्थ भाव से लोगों की सेवा कर उनकी जान बचाते हैं। उनकी मेहनत, उनका ज्ञान और सेवा भावना समाज को स्वस्थ्य बनाती है। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज धन्वंतरी सम्मान कार्यक्रम में उक्त बाते कही।

श्री डेका आईबीसी 24 न्यूज चौनल द्वारा आयोजित धन्वंतरी सम्मान समारोह में कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में राज्य भर के उत्कृष्ट अस्पतालों, चिकित्सकों, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री डेका ने कहा कि भगवान धन्वंतरी के नाम पर रखा गया यह सम्मान डॉक्टरों को समर्पित है जो दिन-रात बिना थके, बिना रूके इंसान की सेवा में लगे रहते हैं। शहर हो या गांव, सामान्य सर्दी-खांसी हो या कोई बड़ी बीमारी डॉक्टर हर इलाज के लिए तत्पर रहते हैं।

श्री डेका ने कहा कि चिकित्सा सबसे श्रेष्ठ व्यवसाय है। भारत एक विशाल देश जहां 140 करोड़ से अधिक लोग रहते है। उनको स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करने के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा को व्यवसाय न बनाया जाए इसमे मानवीय संवेदना की जरूरत है। चिकित्सकों का दायित्व बहुत बड़ा है, उनसे बहुत अपेक्षाएं है, धैर्य के साथ सेवा को प्राथमिकता दें। श्री डेका ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री की स्वच्छ भारत अभियान की परिकल्पना के तहत 'प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत योजना' शुरू की गई है जिसका लक्ष्य भारत को टी.बी. जैसे रोग से सदा के लिए मुक्ति दिलाना है। इसमें आप सब अपनी ओर से महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि टी.बी. के साथ-साथ ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जनमानस में जागरूकता की कमी है। विशेष कर गांवों में इन बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। उन्होंने चिकित्सकों से आव्हान किया कि ब्रेस्ट कैंसर और टी.बी. उन्मूलन के लिए कार्य करें, टी.बी. मरीजों को गोद लें। श्री डेका ने बताया कि वे स्वयं प्रदेश के हर जिले में 10-10 टी.बी मरीजों के निःक्षय मित्र बने हैं और उन्हें पौष्टिक आहार उपलब्ध करने के लिए हर माह 500-500 सौ रूपए की राशि दे रहें हैं। उन्होंने राज्य के तीन गांवों को गोद लिया है जहां टी.बी. उन्मूलन विशेष प्राथमिकता में शामिल हैं। श्री डेका कहा कि ब्रेस्ट कैंसर की रोकथाम हेतु गांवों का चयन कर सर्वे कराया जाएगा और महिलाओं को इस रोग के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। उन्होंने चिकित्सकों को भी इस क्षेत्र में कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

श्री डेका ने सम्मान प्राप्त करने वाले सभी चिकित्सकों को बधाई दी और कहा कि यह समारोह स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक अनुरणीय प्रयास है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, चैनल के सभी वरिष्ठ अधिकारी, संवाददाता सहित विभिन्न अस्पतालों के संचालक, चिकित्सक एवं उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

## राज्यपाल डेका से स्वास्थ एवं परिवार कल्याण मंत्री जायसवाल ने की भेंट

**रायपुर।** राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सौजन्य भेंट की।

## बैकुंठपुर सांस्कृतिक भवन में जनता ने सुनी मन की बात

**कोरिया बैकुंठपुर।** रविवार को कोरिया मुख्यालय स्थित सांस्कृतिक भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का प्रसारण बड़े उत्साह के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में आम नागरिक, जनप्रतिनिधि और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह मन की बात का १२३वाँ संस्करण था और सुबह ११बजे से इसका प्रसारण शुरू हुआ । भाजपा जिला संगठन के आह्वान पर कोरिया जिले के सभी मंडलों में "मन की बात " सुनने के लिए भाजपा कार्यकर्ता एवं आम नागरिकगण उपस्थित हुए । उसी तारतम्य में बैकुंठपुर मंडल में भी उक्त कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान सभी ने प्रधानमंत्री के विचारों को गंभीरता से सुना और उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर स्थानीय नेताओं ने 'मन की बात' को राष्ट्र निर्माण में प्रेरक बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम समाज को जोड़ने और जागरूक करने का सशक्त माध्यम बन चुका है । प्रधानमंत्री ने जहां एक ओर विभिन्न समूहों द्वारा सामाजिक उत्थान के लिए चलाए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया वहीं दूसरी ओर पर्यावरण सुधार के लिए किए जा रहे व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्यों की प्रशंसा की । उन्होंने बताया कि किस प्रकार " एक पेढ़ मां के नाम "कार्यक्रम पूरे देश में मिशन का रूप ले चुका है ।आज के कार्यक्रम में विशेष रूप से युवाओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही. जिससे यह स्पष्ट हुआ कि 'मन की बात' आज की पीढ़ी के लिए भी मार्गदर्शक बन रही है। बैकुंठपुर में उक्त कार्यक्रम के पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने कम से कम एक पेड़ लगाने एवं उसके संरक्षण करने की शपथ ली ।नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नविता शिवहरे की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेश शिवहरे जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, अनिल शर्मा, जिला मंत्री शारदा प्रसाद गुप्ता,सुरेंद्र चक्रधारी, ब्रिजेन्द्र जायसवाल, गीता नेमा , ममता गोयन, अनुराग दुबे, छोटू सिंह, विशाल गुप्ता, मनोज सोनी, घनश्याम साहू, प्रवीण गुप्ता, रमाकांत शुक्ला, शाहिद अशरफी, मंजय तिवारी, बबलू सिंह, दिनेश जायसवाल, अभय दुबे, अर्चना गुप्ता, लक्ष्मी सिंह, मनीषा जायसवाल, गंगा गुप्ता, मुकेश सोनी, बबलू महाजन, हीरालाल, माया सोनवानी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

## वित्त सेवा के अधिकारी पारदर्शी, जवाबदेह एवं निष्ठापूर्वक कार्यो का निर्वहन करें -वित्त मंत्री चौधरी

**रायपुर।** वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने राज्य वित्त सेवा अधिकारी संघ के वार्षिक आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य के वित्तीय प्रबंधन एवं वित्तीय अनुशासन को मजबूत बनाने में वित्त सेवा अधिकारियों की अहम भूमिका है। उन्होंने अधिकारियों से अपने दायित्वों को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने संघ द्वारा उठाई गई मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन भी दिया। आमसभा की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष, लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त प्रमुख सचिव श्री आर. एस. विश्वकर्मा ने की।

छत्तीसगढ़ राज्य वित्त सेवा अधिकारी संघ द्वारा राजधानी रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस के कन्वेंशन हॉल में वार्षिक आमसभा एवं स्नेह सम्मेलन का आयोजन हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सेवानिवृत्त अधिकारियों के सम्मान समारोह से हुआ। मंच पर उपस्थित अतिथियों और वरिष्ठ अधिकारियों का शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इसके उपरांत वित्त मंत्री श्री चौधरी ने सुनिधि स्मारिका के द्वितीय संस्करण का विमोचन करते हुए संघ की नव निर्मित वेबसाइट का विधिवत उद्घाटन किया।

संघ के अध्यक्ष डॉ. अल्पना घोष ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए आमसभा की कार्यवाही का संचालन किया तथा विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्ताव सदन के समक्ष रखे, जिन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया। कोषाध्यक्ष श्री अनिल पाठक ने संघ के आय-व्यय का विस्तृत विवरण सभा को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में सेवानिवृत्त वित्त अधिकारियों ने अपने दीर्घ अनुभव साझा करते हुए प्रेरक व्याख्यान दिए। वहीं उपस्थित सदस्यों द्वारा प्रस्तुत विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने वातावरण को उत्साह एवं उमंग से भर दिया। इस अवसर पर वित्त विभाग की विशेष सचिव श्रीमती शीतल शाश्वत वर्मा, विशेष सचिव श्री चंदन कुमार तथा कोष एवं लेखा संचालक श्री रितेश अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का विधिवत समापन संघ के सचिव श्री सचिन शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

## जल संरक्षण में कोरिया का मॉडल बना, 5 परसेंट मॉडल

### जनभागीदारी से लगातार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण जारी, मोर गांव मोर पानी महाअभियान से जुड़कर नए मानक बनाता आवा पानी झोंकी अभियान

**कोरिया बैकुंठपुर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए कैच द रेन कार्यक्रम अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ में वर्षा जल को पूर्णतः संरक्षित कर भूमिगत जल संसाधन बनाने का कार्य शुरू हो चुका है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा मोर गांव मोर पानी महाअभियान आरंभ किया गया है। इस अभियान में शामिल होकर कोरिया जिले के ग्रामीण एक नई पहल के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यहां जिला प्रशासन कोरिया द्वारा आवा पानी झोंकी अभियान चलाकर जनजागरुकता को बढ़ाया गया है और इसके परिणाम स्वरूप अब पूरे जिले में जनभागीदारी के माध्यम से किसानों द्वारा अपने खेतों में पांच परसेंट मॉडल अपनाया जा रहा है। बेहद कम समय में ही जल संरक्षण अभियान आवा पानी झोंकी के अंतर्गत सोनहत जनपद के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में लगभग ७०० से ज्यादा संरचनाओं का निर्माण किसानों द्वारा द्वारा स्वस्फूर्त होकर किया गया है। वर्षा जल को रोकने में यह एक बेहद कारगर अभियान साबित हो रहा है। और जन जागरूकता से इन संरचनाओं का निर्माण कार्य निरन्तर जारी है।

**जल संरक्षण का कोरिया मॉडल,५त्न मॉडल** - कोरिया जिले के कृषकों ने जिला प्रशासन कोरिया के अनुरोध पर "५त्न मॉडल" अपनाया है। जिसमें खेत के एक कोने में (लगभग ५त्न भाग पर) सीढ़ीदार गड्ढों का निर्माण किया जाता है, जो कृषि की जरूरत से अधिक समस्त वर्षा जल को भूमिगत जल बनाने में बेहद कारगर है। साथ ही यह उन खेतों में तथा नीचे के खेतों में लंबे समय तक नमी बनाए रखने का काम करता है।

**छोटी संरचनाएं, बड़े बड़े फायदे** - पांच परसेंट मॉडल अंतर्गत बनाई जा रही जल संचयन संरचनाओं मे वर्षा जल के साथ खेतों का अतिरिक्त जल रुकता है। जो सीधे भूमिगत जल में बदलता है। यह खेतों के आउटलेट पर होने वाले मिट्टी के कटाव को रोकने में उपयोगी है। इससे आस - पास के क्षेत्रों में नमी बनी रहती है। जिससे कम वर्षा या पानी की कमी की स्थिति में फसलें अंदरूनी नमी के कारण ज्यादा दिन तक बची रहती हैं। आवश्यकता की स्थिति में इन गड्ढों में भंडारित जल का अन्य उपयोग किया जा सकता है।

**आवा पानी झोंकी से जुड़ता समुदाय** - प्रदेश भर में जल संरक्षण हेतु चल रहे महा अभियान में कोरिया की जन भागीदारी को आगे बढ़ाने के लिए कोरिया जिला प्रशासन ने कई प्रयास किए हैं। आवा पानी झोंकी के तहत पूरे जिले में सामुदायिक भागीदारी से एक साथ तीन घंटे में प्रति ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय में ४- ४ के मान से कुल ६६० सोख्ता गड्ढों का निर्माण करते हुए जल संरक्षण की शपथ ले, अपनी तरह का अलग रिकॉर्ड कायम किया।

**गतिविधियों से वातावरण निर्माण** - कोरिया जिले में जल संरक्षण के वातावरण निर्माण हेतु व्यापक स्तर पर विभिन्न उपायों को अपनाया गया है। इसके लिए प्रत्येक ग्रामीण और शहरी आयोजन में शपथ, दीवार लेखन, मुनादी, ग्राम पंचायत स्तर तक महिला गोष्ठियां, एवं अलग अलग स्तर पर जल कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। जिले में इस हेतु ग्राम पंचायत पोटेडांड और डोहड़ा को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुना गया है।

**कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी** - कोरिया जिले में प्रकृति की सुन्दरता अदभुत है और इसे बनाए रखने के लिए पानी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। क्लीन कोरिया ग्रीन कोरिया को साकार करने के लिए कोरिया के प्रत्येक किसान और आम नागरिकों को अब आगे आना होगा और अपने स्तर पर सुधार करना होगा। सभी अपने छत पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग लगवाएं। खेतों में जल संरक्षण हेतु पांच परसेंट मॉडल बनवाएं। आसपास के जल स्रोत को प्रदूषित ना करें, उसमें सफाई रखें, उपलब्ध जल का न्यूनतम उपयोग और अधिकतम बचत करने पर ध्यान दें।

**सीईओ जिला पंचायत डॉ आशुतोष चतुर्वेदी** - कोरिया के सभी किसान भाईयों से अनुरोध है कि, जल संरक्षण और बेहतर फसल उत्पादन के लिए जल संरक्षण हेतु अपने हर खेत में ५त्न मॉडल अपनाएं और दूसरों को भी इसे अपनाने प्रेरित करें, सभी जल संरक्षण में भागीदार बनिए, अपनी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य निमार्ता बनिए।

## टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कलेक्टर कोरिया की अपील ला रही रंग, जनप्रतिनिधि बन रहे निक्षय मित्र

**कोरिया बैकुंठपुर** / जिला कोरिया में कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी मरीजों के लिए प्रोटीन युक्त पोषण आहार उपलब्ध कराने हेतु की गई अपील सकारात्मक परिणाम ला रही है। जिले में जनप्रतिनिधि भी इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभा रहे हैं और निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों की मदद हेतु आगे आ रहे हैं।

इसी क्रम में विगत शनिवार को धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत अकलासरई में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत सभापति (संचार संकर्म) सुरेश सिंह ने सोनहत विकासखंड के ५ टीबी मरीजों को गोद लिया तथा आगामी छह माह तक अपने मानदेय से पोषण आहार उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि कलेक्टर कोरिया एवं जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे जन-जागरूकता प्रयासों से उन्हें यह प्रेरणा मिली है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि 'यह अभियान वास्तव में जनसेवा का अवसर है। मैं सभी जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों से अनुरोध करता हूं कि वे भी आगे आकर निक्षय मित्र बनें और कम से कम एक मरीज की सहायता करें।'

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने बताया कि वर्तमान में जिले में १०७ टीबी मरीज नियमित दवा सेवन कर रहे हैं, जिनमें अधिकांश को छह माह तक इलाज की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि उपचार के साथ-साथ पौष्टिक आहार भी बेहद आवश्यक होता है, जिससे रोगी शीघ्र स्वस्थ हो सके।

कार्यक्रम के अंत में सुरेश सिंह ने कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, सीईओ जिला पंचायत डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी तथा सीएमएचओ डॉ. प्रशांत सिंह को धन्यवाद ज्ञापित किया, जिनके मार्गदर्शन से यह जनकल्याणकारी अभियान साकार हो रहा है।

इस कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष श्रीमती आशा सोनपाकर, विधायक प्रतिनिधि राम प्रताप मरावी, जनपद सदस्य कमल कांत, नवरतन पांडेय, ग्राम पंचायत अकलासरई के सरपंच-पंच, ग्रामवासी एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन, नमनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, 0 प्रधान संपादक-महेन्द्र सिंह टुटेजा,Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

सरगुजा संभाग

# अम्बिकावाणी

■ सरगुजा ■ कोरिया ■ सूरजपुर ■ बलरामपुर ■ जशपुर

सच्ची सेवा वह है जिसमें सर्व की दुआओं के साथ खुशी की अनुभूति हो।

महाप्रभु जगन्नाथ जी का भव्य उत्सव बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मना- 10



■ नशा निवारण दिवस पर नशे के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों की दी गई जानकारी- 12

# भारतीय ज्ञान परम्परा को विरासत के नजरिये से देखिये: प्रो. राजीव

## 14 वैज्ञानिक पुरस्कृत, शोध-अनुसंधान के लिए बड़ा मंच है यंग साईंटिस्ट

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**
भारतीय ज्ञान परम्परा वेदों से प्रारम्भ हो कर आज हमारे जीवन में शामिल है। इसे धर्म के नजरिये से नहीं बल्कि अपनी विरासत और धरोहर के नजरिये से देखिये। यह बातें संत गहिरा गुरू विष्वविद्यालय अम्बिकापुर और छत्तीसगढ़ कौंसिल ऑफ साईस एंड टेक्नालॉजी रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित २०वें यंग साईंटिस्ट कांग्रेस-२०२५ के समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि आईआईटी भिलाई के निदेषक राजीव प्रकाश ने कही। उन्होंने कहा कि यंग साईंटिस्ट शोध-अनुसंधान के लिए बड़ा मंच है। आपका मुकाबला मैन पॉवर, इंटेलीजेंस और एआई से है। हमें मषीनी लर्निंग, डिजीटल लर्निंग से आगे बढ़ना है। राष्ट्रीय षिक्षा नीति स्मार्ट वर्क चाहता है। प्रो. राजीव कहा कि षोध-अनुसंधान फूल टाइम जॉब है, इसमें विश्राम, विराम नहीं होता है, बल्कि यह कठोर परिश्रम और समर्पण मांगता है। उन्होंने सभी अध्येताओं का आह्वान करते हुए कहा कि आप देष के लिए अनुसंधान कीजिए। हमारे लिये राष्ट्र प्रथम है और रामायण, गीता को पढ़िये, यही हमारी पहचान है।

इससे पहले अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा और संत गहिरा गुरू के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का षुभारंभ किया। अतिथियों का स्वागत गुलाब की कलियां और सरगुजिहा कलेवर से सजा अंगवस्त्र प्रदान कर किया गया।

छत्तीसगढ़ कौंसिल ऑफ साईस एंड टेक्नालॉजी के कन्वीनर जॉयस राय ने २०वें छत्तीसगढ़ यंग साईंटिस्ट कांग्रेस-२०२५ के दो दिनों के आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि ९२ शोध पत्रों का वाचन, प्रजेंटेषन पॉवर प्वाईंट के माध्यम से हुआ। प्रथम दिन ६० और दूसरे दिन ३२ शोध पत्रों की प्रस्तुति हुई। श्रेष्ठ और मानक के अनुसार १४ यंग साईंटिस्टों को चयन किया गया। उन्होंने यंग साईंटिस्टों का आह्वान करते हुए कहा कि विज्ञान में अनुसंधान और शोध होते रहना चाहिए और यही मानवता की जरूरत है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संत गहिरा गुरू विष्वविद्यालय के कुलपति और कार्यक्रम के संरक्षक प्रो. प्रेम प्रकाश सिंह ने कहा कि शिक्षा-दीक्षा और ज्ञान का समारोह सरगुजा के लिए उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि विष्वविद्यालय के पास संसाधनों की कमी है और इन परिस्थितियों में भी आपका हौसला हमें कुछ नया कर गुजरने का उत्साह देता है। प्रो. सिंह ने कहा कि आपके अनुसंधान से समाज का विकास होगा और आर्थिक समृद्धि आयेगी। उन्होंने आह्वान किया कि आप षैक्षिक परिसर में प्रतिभाओं के पास जाइये, आपके लिए अच्छे अवसर इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में सपने पूरे होंगे तो आनन्द आयेगा। कार्यक्रम को सम्बोधित करते विशिष्ट अतिथि छत्तीसगढ़ युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर ने कहा कि हमारे समाज को तकनीकी और ज्ञान दोनो चाहिए। अब जय विज्ञान-जय अनुसंधान का दौर है। प्रदेष सरकार विष्वविद्यालय के लिए सभी संसाधन उपलब्ध करायेगी।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि प्रो. राजीव प्रकाश, विषिष्ट अतिथि विश्वविजय सिंह तोमर, राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र के अधिष्ठाता डॉ. एसके सिंह, डॉ. एस. कर्मकार, डॉ. जॉयस के राय आदि को स्मृति चिह्न, श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया। विषय विषेषज्ञों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क अधिकारी आनन्द कुमार ने किया। कार्यक्रम के दौरान श्री साई बाबा आदर्ष महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश श्रीवास्तव, डॉ. आर.एन शर्मा, केआर टेक्निकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रितेश वर्मा, डॉ. आषीश बंजारा तथा देश के विभिन्न विष्वविद्यालयों से आये अध्येता, वैज्ञानिक, प्राध्यापक, कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थिति रहे। अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए संत गहिरा गुरू विष्वविद्यालय के कुलसचिव ने कहा कि शोध और अनुसंधान से सरगुजा की भागीदारी हमेशा रहेगी।

### 14 यंग साईंटिस्ट हुए सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान विक्की कुमार, सतीष कुमार दुबे, प्रिया गुप्ता, धर्मेन्द्र, परिणिता त्रिपाठी, श्रेया अनन्त, डॉ. प्रियंका पांडेय, संदीप कुमार, सृष्टि सजल स्वर्णकार, वर्षा मेश्राम, प्रतीक सिंह, रागिनी अरोड़ा, श्रद्धादेवी, लेवष वैघ को अतिथियों ने प्रमाण पत्र, पदक, २१००० रुपए का चेक प्रदान का सम्मानित किया।

# अज्ञात चोरों ने किताब दुकान को बनाया निशाना

**उदयपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**
उदयपुर थाना क्षेत्र के बस स्टैंड उदयपुर में चोरों का आतंक चरम पर है। अज्ञात चोरों ने विद्यादीप किताब दुकान में एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

दुकान के संचालक देवेंद्र भदौरिया ने बताया कि चोरों द्वारा विगत सोमवार को हुई चोरी का एफआईआर दर्ज कराया गया था उसका समाधान हुआ नहीं और आज रविवार को फिर से चोरी हो गई है। पिछली बार दीवार से ईंट हटाकर बैट इत्यादि की चोरी किए थे आज भी उसी तर्ज पर चोरी की गई है दुकान के भीतर समान बिखरा पड़ा है। पुलिस की सुस्त रवैए से चोरों के हौसले बुलंद हैं। स्थानीय व्यापारियों और आम लोगों ने चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और पुलिस व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

# चोरी का विरोध करने वाले की हत्या कर घर से बकरी की चोरी, आरोपी गिरफ्तार, फरार की तलाश जारी

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**
बकरी चुराते समय पकड़े जाने पर कुछ लोगों द्वारा चोरी का विरोध करने वाले युवक पर डंडा से हमला कर उसकी हत्या कर देने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला सीतापुर क्षेत्र का है। मामले मे अन्य आरोपी घटना दिनांक से फरार है। जिनका पता तलाश किया जा रहा है,। पुलिस ने बताया कि प्रार्थी भानु नागवंशी निवासी गेरसा टोंगरीपारा थाना सीतापुर का १६ जून को चौकी केरजू आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्रार्थी भानु नागवंशी की दादी तिलासो बाई दिनांक ०८ मई की सुबह लगभग ०४-०५ बजे प्रार्थी एवं अन्य लोगो के घर आकर बताई कि दिनांक ०७/०५/२५ के रात्रि मे दादी तिलासो और उसका लड़का रैदु नागवंशी घर में सोये थे। ८ मई के रात्रि करीब एक-डेढ़ बजे ०३-०४ अज्ञात व्यक्ति घर के सामने का लकडी के दरवाजा को लात मार कर तोड़कर घर अन्दर

घुसकर जबरन घर के अन्दर से बकरियों को लूट कर जे जा रहे थे, जिसका विरोध करने पर उक्त अज्ञात व्यक्तियों द्वारा लड़का रैदु नागवंशी के सिर में डण्डा एवं लकड़ी का फाड़ी से मारकर गंभीर चोट कारित कर हत्या कर दिये है। घटना को तिलासो देखी है। घटना के दौरान बीच बचाव करने पर आरोपियों द्वारा तिलासो कों सिर व पैर में डण्डा से मारपीट कर चोट पहुंचाये है और घर के अन्दर रखें बकरियों में से करीब ०४-०५ बकरियों को जबरन बल पुर्वक लूट कर ले गये है जिसकी कीमत करीबन १०००००/- रुपए होगा। सुबह आस पड़ोस के लोग रैदू नागवंशी के घर जाकर देखे तो रैदू नागवंशी मृत हालत में जमीन पर पड़ा था। मामले मे प्रार्थी के रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध चौकी केरजू थाना सीतापुर मे धारा १०३(१), ३०९, ३३२, ११५(२), ३(५) बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

मामले कों संज्ञान मे लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल द्वारा पुलिस टीम कों मामले मे सख़्ती से कार्यवाही कर आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही किये जाने के दिशा निर्देश दिए गए थे, इसी क्रम मे पुलिस टीम द्वारा दौरान विवेचना घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले मे शामिल आरोपियों का पता तलाश किया जा रहा था। दौरान पता तलाश पुलिस टीम कों थाना कोतवाली जिला जशपुर से सूचना प्राप्त हुआ कि थाना कोतवाली जिला जशपुर के धारा ३०३ (२) बीएनएस के आरोपी मोहम्मद चाँद आत्मज मो. अहमद अंसारी उम्र २४ वर्ष निवासी बिमड़ा थाना बगीचा जिला जशपुर से पूछताछ के दौरान बताया कि थाना तपकरा में वर्ष २०२३ में बैटरी चोरी के मामले में पकडे जाने पर अपने साथियो के साथ जेल गया था। जेल से छूटने के बाद मोहम्मद चाँद अपने आर्टिका कार क्रमांक सीजी/११/एम/२६५१ को स्वयं बुकिंग लेकर चलाता था, पिछले महिना मई माह में अपने अन्य साथियो के साथ मिलकर रात्रि में बकरी चोरी करने के लिये आर्टिका कार क्रमांक सीजी/११/एमए/२६५१ से ग्राम गेरसा सीतापुर गये थे, जहां घर का एक लडका जाग गया। तब आरोपी एवं उसके साथीगण डर गये और पकडे जाने से बचने के लिए मौके पर रखे लकडी की फाड़ी एवं डण्डा से रैदू नागवंशी कों मारपीट कर मौके से बकरी लेकर आपनी आर्टिका वाहन मे भरकर भाग जाना बताया है, आरोपी का आर्टिका कार क्रमांक सीजी/११/एमए/२६५१ थाना कोतवाली जिला जशपुर के प्रकरण मे जप्त है। आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया हैं, मामले मे शामिल अन्य आरोपी घटना दिनांक से फरार है, जिनका पता तलाश किया जा रहा है, फरार आरोपियों कों शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायगा। सम्पूर्ण कार्यवाही के थाना प्रभारी सीतापुर निरीक्षक गौरव कुमार पाण्डेय, सहायक उप निरीक्षक रामकरण राजवाड़े, आरक्षक निर्मल यादव, धन्यकेश्वर यादव, सैनिक विनायक लकड़ा, रमेश विश्वकर्मा सक्रिय रहे।

# जल संसाधन विभाग द्वारा नहर पुलिया का किया गया आधा अधूरा निर्माण, पूर्ण होने से पहले आई दरार

## जान जोखिम में डाल बच्चे ग्रामीण करते हैं नहर पार

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**
सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड क्षेत्र में श्याम घुनघुट्टा परियोजना नहर में जल संसाधन विभाग अनदेखी और ठेकेदार के लापरवाही से आधार अधूरा पुलिया का निर्माण किया गया है। पुलिया के निर्माण पूर्ण होने से पहले ही पाया में बड़ी दरारें पड़ गई है जान जोखिम में डाल नहर पार करने ग्रामीण मजबूर हैं। दरअसल पूरा मामला लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत लहपटरा का है ग्राम के वार्ड क्रमांक १५ और १६ के मध्य श्याम घुंघुट्टा परियोजना अंतर्गत करोड़ों रुपए की लागत से नहर और पुलिया का निर्माण कार्य किया जाना था। परंतु जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की अनदेखी और ठेकेदार की लापरवाही

की कारण नहर में पुलिया का आधा अधूरा निर्माण किया गया है। पुलिया के पाया में भी बड़ी-बड़ी दरारें आ चुकी है ग्रामीणों ने बताया कि कांग्रेस सरकार में जल संसाधन विभाग द्वारा करोड़ों रुपए की स्वीकृति मिली और ठेकेदार के द्वारा कार्य प्रारंभ कराया गया पर अब डेढ़ वर्ष बीत जाने के बाद भी उक्त नहर में बनाने वाली पुलिया का निर्माण पूर्ण नहीं कराया गया है। वार्ड में ४० से लेकर के ५० घर के लोग निवासरत हैं और २०० ग्रामीण प्रभावित हो रहे हैं। विडंबना है कि आंगनवाड़ी केंद्र जाने हेतु गर्भवती महिला शिशु वती माताएं और छोटे-छोटे बच्चे जान जोखिम में डाल नहर पार कर आंगनवाड़ी केंद्र तक पहुंच रहे हैं गर्मी के दिनों में पानी नहीं होने पर काम चल जा रहा था पर अब बरसात प्रारंभ हो गया है। अब नहर में घुंघुट्टा बांध से पानी जो आएगा वह नहर में पूरी तरीके से लबालब भरकर आती है जिससे अब छोटे बच्चे और गर्भवती महिलाएं और शिशुवती माताएं और किसान भाइयों को अपने खेतों तक जाने में उस पानी से भरे नहर को जान जोखी में डालकर पार करना होगा। पूर्व में नहर पार करने के दौरान नहर में गिरने से एक ग्रामीण की मौत भी हो चुकी है। ग्रामीणों का यह भी आरोप लगाया गया की नहर में हो रहे पुलिया निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया। जिससे पुलिया निर्माण पूर्ण होने से पहले ही पुलिया के लिए बनाया गया पाया में बड़ी दरार आ गई है। जिससे यह पुलिया पूर्ण होने के बाद भी क्षतिग्रस्त होने की संभावना बनी हुई है जिसको लेकर के ग्रामीणों के द्वारा यह मांग किया जा रहा है। कि उक्त निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण करते हुए उक्त पुलिया का जल्द से जल्द निर्माण कराया जाए। जिससे २०० लोगों को नहर पार करने में सहूलियत हो सके।

### जांच की जाएगी-अशोक निरंजन

कार्यपालन अभियंता अशोक निरंजन ने कहा कि जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता अशोक निरंजन से बात करने पर उनके द्वारा कहा गया कि मौका जांच करते हुए जल्द से जल्द गुणवत्ता युक्त पुलिया का निर्माण कार्य कराया जाएगा।

# चाय गुमटी में मिला युवक का शव फंदे पर लटका

**जगदलपुर।** बस्तर जिला मुख्यालय के थाना कोतवाली मार्ग पर आज रविवार सुबह वन विभाग कार्यालय के पास स्थित चाय की गुमटी में एक युवक का शव फांसी पर लटका मिला। मृतक की पहचान ग्राम पंचायत कावापाल के सरपंच पति कमलोचन बघेल के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक कमलोचन बघेल कुछ दिनों से बीमार था, और डिमरापाल अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती था।

# सरगुजा 30 कोचिंग हेतु चयन परीक्षा संपन्न, कक्षा 9वीं से 12वीं तक के 548 विद्यार्थी हुए शामिल

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**
जिले के प्रतिभावान विद्यार्थियों को निशुल्क कोचिंग प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित सरगुजा ३० कोचिंग के लिए चयन परीक्षा का आयोजन आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस परीक्षा में जिले के विभिन्न विकासखंडों से कक्षा ९वीं, १०वीं, ११वीं और १२वीं के कुल ५४८ विद्यार्थी शामिल हुए।

परीक्षा का आयोजन जिला मुख्यालय के निर्धारित परीक्षा केंद्रे पर शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से किया गया। परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। प्रशासन की ओर से परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए थे। सरगुजा ३० कोचिंग का उद्देश्य जिले के मेधावी विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं और बोर्ड परीक्षाओं में सफलता दिलाने के लिए गुणवत्तापूर्ण कोचिंग प्रदान करना है। इसके अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा निशुल्क मार्गदर्शन, अध्ययन सामग्री और शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग के अनुसार चयन परीक्षा का मूल्यांकन कार्य शीघ्र प्रारंभ कर दिया जाएगा और पात्र विद्यार्थियों की सूची निर्धारित समय सीमा में प्रकाशित की जाएगी। चयनित विद्यार्थियों को कोचिंग कक्षाएं १ जुलाई से प्रारंभ की जाएंगी।

# अन्य राज्यों से रामानुजगंज होकर गुजरने वाले कांवरियों की सेवा के लिए नगर वासियों ने दोहराया संकल्प

**रामानुजगंज (अम्बिकावाणी समाचार)।** विगत कुछ वर्षों से रामानुजगंज में बाबा बैजनाथ धाम कांवरिया सेवा समिति के द्वारा श्रावण के पवित्र माह में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश सहित देश के अन्य राज्यों से रामानुजगंज होकर झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैजनाथ का जलाभिषेक करने जाने वाले कावरियो के निशुल्क रूकने एवं भोजन की व्यवस्था नगरवासियों के सहयोग से की जाती रही है।इस वर्ष भी कांवरियों की सेवा के लिए कांवरिया सेवा समिति के प्रमुख एवं नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल की अध्यक्षता में नगरवासियों की बैठक मांगलिक भवन में आयोजित की गई जिसमें सभी नगरवासियों ने पुनः एक स्वर में कांवरिया की सेवा के संकल्प को दोहराया। कांवर यात्रियों के लिए निःशुल्क भोजन एवं आवास की व्यवस्था इस वर्ष श्रावण मास के प्रारंभ होने के एक सप्ताह पूर्व से ही प्रारंभ कर दी जाएगी।

कांवर यात्रियों की सेवा के लिए आहूत बैठक में उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने कहा कि हम सभी नगर वासियों का सौभाग्य है कि भगवान भोलेनाथ के अराधना के लिए श्रेष्ठ श्रावण मास के पवित्र माह में हम सबको कांवर यात्रियों की सेवा करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। जिस प्रकार से विगत कुछ वर्षों से रामानुजगंज वासियों द्वारा बाबा बैजनाथ धाम जाने वाले कांवर यात्रियों की सेवा की गई है इस वर्ष भी पवित्र संकल्प एवं पवित्र भाव के साथ हम सब कांवर यात्रियों की सेवा में तन, मन और धन से जुटने के लिए यहां एकत्रित हुए हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि अल्प सूचना पर इतनी संख्या में चर्चा योजना बैठक में आप सभी शिवभक्तो का एकत्रित होना निश्चित रूप से आपकी सेवा भावना और समर्पण को दशार्ता है। इस सेवा कार्य से निश्चित रूप से नगर वासियों का मान सम्मान बढ़ेगा।

### पंडित दीनदयाल मांगलिक भवन में रहेगा रुकने एवं भोजन की व्यवस्था

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पंडित दीनदयाल मांगलिक भवन में कांवर यात्रियों के आवास एवं भोजन की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी। पंडित दीनदयाल मांगलिक भवन नगर के वार्ड क्रमांक १३ में अंबिकापुर से झारखंड जाने वाले मुख्य मार्ग में है। हर प्रकार की सुविधा से परिपूर्ण यह भवन अग्रसेन चौक से महज ५०० मीटर की दूरी पर स्थित है।

### २४ घंटे रहेगी व्यवस्था, सेवा में जुटेंगे नगरवासी

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी पंडित दीनदयाल मांगलिक भवन में २४ घंटे कांवर यात्रियों के रूकने एवं भोजन की व्यवस्था का प्रबंध किया जा रहा है, कांवर यात्रियों की सेवा में नगर के वार्ड क्रमांक १ से लेकर १५ वार्ड के विभिन्न लोग इस सेवा कार्य में अभी से जुटने के लिए तैयार हैं।

### सेवादारों के मध्य हुआ कार्य विभाजन

कांवरियों की सेवा के लिए आहूत बैठक में विभिन्न दायित्वों के लिए कांवरिया सेवा टोली के मध्य कार्य विभाजन किया गया। आवास व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, साज सज्जा की व्यवस्था, दवा और प्राथमिक चिकित्सा व्यवस्था, सूचना समाचार, प्रचार व्यवस्था सहित अन्य विभिन्न प्रकार के कामों के लिए अलग-अलग सदस्यों को उनके इच्छा अनुसार सेवा कार्य का दायित्व सौंपा गया।

### १ से लेकर वार्ड क्रमांक १५ तक है सेवा करने वालों की चेन

कांवर यात्रियों की सेवा में किस प्रकार से पूरा नगर एक जुटता के साथ जुड़ता है इसे इस बात से समझा जा सकता है की कांवर यात्रियों की सेवा के लिए सेवा करने वालों की चैन वार्ड १ से लेकर वार्ड १५ तक है। प्रत्येक दिन किसी न किसी वार्ड के लोग समूह में यहां २४ घंटे अपनी सेवाएं देते हैं यही नहीं समाज के सभी वर्ग के लोगों का साथ सेवा कार्य में मिलता है।

# जिले के एक दिवसीय प्रवास पर राजपुर पहुंची कांग्रेस के प्रदेश सह प्रभारी जरिता लैतफलांग

**राजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठन के प्रदेश सह प्रभारी जरिता लेतफलांग आज पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा की ०७ जूलाई को राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहेंगे जहां वह किसान-जवान-संविधान महासभा में भाग लेंगे और छत्तीसगढ़ के आम जनों के साथ अपनी बात रखेंगे। इस अवसर पर अधिक से अधिक लोग कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें और कार्यकर्ता शामिल हों। पत्रकारों से चर्चा करते हुए आज स्थानीय ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजपुर में जरिता लैतफलांग ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों के साथ डबल इंजन की सरकार दोहरा व्यवहार कर रही है और इन परिस्थितियों में सरकार के रवैया का विरोध करना आवश्यक हो गया है छत्तीसगढ़ में महिलाएं, बच्चे, बच्चियां अपराध का शिकार हो रही हैं छत्तीसगढ़ महतारी की बेटियां जिस तरह से आए दिन अपराधों का शिकार हो रहे हैं, घटनाएं आम हो गई हैं हर ३ मिनट में इज्जत तार-तार हो रहा है महिलाओं और बच्चों के साथ खिलवाड़ जो हो रहा है उस पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष के. पी. सिंहदेव ने कहा भेस्की पहाड़ी कोरवा परिवार के साथ जो घटना हुई है उसके तार भी भाजपा के साथ जुड़े हुए हैं अपराधियों के घरों में भारतीय जनता पार्टी के झंडा लहरा रहे हैं जो गठजोड़ की ओर ईशारा करते हैं। इसके अलावा उन्होंने रामानुजन अंबिकापुर सड़क की दुर्दशा के बारे में कहा कि अगर सड़क का सुधार नहीं हुआ तो आवागमन बंद हो जाएगा और हम मजबूर होकर सड़क पर बैठेंगे सड़क को सुधारने के लिए जो दस करोड़ रकम आवंटित की गई थी परंतु अब तक सड़क का कोई विशेष सुधार नहीं हुआ है। किसानों को खाद बीज भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

इस दौरान पत्रकार वार्ता में पूर्व विधायक डॉक्टर प्रीतम राम, अजय तिर्की, पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजेंद्र तिवारी, जिला प्रवक्ता सुनील सिंह, विजय पैकरा, जिला महामंत्री जितेंद्र गुप्ता, अशोक सिंह राजू, जिला वन उपज संघ के अध्यक्ष लालसाय मिंज, सत्येंद्र अग्रवाल, हीरालाल यादव, अरुण गुप्ता, युवा कांग्रेस के अध्यक्ष बृजेश यादव, पूरन जायसवाल, संतोष यादव, अर्जुन यादव, विवेक सिंह देव, विष्णु सिंहदेव, विकास गुप्ता, हंसनाथ, नीरज तिवारी, देवबली टेकाम, प्रेम रजक, आदित्य विभु जयसवाल एवं अन्य कांग्रेस जन मौजूद थे।

# बड़े स्तर पर मैनपाट में पहली बार होगा भाजपा का प्रशिक्षण, तैयारियां जोरों पर

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** भाजपा के सांसद और सभी विधायक, मंत्रियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आगामी ७ जुलाई से ९ जुलाई तक छत्तीसगढ़ के शिमला मैनपाट में आयोजित होने जा रहा है। इसकी तैयारी जोरो पर है। बड़े स्तर पर मैनपाट में पहली बार भाजपा का प्रशिक्षण शिविर आयोजित होने जा रहा है। जहां शैला रिसॉर्ट, करमा रिसॉर्ट, तिब्बती रिसॉर्ट में कार्यक्रम का आयोजन होगा और मंत्री विधायक सांसद तीन दिनों तक मैनपाट में रुक कर प्रशिक्षण शिविर में शामिल होगे। बेहतर व्यवस्था और सुरक्षा के मद्देनजर इन तीनों में सांसद विधायक मंत्री रुकेंगे। वही तिब्बती कैंप नंबर-१ में बने कम्युनिटी हाल में प्रशिक्षण शिविर आयोजित होगा। इस प्रशिक्षण में भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री व तमाम कैबिनेट मंत्री भी शामिल होंगे। सरगुजा संभाग में इस तरह का यह पहला प्रशिक्षण आयोजित होने जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर में छत्तीसगढ़ का पूरा मंत्रिमंडल मैनपाट में रहेगा। इन सबके ठहरने के लिए विशेष व्यवस्था मैनपाट में ही की गई है। अभी से सभी होटल और रिसॉर्ट बुक हो चुके हैं।

प्रशिक्षण शिविर में सत्ता व संगठन के बीच बेहतर ताल-मेल कैसे स्थापित होगा इस पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने, आम जनों के बीच शालीनता पूर्वक व्यवहार रखना, मीडिया में बयान दिए जाने संबंधित कई ऐसे बिंदुओं पर सत्ता और संगठन के लोगों को प्रशिक्षित किया जाएगा। खासकर चुनकर आये नए विधायकों और सांसदों के लिए प्रशिक्षण शिविर काफी उपयोगी माना जा रहा है। जहां इन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

# दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** गांधीनगर पुलिस ने दुष्कर्म के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पूरे मामले में पुलिस ने बताया कि प्रार्थी २२ जून को थाना गांधीनगर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि घटना दिनांक २१ जून कों थाना गांधीनगर निवासी नेपाल विश्वास प्रार्थी की नाबालिग लड़की कों बहला फुसला कर ले जाकर जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया है, और पीड़िता कों घटना के बारे मे किसी कों बताने पर जान से मारने की धमकी दिया है, मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर मे धारा १३७(२), ६४(आई), ६५(२), ३५१(३), बी. एन. एस. एवं पोस्को एक्ट की धारा ४,६ का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी नेपाल विश्वास की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम नेपाल विश्वास आत्मज कांतिलाल विश्वास उम्र ४७ वर्ष निवासी सुभाषनगर थाना गांधीनगर का होना बताया। आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, उप निरीक्षक रश्मि सिंह, आरक्षक विकास सिंह, ऋषभ सिंह, घनश्याम देवांगन, सत्यम सिंह, गीता प्रसाद, कसीमुद्दीन अंसारी सक्रिय रहे।

# महाप्रभु जगन्नाथ जी का भव्य उत्सव बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मना

**रामानुजगंज (अम्बिकावाणी समाचार)।** नगर के वार्ड क्रमांक ९ में स्थित प्राचीन श्री राम मंदिर में कला और साहित्य की अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती एवं नई पहचान फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में महाप्रभु जगन्नाथ जी का भव्य उत्सव बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिले के कुसमी और तांबेश्वर नगर से आए कलाकारों ने मनमोहक गीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियाँ दी। मंच पर मुख्य रूप से प्रतिष्ठित व्यापारी कन्हैया अग्रवाल, वरिष्ठ अधिवक्ता जयप्रकाश गुप्ता, शर्मिला गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

संस्कार भारती के जिला अध्यक्ष सुनील गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया।तत्पश्चात अरुण केसरी, संजय गुप्ता, नई पहचान फाउंडेशन के सचिव अंजय मेहता एवं दामोदर मिश्र द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम का संचालन संस्कार भारती छत्तीसगढ़ प्रांत के पदाधिकारी और नई पहचान फाउंडेशन के अध्यक्ष पवन कुमार पाण्डेय ने किया। उन्होंने कहा, "महाप्रभु जगन्नाथ जी की कृपा से हम सभी आज इस पावन अवसर को मना पा रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण एक देवकार्य है और हर पेड़ में भगवान का वास है। हमें इस दिशा में सामूहिक प्रयास करना चाहिए।"कार्यक्रम में जिन कलाकारों ने प्रस्तुति दी उनमें प्रमुख रूप से काला चंद विश्वास, गीता मलिक, कल्याण मंडल, संतोषी विश्वास, नीलिमा वेद, गीता मंडल, राजकुमारी आइस, काजल चक्रवर्ती तथा प्रसिद्ध तबला वादक जय मिताई विश्वास शामिल रहे।कुसमी से आए आयुषी गुप्ता, शानवी गुप्ता, स्वर्णिका सोनी, अन्या ठाकुर, जानवी साहू, खुशबू सिंह सहित अन्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं।आयोजन में संस्कार भारती के जिला कोश प्रमुख अजीत गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष शिक्षक राजेश्वर कुशवाहा, उपाध्यक्ष मनोज तिवारी, दिवाकर मुखर्जी, यशपाल दुबे, राहुल जीत सिंह एवं बजरंग दल के संयोजक जस्सू केसरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

# प्रदेश में अक्षय उर्जा से पर्यावरण संरक्षण दिशा में बढ़ते कदम

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। प्रदेश में अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। इस योजना के जरिए आम लोगों को न केवल बिजली बिल की बढ़ती चिंता से राहत मिल रही है, बल्कि ग्रीन एनर्जी को अपनाकर वे पर्यावरण संरक्षण में भी अपनी भागीदारी निभा रहे हैं।

अम्बिकापुर के देवेंद्रम कॉलोनी में रहने वाले श्री मनीष कुमार गुप्ता बताते हैं कि, पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजनांतर्गत हमने अपने घर की छत पर तीन किलो वाट का सोलर पैनल लगवाया है। शासन की इस योजना के तहत हमें ७८ हजार रुपए की सब्सिडी भी मिली है। तीन किलोवाट का सोलर पैनल लगवाने में करीब १ लाख ९५ हजार रुपए तक की लागत लगती है। उन्होंने बताया कि पहले उनके यहां ३ से ४ हजार रुपए तक का हर महीने बिजली बिल आता था। वहीं गर्मियों में बिजली का बिल भी बढ़ जाता था। लेकिन जब से हमने अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगवाया है पिछले तीन महीने से बिजली बिल शून्य हो गया है। उन्होंने कहा कि शासन की इस योजना से अक्षय उर्जा में एक क्रांति आई है। उन्होंने सभी बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि ग्रीन उर्जा को बढ़ावा देने और अपने बिजली बिल का बजट खत्म करने के लिए इस योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। उन्होंने इस योजना के लिए शासन का आभार व्यक्त किया।

पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना हेतु आवेदन की प्रक्रिया

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता राष्ट्रीय सौर ऊर्जा पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए बिजली कनेक्शन नंबर, आधार कार्ड और छत की फोटो जैसी सामान्य जानकारियां अपलोड कर सकते हैं ।

# मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने ओड़गी विकासखंड के दूरस्थ ग्रामों में जनचौपाल लगा सुनीं जनता की समस्याएं

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े गांव बस्ती चलो

अभियान के अंतर्गत आज विकासखंड ओड़गी के दूरस्थ ग्राम में पहुंची। उन्होंने लांजीत, मयूर धक्की और चिकनी ग्राम में जनचौपाल के माध्यम से ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने जनसमुदाय की समस्याएं सुनकर मौके पर ही त्वरित समाधान के निर्देश दिए ।उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु दिशा-निर्देश दिया।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने चौपाल में बरसात के मौसम में स्वास्थ्य विभाग को मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरतने की भी हिदायत दी। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर बल दिया कि शासन की हर योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने ग्राम मयूर धक्की में ग्रामीणों की मांग पर एक लाख रुपये की लागत से शेड निर्माण की घोषणा की, जिससे गांव के सामुदायिक कार्यो को प्रोत्साहन मिलेगा।

चौपाल में मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में चल रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और बताया कि सरकार ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा के लिए समर्पित है। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य बाबूलाल सिंह मरापो, देवशरण सिंह, जनपद सदस्य प्रतिनिधि, सरपंच सुभाग सिंह, श्रीमती रामबाई, धरम सिंह आयाम, बलराम सोनी, प्रदेश किशोर न्याय बोर्ड सदस्य शिवकुमार राजवाड़े, मंडल उपाध्यक्ष प्रियांशु यादव, उमेश्वर गुर्जर, प्रवीण गुर्जर, अजेंद्र गुर्जर, सूरज कुशवाहा, तहसीलदार, जनपद सीईओ, तथा अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# सीजेएस स्कूल निम्हा में शिक्षा सुधार पर हुई बैठक

## शिक्षा व्यवस्था सुधारने के लिए लगातार प्रयास जारी - परमेश्वर प्रजापति

उदयपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। सीजेएस स्कूल निम्हा में सत्र २०२५ के लिए शाला प्रबंधन समिति की पहली बैठक हुई। बैठक में एसएमडीसी अध्यक्ष परमेश्वर प्रजापति, सरपंच जयसिंह कुरूम, बीडीसी राजेंद्र सिंह, हुकुमचंद सिंह, रजनीश भारती, प्राचार्य मनोज सिंह सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

बैठक के दौरान बोर्ड परीक्षा में पिछली बार अनुत्तीर्ण रहे छात्रों की कमजोरी पर चर्चा हुई। सभी विषयों के शिक्षकों को निर्देश दिया गया कि वे इस बार शत-प्रतिशत परिणाम लाने के लिए जरूरी तैयारी कराएं। बिना ठोस कारण के शिक्षक की अनुपस्थिति स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी शिक्षकों को प्रतिदिन समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा गया।

विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया गया कि सभी विद्यार्थियों को समय पर किताबें वितरित की जाएं। छात्र-छात्राएं प्रतिदिन गणवेश में स्कूल आएं। शिक्षक भी शासन के निर्देशों का पालन करते हुए गणवेश में आएं, ताकि बच्चे प्रेरित हों। एसएमडीसी सदस्य हर महीने समीक्षा बैठक करेंगे। इसमें शिक्षकों के अध्यापन कार्य और बच्चों की पढ़ाई की स्थिति पर चर्चा होगी।

बैठक में विद्यालय की समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। स्कूल में वर्षों से बाउंड्री वॉल नहीं है। इससे असामाजिक तत्व परिसर में घुस जाते हैं। इससे छात्र और शिक्षक दोनों परेशान होते हैं। शौचालय की स्थिति भी खराब है। इससे छात्राएं और शिक्षिकाएं असुविधा में हैं। किचन शेड नहीं होने से मध्यान्ह भोजन ४०० मीटर दूर एक निजी मकान में बनता है। कई बार भोजन लाते समय वह पानी से भीग जाता है।

एसएमडीसी अध्यक्ष परमेश्वर प्रजापति ने कहा कि विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था सुधारने के लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं। हमारी मांग पर यहां अंग्रेजी मीडियम में १२ स्टाफ की स्वीकृति मिली है। इससे शिक्षा का स्तर बेहतर होगा। बोर्ड परीक्षा सेंटर निम्हा में बनाने के लिए जिला प्रशासन को लिखित में जानकारी दी गई है।

सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनकर उभर रहे हैं पुनर्वास केंद्र

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर कहा कि सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनकर उभर रहे हैं पुनर्वास केंद्र। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार "आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति" के अंतर्गत, माओवादी हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा से जुड? वाले युवाओं को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन देने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही हैं ।बीजापुर स्थित पुनर्वास केंद्र में आत्मसमर्पित माओवादियों को जेसीबी, ट्रक ड्राइविंग, राजमिस्त्री जैसे तकनीकी ट्रेडों में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन कर समाज में सकारात्मक भूमिका भी निभा सकें।

अज्ञात चोरों ने किताब दुकान को बनाया निशाना पेज 09



# पुलिस विभाग के लिए आपातकालीन चिकित्सा सेवा एवं सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यशाला संपन्न

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** कलेक्टर श्री विलास भोसकर के निदेर्शानुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा आज जिला मुख्यालय में पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों हेतु आपातकालीन चिकित्सा सेवा एवं सड़क सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं एवं अन्य आपातकालीन स्थितियों में त्वरित प्राथमिक उपचार और जीवनरक्षक तकनीकों की जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ. पी.एस. मार्को, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लो, सिविल सर्जन डॉ. जे.के. रेलवानी, डीपीएम डॉ. पुष्पेन्द्र राम, प्रशिक्षक डॉ. श्रीकांत सिंह चौहान, सुश्री नीतू केसरी, श्री प्रशांत कश्यप, यातायात विभाग, ११२ और १०८ वाहन सेवा के अधिकारी-कर्मचारी तथा जिले के सभी विकासखंडों से आए पुलिस दल उपस्थित रहे।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लो ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं और अन्य आपातकालीन स्थितियों में त्वरित चिकित्सकीय सहायता न मिलने के कारण कई बार लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। ऐसे में पुलिस विभाग का प्रशिक्षण और जागरूकता बेहद जरूरी है ताकि हादसों के समय सही प्राथमिक उपचार देकर लोगों की जान बचाई जा सके।

उन्होंने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करने, नशे में वाहन न चलाने तथा सड़क सुरक्षा अभियान में भाग लेने की अपील की।सिविल सर्जन डॉ. जे.के. रेलवानी ने कहा कि आज सड़क और परिवहन हर व्यक्ति के जीवन का हिस्सा बन चुका है। परिवहन व्यवस्था ने जहां दूरी घटाई है, वहीं जीवन के जोखिम को भी बढ़ा दिया है। हर साल लाखों लोग सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाते हैं। हमारा प्रयास है कि इस तरह के प्रशिक्षणों से पुलिस और अन्य विभागों के लोग सड़क सुरक्षा और आपातकालीन स्थितियों में जीवनरक्षक उपायों को अपनाएं और दूसरों को भी जागरूक करें।

**तकनीक पर विस्तार से प्रशिक्षण**

प्रशिक्षक डॉ. श्रीकांत सिंह चौहान ने सड़क दुर्घटना, शर्पदंश, बिजली गिरना जैसी घटनाओं में आपातकालीन प्राथमिक उपचार और ष्टक्कक्र (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) तकनीक की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हृदय गति रुकने, डूबने, बिजली का झटका लगने या सांस रुकने की स्थिति में ष्टक्कक्र देने से जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने ष्टक्कक्र के मुख्य चरण (छाती पर दबाव देना), (कृत्रिम सांस देना) की विस्तार से जानकारी दी और इसका व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया।

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ सुश्री नीतू केसरी ने कहा कि वाहन चलाते समय मानसिक स्थिरता और इमोशनल इंटेलिजेंस जरूरी है। नशे, गुस्से या तनाव की स्थिति में वाहन चलाना दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बनता है। उन्होंने कहा कि योग, मेडिटेशन और डीप ब्रीदिंग जैसी तकनीकें मानसिक संतुलन बनाए रखने में मददगार हैं। कार्यशाला के अंत में अधिकारियों ने आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने और प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का अधिकतम उपयोग करने का आह्वान किया।

# निगम ने हीरापुर जरवाय में लगभग 60 एकड़ मे हो रही अवैध प्लॉटिंग में अभियान चलाकर तत्काल रोका

**रायपुर।** रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के निदेर्शानुसार रायपुर नगर पालिक निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल और कार्यपालन अभियंता श्री अभिषेक गुप्ता सहित रायपुर नगर निगम जोन 8 के नगर निवेश विभाग के अन्य सम्बंधित निगम अधिकारियों की उपस्थिति में नगर निगम जोन 8 क्षेत्र अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड क्रमांक 1 हीरापुर जरवाय क्षेत्र अंतर्गत वाशु लॉजिस्टिक पार्क मेसर्स सी के डेवलपर्स प्रो स्वप्निल अग्रवाल पिता श्री चंद्र कुमार अग्रवाल द्वारा बिना कॉलोनी विकास अनुज्ञा लिए तथा बिना नगर पालिक निगम रायपुर से कॉलोनी विकास अनुमति के लगभग 60 एकड़ भूमि में खसरा नंबर 2/24-39-45-46-66-74, 4/3, 5/2, 6/4, 7/4, 10/2-3-4, 12/1-3, 15/6-11, 16/2 पर अवैध प्लाटिंग की गयी थी, जिसे रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 की नगर निवेश विभाग की टीम ने जेसीबी ,पोकलेन मशीन की सहायता से स्थल पर किये गए अवैध सी सी रोड को तोड? की कार्यवाही की गयी एवं अवैध मुरूम रोड को काटा एवं एवं बिना अनुमति के निर्मित 10 बॉउंड्रीवाल सहित अवैध प्लॉटिंग कर बना रहे अवैध भवनो को हटाने की कार्यवाही की गयी गया। अवैध प्लॉटिंग करने वाले के विरुद्ध प्रक्रिया के अंतर्गत नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्यवाही करने सम्बंधित क्षेत्र के पुलिस थाना में नामजद एफआईआर दर्ज करने हेतु निदेर्शानुसार पत्र लिखा गया है।


तेज डायग्नोस्टिक / ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)
डॉ. मनीष चौरसिया M.S. (General Surgery) M.Ch. (Neuro Surgery) मस्तिष्क एवं नस रोग विशेषज्ञ
डॉ. गौरी शंकर सिंह MBBS (AFMC) MD (Psychiatry) BHU
डॉ. बी.बी. कुमार MBBS, MD (Medicine) FIPM, Fellowship in Rheumatology
डॉ. आकाश गर्ग MBBS, DNB (MEDICINE) पेट एवं आंत रोग विशेषज्ञ
गैस, उल्टी की समस्या
भूख न लगना, पेट दर्द
डॉ. विनय कुमार MBBS, MD (General Medicine) DM (Nephrology) किडनी रोग विशेषज्ञ
तेज डायग्नोस्टिक सेन्टर 1.5 TESLA MRI
डॉक्टर्स हाउस @ सरगुजा
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल - II
रानी तालाब के सामने, जिला हॉस्पिटल रोड़ अम्बिकापुर
डॉ. आशु जैन MS, MCH, FHIC, Neuro Surgery
डॉ. निशांत कुमार साहू
06 जुलाई 2025 माह के प्रथम रविवार
अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें 07774222555, 9425583780, 9826183780, 8224007799, 8718003300, 6262639090
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जांच की सुविधा उपलब्ध


# छत्तीसगढ़ फुटवियर एसोसिएशन ने जीएसटी के छापों से तंग आकर चेंबर अध्यक्ष से की मुलाकात

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ फुटवियर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष शिव गंगवानी ने छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष से मुलाकात की। इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य माल और सेवा कर (जीएसटी) के लगातार होते छापों पर चिंता व्यक्त की एवं छोटे छोटे दुकानदारों से जबरदस्ती रकम जमा करवाने का दबाव बना रहे हैं ।जिस पर व्यापारियों ने बड़ा रोष व्यक्त किया है एवं प्रदेश बंद का आवाहन चेंबर से किया है।

चेंबर अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने फुटवियर व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि चेंबर उनकी इन चिंताओं को उचित मंचों पर उठाएगा। उन्होंने कहा कि व्यापारिक समुदाय के सामने आ रही इन समस्याओं का समाधान सरकार के साथ मिलकर निकालने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। थौरानी ने व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। थौरानी ने जल्द ही एक हेल्प डेक्स बनाने का व्यापारियों को आश्वासन दिया जिसके अंतर्गत जीएसटी एवं इनकम टैक्स से संबंधित परेशानियों का समाधान किया जाएगा।

बैठक में चेंबर सलाहकार सरल मोदी ने जीएसटी में चालान के प्रावधान नहीं होने की जानकारी दी एवं कहा कि गेराज माल भेजते समय टैक्स इनवॉइस साथ में देवें। चेंबर वाइस चेयरमेन एवं सी ए चेतन तारवानी न्यू फुटवियर व्यापारियों को बताया कि जीएसटी सर्वे के समय किन-किन बातों का ध्यान रखें उन्होंने व्यापारियों को उनके अधिकारों से भी अवगत कराया। सी ए रवि ग्वालानी जी ने जीएसटी की धारा 71 एवं धारा 67 के बारे में जानकारी दी। सी ए दयाल दास राजपाल जी ने भी सर्वे के दौरान व्यापारियों के अधिकारों की जानकारी दी। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों, रायपुर धमतरी, कांकेर, जगदलपुर, महासमुंद, दुर्ग, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, महासमुंद, सरगुजा सहित अन्य जिलों से फुटवेयर व्यापारी शामिल हुए।

# जिनप्रतिमा के 9 अंगों के पूजन की विधि की जानकारी लेकर बच्चों ने किया शान्ति कलश पूजन

रायपुर। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणि प्रभ सूरीश्वर जी की पावन प्रेरणा से श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में सौ से ज्यादा बच्चों ने इस संडे को शान्ति कलश की विधि सिखी। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि इस भौतिक युग में बच्चों के जीवन को धर्म के मार्ग पर मोड?ा जरूरी है इसी उद्देश्य से गुरुदेव की प्रेरणा से प्रति संडे बच्चों को स्नात्र पूजा , चंदन पूजा व पूजा विधि के सुत्रों का अध्ययन कराया जाता है। इसी कड़ी में आज बच्चों को शान्ति कलश की विधि सिखाई गई। शांति कलश प्रत्येक दिन स्नात्र पूजा के अंत में किया जाता है।

महेन्द्र कोचर ने आगे बताया कि शान्ति कलश में स्नात्र जल की अखण्ड धारा जीवन में अक्षय सुख समृद्धि , शान्ति बनाए रखती है। प्रत्येक पूजन , महापूजन विधान की पूणार्हुति शान्ति कलश से होती है , जिसमें बड़ी शान्ति स्तोत्र का पाठ किया जाता है। भावे भावना भावीए , भावे दीजे दान , भावे जिनवर पूजिए , भावे केवल ज्ञान के पवित्र आत्म कल्याणकारी श्लोकों के साथ जब एक साथ सभी बच्चों ने श्री सीमंधर स्वामी जिन मंदिर में प्रभु प्रतिमा के सामने सामूहिक स्वर में पाठ किया तो मंदिर में अलौकिक दृश्य उपस्थित हो गया। ट्रस्टी नीलेश गोलछा ने बताया कि आज सौ से ज्यादा बच्चों को तीर्थंकर परमात्मा के जन्मकल्याणक निमित्ते स्नात्र महोत्सव और शान्ति कलश विधान की जानकारी देकर स्नात्र महोत्सव पूर्ण कराया गया। जिनप्रतिमा के 9 अंगों के पूजन की विधि की जानकारी देकर नवांगी पूजा कराई गई , जैन धर्म में ही भगवान की प्रतिमा में भक्तों द्वारा सीधे पूजन का विधान है। बच्चों को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार के लाभार्थी प्रमोद कुमार जी बच्छावत मुंबई है। ट्रस्टी ड्रा योगेश बंगानी ने आगे बताया कि चारों दादागुरुदेव के सम्मुख विधिपूर्वक गुरुवंदन की प्रक्रिया सिखाई गई , बच्चों ने दादागुरुदेव का विधिपूर्वक खमासमना देकर वन्दन किया। अंत में दादागुरुदेव इक्तिसा का पाठ किया गया।


◆◆◆---अपना बाजार---◆◆◆

विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

“M.S., E.N.T.”
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

माता राजरानी मेमोरियल ¼MRM½ हॉस्पीटल
RSBY/MSBY
(स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर,
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन fo'k"k & RSBY & MSBY (स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्ध:-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के
विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे
शासकीय अस्पताल रोड़, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
निः शुल्क डॉक्टर (वैद्य) परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

आधुनिक मशीनों एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई | ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे)
सीटी स्कैन | ई.ई.जी, ई.सी.जी.
सोनोग्राफी | टीकाकरण की सुविधा
टी.एन.टी. | प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

SRS HOSPITAL
न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
हमारी उच्च स्तरीय स्वस्थ्य सेवाएं
• जनरल मेडिसिन, सर्जरी रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, एवं बाल हृदय रोग
• सभी प्रकार के सर्जरी की सुविधा आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध है
• 24X7 आपातकालीन सुविधा
• क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा केयर
• एडवांस आई. सी. यू. यूनिट
• निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा
• 24X7 फार्मेसी एवं डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा इलाज की सुविधा उपलब्ध
More information call us +91 96176 05000, +91 70499 85558
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के पास अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

आपके नगर अम्बिकापुर में अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ
समय-दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
रोग : डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, नस मांसपेशियों में दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार हे
पता : माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक से
पुराना बस स्टैण्ड, बाबूपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 07774-222999, 8224007799, 98261

# 48 वी अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल योगा प्रतियोगिता- 2025 का समापन

**रायपुर।** 48 वी अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल योगा प्रतियोगिता-2025 का आयोजन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के मंडल मुख्यालय रायपुर मे 26 से 28 जून तक डब्लुआरएस रेलवे कॉलोनी स्थित सामुदायिक भवन मे किया गया है। इस प्रतियोगिता मे क्षेत्रिय रेलों एवं रेलवे सुरक्षा विशेष बल सहित 14 टीमो के 65 बल सदस्यों ने भाग लिया।
प्रतियोंगिता का समापन पुरस्कार वितरण समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथी श्री मुन्वर खुर्शीद, महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त , बिलासपुर विशिष्ट अतिथि श्री दयानंद मंडल रेल प्रबंधक रायपुर थे, इस कार्यक्रम में रमन कुमार, वरि. मंडल सुरक्षा आयुक्त, रायपुर , वी.के.लांजीवार सहायक सुरक्षा आयुक्त, रायपुर, संदीप डी. खिरटकर, सहायक सुरक्षा आयुक्त और अन्य शाखा अधिकारी उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता की विनर दक्षिण रेलवे रही तथा मध्य रेलवे ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

पुलिस विभाग के लिए आपातकालीन चिकित्सा सेवा एवं सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यशाला संपन्न...पेज 11



## अवैध रेत परिवहन करते तीन वाहन जप्त

**सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**
खनिज व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा पचीरा, महंगई एवं गिरवरगंज क्षेत्र से अवैध रेत का परिवहन करती हुई तीन वाहनों को जप्त किया गया। जिसे थाना बिश्रामपुर एवं सूरजपुर के सुपुर्द किया गया।

## धरती आबा जनभागीदारी अभियान के तहत ग्राम मेंद्राकला में शिविर आयोजित

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**
जनजातीय क्षेत्रों में समग्र विकास और शासकीय योजनाओं की जानकारी देने और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से आज जनपद पंचायत अम्बिकापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मेंद्राकला (सम्मिलित १६ ग्राम) में धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को उनके अधिकारों और योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

शिविर में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पायल सिंह तोमर, जनपद सदस्य श्री विजय कुमार व्यापारी, श्री संजय कुमार रजवाड़े, श्रीमती शोभा भगत, पूर्व जनपद सदस्य श्री संजय रजवाड़े, लवी अग्रवाल, ग्राम पंचायत के सरपंच, उपसरपंच, पंचगण, तथा सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिविर में ग्रामीणों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। अधिकारियों ने ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, आयुष्मान भारत योजना, शौचालय निर्माण, खाद्यान्न सुरक्षा योजना सहित विभिन्न योजनाओं के तहत मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। इसके साथ ही आवेदन की प्रक्रिया, पात्रता शर्तें और समय-सीमा से अवगत कराया गया।

जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ उठाने और अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी गईं। कई ग्रामीणों ने आवास योजना, पेंशन योजना, जल-निकासी, सड़क और बिजली जैसी बुनियादी समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित विभागों को दिए आवेदन।

## विष्णु के सुशासन से बस्तर संभाग में बदल रही है स्वास्थ्य सुविधाओं की तस्वीर

**रायपुर।** चिकित्सक स्टाफ की नियुक्ति से बस्तर संभाग में मजबूत हुई है व्यवस्था मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन और स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से न केवल सामान्य क्षेत्रों में, बल्कि नक्सल प्रभावित जिलों में भी स्वास्थ्य सुविधाएं लोगों की पहुंच में आ रही हैं। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहा है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस), राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन अभियान और मलेरिया मुक्त अभियान जैसे कार्यक्रमों ने इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को नया आयाम दिया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हमारी सरकार की जन-केंद्रित सोच और समर्पित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बस्तर जैसे क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों, मितानिनों तथा स्वास्थ्य कार्यकताओं की मेहनत से बेहतर परिणाम देखने को मिल रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य पूरे छत्तीसगढ़ में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है और इस दिशा में ठोस प्रयास लगातार जारी हैं। बस्तर में घर-घर जाकर जांच, त्वरित उपचार और जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से मलेरिया के प्रसार को नियंत्रित किया गया है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के तहत बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य संस्थानों ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के तहत उल्लेखनीय उपलब्धि

1 जनवरी 2024 से 16 जून 2025 तक बस्तर संभाग में कुल 130 स्वास्थ्य संस्थाओं को क्वालिटी सर्टिफिकेशन प्राप्त हुआ है। इनमें 1 जिला अस्पताल, 16 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 113 उप स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। इसके अलावा, 65 अन्य संस्थाओं का सर्टिफिकेशन कार्य प्रक्रियाधीन है। विशेष रूप से नक्सल प्रभावित जिलों—कांकेर (8), बीजापुर (2), सुकमा (3) और दंतेवाड़ा (1)—में 14 संस्थानों को गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है, जो क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार का प्रमाण है।

नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत बस्तर संभाग में 62,466 राशन कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि एक वर्ष में ही 36,231 आयुष्मान कार्ड पंजीकृत किए जा चुके हैं। इसके अंतर्गत अब तक 52.6 प्रतिशत आयुष्मान कार्ड का कवरेज इन पांच जिलों में हो चुका है, जिसमें 6,816 लोगों को लाभ मिला है और इन पर 8 करोड़ 22 लाख रुपये की राशि क्लेम की गई है।

पिछले डेढ़ वर्षों में बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के लिए 33 मेडिकल स्पेशलिस्ट, 117 मेडिकल ऑफिसर और 1 डेंटल सर्जन की नियुक्ति की गई है। इसके साथ ही राज्य स्तर से 75 तथा जिला स्तर से 307 स्टाफ एवं प्रबंधकीय पदों पर भर्ती की गई है, जबकि 291 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। यह कदम क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

# कानूनी जागरूकता कार्यक्रम, नालसा की नई योजनाओं ने की न्याय की राह आसान

**सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**
न्याय की पहुँच को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य को लेकर एक ऐतिहासिक और ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशानिदेर्शो और जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। जिला पंचायत भवन के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य केंद्र नालसा की चार महत्वपूर्ण नई योजनाएँ थी। जागृति, डॉन, संवाद, और आशा ।इस आयोजन की खासियत यह थी कि इसके साथ किशोर न्याय इकाई पर एक विशेष कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिसमें किशोरों से जुड़े कानूनी पहलुओं और उनके पुनर्वास पर गहन चर्चा हुई ।सकारात्मक शुरूआत और प्रेरणादायक माहौल कार्यक्रम का शुभारंभ बेहद प्रेरणादायक रहा। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के बाद प्रोजेक्टर पर नालसा थीम सॉन्ग चलाया गया, जिसने हॉल में उपस्थित सभी लोगों में कानूनी सेवाओं के प्रति समर्पण और उत्साह का संचार किया। इस दौरान उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधे लगे गमले भेंट किए गए, जो इस कार्यक्रम को एक अनूठा और सकारात्मक स्पर्श देता है ।आशा' योजनाः बाल विवाह के खिलाफ एक नई किरण कुटुंब न्यायालय की न्यायाधीश श्रीमती प्रज्ञा पचौरी ने 'आशा' योजना के विभिन्न पहलुओं को गहराई से समझाया। उन्होंने बताया कि यह योजना बाल विवाह के पीड़ितों को विशेष कानूनी सहायता और परामर्श प्रदान करती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह योजना केवल कागजों पर न रहे, बल्कि ग्राम सरपंचों और पैरालीगल वालंटियर्स को मिलकर इसे जमीनी स्तर पर लागू करना होगा ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को जड़ से खत्म किया जा सके।

पॉक्सो एक्ट और साइबर क्राइम पर महत्वपूर्ण चर्चा

फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय के न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियाल ने पॉक्सो एक्ट पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे यह कानून बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा प्रदान करता है और बाल विवाह पर भी रोक लगाता है। उन्होंने विशेष रूप से सोशल मीडिया के बढ़ते दुरुपयोग और उससे होने वाले साइबर अपराधों पर भी लोगों को जागरूक किया, जो आज के समय में एक बड़ी चुनौती बन गई है। उन्होंने सरपंचों से ग्रामीण स्तर पर इन मुद्दों पर जागरूकता फैलाने की अपील की।

किशोर न्याय की नई परिभाषान्यायिक मजिस्ट्रेट आशीष भगत ने किशोर न्याय बोर्ड (छ्ब्छ्क्क) के प्रावधानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने किशोरों द्वारा किए जाने वाले अपराधों के पीछे के सामाजिक-आर्थिक कारणों, जैसे गरीबी, पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि कैसे किशोर न्याय अधिनियम बच्चों को सुधारने और उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाने का अवसर प्रदान करता है, बजाय इसके कि उन्हें सिर्फ अपराधी माना जाए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती प्रतीक्षा अग्रवाल ने नालसा की इन नई योजनाओं के व्यावहारिक क्रियान्वयन की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं को कैसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा ताकि वे वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुँच सकें और उन्हें समय पर न्याय मिल सके ।कुशल नेतृत्व और व्यापक भागीदारी

यह कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर और न्यायाधीश श्रीमती प्रज्ञा पचौरी की संयुक्त अध्यक्षता में संपन्न हुआ। उनके कुशल नेतृत्व ने कार्यक्रम को एक उच्च स्तर की विश्वसनीयता और दिशा प्रदान की ।कार्यक्रम का संचालन जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने किया। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारियों के साथ-साथ उप पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार महतो, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, रमेश साहू, जिला कार्यक्रम अधिकारी, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक श्रीमती बी. तिर्की, किशोर न्याय बोर्ड के अध्यक्ष एवं सदस्य, बाल कल्याण समिति के अधिकारी, हृदय नारायण श्रीवास्तव, चीफ लीगल एड डिफेंस कौंसिल और ब्लॉक के सभी सरपंचगण भी उपस्थित थे।

# देर रात गश्त के लिए सड़क पर उतरे बड़ी संख्या में पुलिस के अधिकारी व जवान

### 00 203 संदिग्धों को किया चेक, 28 को कड़ी चेतावनी देकर छोड़ा
### 00 68 निगरानी व गुण्डे बदमाशों को अपराध से दूर रहने दी गई हिदायत

**सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**
जिले की पुलिस की सशक्त रात्रि गश्त का असर नजर आने लगा है। रात्रि गश्त के दौरान पुलिस ने २०३ संदिग्धों सजायात व्यक्तियों को चेक किया, २८ को धरपकड़ कर थाना लाया और कड़ी पूछताछ कर छोड़ा गया तथा ६८ निगरानी, गुण्डा व माफी बदमाशों की चेकिंग कर उन्हें सख्त लहजे में अपराधिक गतिविधियों से दूर रहने की हिदायत दी गई ।अपराधों की रोकथाम, आमजनों की सुरक्षा, शांती एवं कानून व्यवस्था को पुख्ता रखने, अपराधियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही हेतु रात्रि गश्त का सशक्त तौर पर करने के निर्देश डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस अधिकारियों को दिए थे ।शनिवार की दरम्यानी रात्रि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के मार्गदर्शन में सूरजपुर क्षेत्र में सीएसपी एस.एस.पैंकरा, अनुभाग प्रेमनगर क्षेत्र में एसडीओपी नरेन्द्र सिंह पुजारी, अनुभाग ओड़गी क्षेत्र में एसडीओपी राजेश जोशी, अनुभाग प्रतापपुर में एसडीओपी सौरभ उईके, भटगांव क्षेत्र में डीएसपी रितेश चौधरी, विश्रामपुर क्षेत्र में एसडीओपी अभिषेक पैंकरा व डीएसपी अनूप एक्का के नेतृत्व में सभी थाना-चौकी प्रभारी व पुलिस लाईन के ३५० से अधिक अधिकारी व जवानों ने रात्रि गश्त किया।

इस दौरान जिलेभर में गश्त कर दबिश देकर २०३ संदिग्धों/सजायात को चेक किया गया, २८ लोगों को पकड़कर थाना लाया गया, सख्ती से पूछताछ के बाद इन्हें कड़ी चेतावनी के बाद छोड़ा गया, रात्रि में ४५ घुमते हुए पाए गए लोगों की भी सघन पूछताछ कर जांच की गई। रात्रि गश्त में ६८ निगरानी, माफी व गुण्डा बदमाश को चेक करने पर यह सभी अपने घर पर मिले जिन्हें अपराध से दूर रहने की कड़ी हिदायत दी गई और उनके मोबाईल नंबर की जानकारी लेते हुए जीवन यापन के कार्यो की बारीकी से जानकारी ली गई।

रात्रि गश्त के दौरान पुलिस टीमों के द्वारा विद्यालय परिसर, जिला चिकित्सालय और बस स्टैण्ड, बैंक एवं एटीएम की आकस्मिक जांच की गई। शहर के चौक-चौराहों पर शराब पीकर वाहन चलाने वालों की चेकिंग की गई।

## छत्तीसगढ़ में बन रहा उद्योग-धंधों के लिए अनुकूल माहौल - मुख्यमंत्री

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के फलस्वरूप कृषि के साथ-साथ उद्योग-धंधों के लिए भी एससी-एसटी सहित सभी वर्गों के लिए अनुकूल वातावरण पूरे प्रदेश में बना हुआ है। यही वजह है कि अब तक प्रदेश में लगभग साढ़े पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। उक्त बातें मुख्यमंत्री श्री साय ने रायपुर में आयोजित डॉ. आंबेडकर बिजनेस कॉन्क्लेव एवं एक्सिलेंस अवॉर्ड्स समारोह में कही। उन्होंने दलित चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) द्वारा आयोजित इस कॉन्क्लेव को नव उद्यमियों को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया एवं छत्तीसगढ़ में आयोजन के लिए बधाई दी।

इस दौरान श्री साय ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के नव उद्यमियों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया। कॉन्क्लेव में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लगभग 800 से अधिक नव उद्यमियों ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमने यहां नई औद्योगिक नीति को अपनाया है, जिसे बहुत परिश्रम से हमारी सरकार ने तैयार कर प्रदेश में उद्योग के क्षेत्र में नई संभावनाओं को पंख देने का कार्य किया है। इसके तहत देश के बड़े मेट्रो शहरों में इंडस्ट्रियल समिट का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत इतने कम समय में ही 5.50 लाख करोड़ रुपये का निवेश विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त हुआ है। अकेले पावर सेक्टर में ही 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ है। हमारी औद्योगिक नीति का ही परिणाम है कि आज रायपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा सेंटर सहित सेमीकंडक्टर निर्माण इकाइयों की स्थापना हो रही है। श्री साय ने कहा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समाज के लोगों को उद्यमिता के क्षेत्र में बढ़ावा देने से ही देश विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर होगा। हमें आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करना है, जिसके लिए हमें उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ ?ा ही होगा। इस अवसर पर दलित चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) के फाउंडर चेयरमैन पद्मश्री डॉ. मिलिंद कांबले ने वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ राज्य के लिए 360 डिग्री अप्रोच वाली योजना की आवश्यकता बताई, जिससे उद्यमिता के क्षेत्र में बढ़ रहे अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को उद्योग से संबंधित उच्चस्तरीय प्रबंधन, टेक्नोलॉजी, वित्तीय प्रबंधन, सब्सिडी, मार्केट लिंकेज तथा मार्केटिंग जैसे अन्य महत्वपूर्ण विषयों की त्वरित जानकारी उपलब्ध कराई जा सके।

इस दौरान उन्होंने डिक्की के उद्देश्यों के बारे में भी विस्तार से

## यात्री सुविधाओं, रेल विकास से संबन्धित कार्यों पर आज होगी बैठक

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले रायपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद बृजमोहन अग्रवाल की बैठक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के साथ 30 जून को आयोजित होगी। यह बैठक मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय रायपुर के सभागार में आयोजित की जायेगी।

विगत वर्ष 2024 में सांसदों के साथ हुई बैठक में उठाए गए मुद्दों पर रेल प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए कई मांगे पूर्ण की है। नई ट्रेनों की मांग जैसे कुंभ स्पेशल होली स्पेशल छठ स्पेशल दीपावली स्पेशल चलाई गई है ।अमृत भारत स्टेशन स्टेशन योजना के तहत रायपुर मंडल के उरकुरा, भिलाई एवं भानुप्रतापपुर स्टेशनों का कायाकल्प कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन किया गया।

# पीएम सूर्यघर योजना से मुफ्त बिजली की राह हुई आसान, बिजली बिल में दिख रहा असर

**रायपुर।** पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना गरीब और मध्यम वर्ग परिवारों को महंगे बिजली बिल से निजात दिलाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल हैं। जिसमें हितग्राही अपनी छत पर सोलर पैनल के माध्यम बिजली उत्पादन कर अपनी आवश्यकता के बाद बचे सरप्लस बिजली को बेच कर आय भी अर्जित कर सकता है। जिन लोगों ने इस योजना का लाभ लेकर अपनी छतों में सोलर पैनल लगवाए हैं उनके बिजली बिल में इसका असर साफ तौर पर देखा जा सकता है।

रायगढ़ जिले के रवि जायसवाल ने अपने घर पर दिसंबर माह में 3 किलो वाट का सोलर प्लांट लगवाया है। इसके लिए उन्हें बैंक लोन भी आसानी से मिल गया। आवेदन करने के बाद विद्युत विभाग ने जल्द उनके घर सोलर प्लांट लगवा दिया। योजना की सब्सिडी भी कुछ ही दिनों में खाते में आ गई। उन्होंने बताया कि पहले उनका बिल जो औसतन 3 से 4 हजार के बीच आता था, वो अब घट कर एक तिहाई से भी कम हो गया है। एक बार बिल माइनस में आया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहली बार अपनी जिंदगी में बिजली का बिल माइनस में देखा है। उन्होंने कहा कि सोलर प्लांट की लंबी लाइफ है, एक बार इन्वेस्टमेंट कर आगे 25 सालों तक इस सोलर प्लांट से लाभ लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से यह योजना राहत तो देती ही है साथ ही पर्यावरण संरक्षण और हरित ऊर्जा के उद्देश्य पूर्ति में भी काफी कारगर है। उन्होंने दूसरों को भी योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि अपनी जरूरत की बिजली छत पर बनाएं और सरप्लस बिजली बेच कर पैसे भी कमाएं।

जैसा कि योजना का नाम पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना है, इसका उद्देश्य सौर ऊर्जा के माध्यम से हितग्राहियों को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना है। यह किफायती बिजली पाने का सबसे प्रभावी तरीका है। केंद्र और राज्य सरकार की सब्सिडी के बाद सोलर सिस्टम लगाने के बाद इसकी लागत भी काफी कम हो गई है। बैंको से भी कम दरों पर आसान मासिक किश्त के साथ लोन की सुविधा भी उपलब्ध है।

ऐसे ले सकते हैं 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली

यदि घरेलू उपभोक्ता का प्रतिमाह औसत खपत 300 यूनिट है तब उर्जा प्रभार, नियत प्रभार, ड्यूटी, सेस तथा वी सी ए, सब मिलाकर कुल 2160 रूपए प्रतिमाह बिजली बिल बनता है अर्थात एक वर्ष का कुल औसत खपत 3600 यूनिट मान कर चले तो एक वर्ष का बिजली बिल 25,920 रूपए के लगभग आयेगा। परन्तु यदि उपभोक्ता ने 3 किलो वॉट का सोलर सिस्टम स्थापित कर लिया तो प्रतिदिन 12 यूनिट के आधार पर प्रतिमाह 360 यूनिट उत्पादन होगी। बारिश के मौसम में थोड़े कम उत्पादन को समायोजित करते हुए औसत उत्पादन को न्यूनतम मान कर 300 यूनिट प्रतिमाह मानते हैं तो एक वर्ष का उत्पादन 3600 यूनिट हो जाएगा। जिसमें दिन भर में उपभोक्ता के खपत के अतिरिक्त यूनिट सीधा आटोमेटिक बिजली विभाग के ग्रिड में एक्सपोर्ट हो जाएगा तथा रात में उसके द्वारा की जाने वाली खपत पर आटोमेटिक समायोजन हो जाएगा।

अर्थात एक वर्ष के उपभोक्ता के खपत को बढ़ते क्रम में तथा प्रतिवर्ष बिजली बिल की बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए खपत यूनिट 3600 को उत्पादन यूनिट 3600 को बराबर मान लिया जाये तो वार्षिक बिजली बिल की लागत राशि 25,920 रुपए लगभग शून्य हो जाएगी। यदि खपत 300 यूनिट से अधिक है तो भी प्रति माह औसतन 300 यूनिट का उत्पादन कर उतनी बिजली उपभोक्ता मुफ्त में प्राप्त कर सकता है। खपत 300 यूनिट से कम हुई तो अतिरिक्त बिजली ग्रिड में एक्सपोर्ट हो जाती है जिसका भुगतान उपभोक्ता के बिल में एडजस्ट कर दिया जाता है।

आसान मासिक किश्तों में बैंक लोन उपलब्ध

केंद्र और राज्य सरकार से मिल रही सब्सिडी के बाद उपभोक्ता के लिए 1 किलोवॉट की लागत 15 हजार, 2 किलोवॉट की 30 हजार और 3 किलोवॉट की लागत 72 हजार रुपए रह गई है। साथ ही इसके लिए बैंकों से करीब 6.5 प्रतिशत की दर से लोन आसान मासिक किश्तों के साथ मिल जाता है। यदि उक्त ब्याज दर के साथ 10 वर्षों का लोन भी उपभोक्ता लेते हैं तो उन्हें 1 किलोवॉट के लिए 170 रुपए, 2 किलोवॉट के लिए 341 रुपए और 3 किलोवॉट के लिए 818 रुपए की किश्त आती है। यह 300 यूनिट के लिए लगने वाले मासिक बिजली बिल से भी कम है।